आज का विचार

खूबसूरत रिश्तों को संभाल कर रखना साहब... अगर यह खो गए तो गूगल से भी नहीं ढूंढ पाओगे।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | शुक्रवार, 13 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 37, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

वायु सेना के लिए फ्रांस से 114 राफेल जेट्स खरीदने को केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

सीसीएस से अंतिम मंजूरी के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भारत दौरे पर डील होगी पक्की

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भारत दौरे से पहले केंद्र सरकार ने लंबे इंतजार के बाद वायु सेना के लिए फ्रांस से 114 राफेल फाइटर जेट खरीदे जाने को गुरुवार को मंजूरी दे दी। इसमें 18 विमान सीधे फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन कंपनी से निर्मित होकर भारत आएंगे। शेष 96 विमान भारत में निजी कंपनियों के साथ साझेदारी में बनाए जाएंगे। इनमें से कई ट्विन-सीटर ट्रेनिंग वर्जन भी होंगे। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) से गुरुवार को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) मिलने के बाद व्यावसायिक वार्ता शुरू होगी, फिर अंतिम मंजूरी प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) देगी।

रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में आज डीएसी की बैठक साउथ ब्लॉक में हुई, जिसमें सशस्त्र सेनाओं के लिए कई अहम फैसले हुए। केंद्र ने फ्रांस के साथ सरकार से सरकार सौदे के तहत वायु सेना के लिए 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने को मंजूरी दे दी है। इन विमानों में 40-50 फीसदी मेक इन इंडिया हथियारों को इंटीग्रेट करने का पूरा अधिकार होगा। फ्रांस के साथ 3.25 लाख करोड़ रुपये का यह सैन्य हार्डवेयर सौदा किसी भी देश के साथ अब तक हुए अनुबंध से कम से कम पांच गुना बड़ा है। भारत के पास अभी 36 राफेल हैं और इस सौदे से 150 विमान हो जाने पर देश की हवाई ताकत कई गुना बढ़ने की उम्मीद है।

वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल नागेश कपूर ने एक दिन पहले ही प्रेस कांफ्रेंस में बताया था कि ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भारत ने पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमला किया, जिसमें राफेल एक 'हीरो' था। अब इस सौदे के लिए मंजूरी मिलने के बाद भारत के पास कुल राफेल ऑर्डर 186 जेट्स हो जाएंगे, क्योंकि भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-एम का 63 हजार करोड़ का पहले ही ऑर्डर दिया जा चुका है। भारत में लगभग 100 जेट्स बनाए जाएंगे, जिसमें टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, डसॉल्ट-टाटा पार्टनरशिप और मेक इन इंडिया को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। इनकी डिलीवरी 2030 तक होने की उम्मीद है

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता वाले डिफेंस प्रोक्योरमेंट बोर्ड ने 16 जनवरी को ही फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन से 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में डीएसी की मंजूरी मिलने के बाद अंतिम मंजूरी प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी देगी। इसके बाद यह डील इसी माह फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के भारत दौरे पर पक्की हो जाएगी। वायु सेना के अंबाला एयरबेस पर पहले से ही राफेल फ्लाइट-ट्रेनिंग और मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल सुविधा चालू है।

राफेल के साथ पाकिस्तानी आतंकी अड्डे तबाह करने वाली स्कैल्प क्रूज मिसाइलें भी खरीदी जाएंगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार से गुरुवार को मंजूरी मिलने के बाद भारत और फ्रांस के बीच स्कैल्प क्रूज मिसाइलें खरीदने के लिए सौदा होगा। इन मिसाइलों का इस्तेमाल भारतीय वायु सेना ने पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के अंदर जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी हेडक्वार्टर को तबाह करने के लिए किया था। केंद्र से आज लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये के सौदे को मंजूरी मिली है, जिसमें राफेल जेट के साथ तीन तरह की मिसाइलें भी हैं। राफेल विमान हवा में 500 किलोमीटर की दूरी तक हमला कर सकता है, इसीलिए इसे युद्ध के आसमान में 'गेम चेंजर' का खिताब दिया जाता है। राफेल में तीन तरह की मिसाइलें लगाई जा सकती हैं, जिसमें मीटियोर, स्कैल्प और हैमर मिसाइल हैं। इन तीनों मिसाइलों के साथ लैस होने की वजह से ही राफेल ने चीन और पाकिस्तान की नींद उड़ा रखी है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्कैल्प मिसाइलों को वायु सेना के राफेल फाइटर जेट्स ने पाकिस्तान के मुरीदके और बहावलपुर में आतंकवादी मुख्यालय को तबाह करने के लिए लॉन्च किया था।भारतीय वायु सेना ने 6-7 मई की रात को पाकिस्तान में आतंकवादी मुख्यालयों को सफलतापूर्वक नष्ट करने के बाद पाकिस्तानी वायु सेना के ठिकानों पर हमला करने के लिए उनका फिर से बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया, जिसमें भी स्कैल्प की सटीकता रही। वायु सेना ने पाकिस्तानी वायु सेना के 12 प्रमुख हवाई ठिकानों पर हमला किया और बड़ी संख्या में उच्च मूल्य वाले लक्ष्यों को नष्ट कर दिया, जिनमें लड़ाकू जेट और जमीन पर जासूसी विमान शामिल थे। भारतीय वायु सेना अपने राफेल जेट के बेड़े के लिए बड़ी संख्या में मीटियोर एयर टू एयर मिसाइल का ऑर्डर देने की प्रक्रिया में है। भारतीय वायु सेना के पास अभी 36 राफेल हैं। अब 114 विमानों का सौदा होने के बाद भारत के पास कुल राफेल ऑर्डर 186 जेट्स हो जाएंगे, क्योंकि भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-एम का 63 हजार करोड़ का पहले ही ऑर्डर दिया जा चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की 25 करोड़ जनता निकली गरीबी रेखा से बाहर : नायब सैनी

आत्मनिर्भर हस्तशिल्प मेला है कला का एक अनूठा संगम : मुख्यमंत्री

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की जनता का आशा और विश्वास बढ़ा है। प्रधानमंत्री की जनकल्याणकारी नीतियों से लोगों के चेहरों पर विश्वास की नई मुस्कान आई है। भारतीय जनता पार्टी ने मात्र 11 वर्ष के शासनकाल में देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं।

मुख्यमंत्री श्री सैनी वीरवार को सूरजकुंड मेला के दौरान राजहंस पर्यटन केंद्र में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हर वर्ग के लिए कल्याणकारी नीतियां लागू कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विश्व में नई पहचान बनी है। आज पूरी दूनिया भारत को आशा भरी नजरों से देख रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। पूरा विपक्ष मुद्दाविहीन हो गया है। एक तरह से विपक्ष बौखलाहट में है, अनापशनाप बयानबाजी करना इसका प्रमाण है।

देश व प्रदेश की जनता का विपक्ष से विश्वास उठ चुका है। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में पंजाब में भारतीय जनता पार्टी जीत का परचम लहराएगी।

सूरजकुंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर हस्तशिल्प मेले पर बोलते हुए मुख्यमंत्री श्री सैनी ने कहा कि विश्वविख्यात इस मेले में अब तक 10 लाख से अधिक लोग भ्रमण कर चुके हैं। इस मेले में देश-विदेश के प्रसिद्ध कारीगर अपनी हस्तशिल्प कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस मेले से न केवल हस्तशिल्प कला को देखने का मौका मिलता है बल्कि समझने का भी अवसर मिलता है। सुप्रसिद्ध कारीगरों की हस्तशिल्प कला मेले में आने वाले पर्यटकों का ध्यान अनायास ही अपनी ओर आकर्षित कर रही है। यह मेला कला का एक अनूठा संगम है। हरियाणा में प्रत्येक वर्ष आयोजित हो रहा यह मेला अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों को एक मंच प्रदान करता है।

अस्पताल में भर्ती झूला हादसा पीड़ितों से मिले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। गत दिनों हुए सूरजकुंड झूला हादसे के बाद वीरवार 12 फरवरी को मेला परिसर में पहुंचे मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सुप्रीम अस्पताल में भर्ती तीन घायलों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने पीड़ितों को आश्वस्त किया कि सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि हादसा दुर्भाग्यपूर्ण था और सरकार इसके प्रति बेहद गंभीर है। उन्होंने घायलों को आश्वस्त किया कि उनके इलाज का पूरा खर्च हरियाणा सरकार वहन करेगी। हादसे में शहीद होने वाले इंस्पेक्टर श्री जगदीश प्रसाद के प्रति भी संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उनके परिवार को सरकारी नौकरी और आर्थिक मदद देगी। साथ ही भविष्य में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को रोकने के लिए ह्यझूला सेफ्टी पॉलिसीह्व बनाएगी, जिसका उद्देश्य झूलों और मनोरंजन साधनों को सुरक्षित बनाना होगा। इससे आमजन की सुरक्षा और अधिक सुनिश्चित की जा सकेगी। इस दौरान हरियाणा के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता, एमडी हरियाणा टूरिज्म पार्थ गुप्ता, डीसी आयुष सिन्हा, सीएमओ जयंत अहूजा मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय बजट की सराहना कर आर्थिक विकास के लिए अहम बताया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वित्त मंत्री का भाषण साझा करते हुए केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना की और इसे आर्थिक विकास के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट सुधारों, छोटे उद्योगों, कौशल विकास, आधुनिक ढांचे के साथ स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों और देश के विकास के लिए सार्थक सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि लोकसभा में अपने भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बात का विस्तृत विवरण दिया कि इस वर्ष का बजट देश के आर्थिक परिवर्तन में किस प्रकार योगदान देगा। उन्होंने रिफॉर्म एक्सप्रेस, एमएसएमई को समर्थन, कौशल विकास, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों और अन्य पहलुओं पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि वित्त मंत्री ने इस बात का व्यापक विवरण दिया कि बजट राष्ट्र के आर्थिक परिवर्तन में किस प्रकार योगदान देगा।

उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 01 फरवरी को संसद में वित्तीय वर्ष 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश किया। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव और निवेश की बदलती परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया यह बजट, सतत विकास और राजकोषीय अनुशासन पर ध्यान देने की बात दोहराता है।

महर्षि दयानंद सरस्वती के सामाजिक सुधार के प्रयास देशवासियों के लिए प्रेरणापुंजः प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती पर उनका पुण्य स्मरण करते हुए नमन किया। उन्होंने कहा कि मां भारती की सेवा में आजीवन समर्पित रहे महर्षि दयानंद का जीवन ज्ञान, सेवा और सामाजिक सुधार का प्रतीक है। उन्होंने शिक्षा के प्रसार के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और परंपरा को समृद्ध करने में अतुलनीय योगदान दिया। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती के सामाजिक सुधार के प्रयास देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणापुंज बने रहेंगे। उन्होंने उनके योगदान को राष्ट्र निर्माण से जोड़ते हुए नमन किया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में ज्ञान के महत्व को बताते हुए संस्कृत में सुभाषित साझा किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान का दीपक न केवल अज्ञान के अंधकार को मिटाता है, बल्कि समस्त जगत को आलोकित भी करता है। उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती के दिव्य व्यक्तित्व को इसका साक्षात उदाहरण बताया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर संस्कृत श्लोक साझा किया, ऊर्ध्वमूलमधःशाखमश्वत्थं प्राहुरव्ययम्। छन्दांसि यस्य पर्णानि यस्तं वेद स वेदवित्।। प्रधानमंत्री ने इस सुभाषित में सृष्टि को एक ऐसे अश्वत्थ वृक्ष के रूप में बताया, जिसकी जड़ ऊपर और शाखाएं नीचे हैं। इसके पत्तों को वेद कहा गया है। जो इसके तत्व को जान लेता है, वही सच्चा ज्ञानी माना जाता है।

बिजली महादेव में रोपवे परियोजना का निर्माण कार्य बंद : नितिन गडकरी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मन्त्री नितिन गडकरी ने बताया कि कुल्लू जिला के बिजली महादेव में कार्यरत रोपवे परियोजना का निर्माण कार्य स्थानीय नागरिकों के विरोध और प्रदर्शनकारियों द्वारा रोपवे पर कार्यरत कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार की बजह से जुलाई 2025 से बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि क्योंकि स्थानीय नागरिक सांस्कृतिक, ऐतिहासिक कारणों का हवाला देकर इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने राज्य सभा सांसद इंदु बाला गोस्वामी द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में संसद में बताया कि 272 करोड़ रुपए लागत की इस परियोजना का निर्माण कार्य हाइब्रिड एन्युटी मोड के माध्यम से अवार्ड किया गया है तथा इस परियोजना की फारेस्ट क्लीयरेंस प्रदान की जा चुकी है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मन्त्री प्रताप राव जाधव ने राज्य सभा सांसद इंदु गोस्वामी को संसद में बताया कि प्रधान मन्त्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 31 मार्च 2026 तक हिमाचल प्रदेश में 5.32 लाख परिवारों को कवर किया गया है और इसके अंतर्गत राज्य में लाभार्थिओं को 13.68 लाख आयुष्मान कार्ड प्रदान किये गए हैं।

उन्होंने बताया कि प्रधान मन्त्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 31 मार्च 2026 तक कांगड़ा और चम्बा जिलों में 73 सरकारी और निजी अस्पतालों को इम्पैनल किया गया है। उन्होंने बताया कि इसमें कांगड़ा जिला में 24 सरकारी और 36 प्राइवेट अस्पताल इम्पैनल किये गए हैं जबकि चम्बा में 8 सरकारी और 5 प्राइवेट अस्पताल इम्पैनल किये गए हैं।

उन्होंने बताया कि योजना के अन्तर्गत पात्र ब्यक्तियों को पहले से ग्रसित बिमारियों के लिए भी सालाना पांच लाख तक की मुफ्त चिकित्सा सुविधा प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव' का प्रस्ताव संविधान के अनुरूप: बीआर गवई

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की गुरुवार को हुई बैठक में पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का प्रस्ताव संविधान के अनुरूप है और यह मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं करता। उन्होंने कहा कि संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार है और यह उसका विशेषाधिकार है। इसमें लोकतंत्र या संघीय ढांचे का कोई उल्लंघन नहीं है।

बैठक के बाद संसद के बाहर जेपीसी के अध्यक्ष और भाजपा सांसद पीपी चौधरी ने पत्रकारों को जानकारी दी कि बैठक में सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे। पूर्व न्यायमूर्ति बीआर गवई ने बैठक में आकर सदस्यों द्वारा संवैधानिक वैधता से जुड़े सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा सभी दलों को राष्ट्रीय हित में एकजुट होकर इस पर काम करना चाहिए, ताकि विश्व के सामने देश की एकता प्रदर्शित हो सके। उन्होंने कहा कि यदि इन चुनावी सुधारों को लागू किया जाता है तो पूरे देश को इसका लाभ मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि एक राष्ट्र एक चुनाव के तहत देश में लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की बात की गई है। 2 सितंबर 2023 को एक कमेटी का गठन किया गया था। इस कमेटी का अध्यक्ष पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को नियुक्त किया गया था। उन्होंने अपनी रिपोर्ट संसद को सौंप दी और एक देश एक चुनाव कराने का समर्थन किया। इसके बाद इस विधेयक को 17 दिसंबर 2024 को लोकसभा में संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया। विधेयक को 19 दिसंबर 2024 को संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया।

सदन में भेदभाव को लेकर विपक्षी सांसदों ने किया ससंद भवन परिसर में विरोध प्रदर्शन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र के 12वें दिन गुरुवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने संसद भवन परिसर के मकर द्वार के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते, लोकसभा अध्यक्ष के चैंबर में विपक्षी सांसदों पर लगे अभद्रता के आरोपों और कई अन्य मुद्दों को लेकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रमोद तिवारी, राजीव शुक्ला, दीपेंद्र हुड्डा, समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव, धर्मेंद्र यादव, जया बच्चन, प्रिया सरोज समेत बड़ी संख्या में विपक्षी सांसद मौजूद रहे। प्रदर्शनकारी सांसदों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ नारेबाजी की। उनके हाथों में बैनर और पोस्टर थे जिन पर एमएसपी बचाओ, क्राइम हटाओ, ट्रैप डील जैसे नारे लिखे थे।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के विपक्षी सांसदों पर लोकसभा अध्यक्ष के चैंबर में घुसकर अभद्रता करने के आरोप लगाने पर सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि हमने किसी को गाली नहीं दी। एक-दो सांसद आक्रोशित थे और उन्होंने अपनी बात रखी। प्रियंका ने कहा, रिजिजू ने कहा कि मैं उन्हें उकसा रही थी, यह झूठ है। मैं शांत बैठी थी और अंत में कुछ बातें शांति से कही थीं।

राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पर कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा कि भाजपा राहुल गांधी के पीछे इसलिए पड़ी है क्योंकि उन्होंने इतने मुद्दे उठाए हैं जिनका भाजपा के पास कोई जवाब नहीं है। इसलिए वह उन्हें निशाना बनाते रहते हैं, कभी विशेषाधिकार प्रस्ताव लाते हैं, कभी संसद से निष्कासित करते हैं। पंडित नेहरू ने देश बनाया, इंदिरा जी ने देश बनाया, राजीव गांधी ने देश बनाया। आज जो मोबाइल फोन और आईटी सेक्टर है, उसमें राजीव गांधी का योगदान है। मनमोहन सिंह ने आर्थिक सुधार किए। कांग्रेस ने देश बनाया और भाजपा उसे बेच रही है ।भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कांग्रेस सांसद जेबी माथर ने कहा कि क्या आपने कश्मीर से खबर सुनी? वहां के सेब उत्पादक पहले ही कह चुके हैं कि उनका कारोबार प्रभावित हुआ है। देश के अलग-अलग हिस्सों से इसी तरह की प्रतिक्रियाएं आएंगी। जब सभी सेक्टर प्रभावित होंगे तो क्या विपक्ष चुप रहेगा? हम जनता की आवाज उठा रहे हैं। यही कारण है कि राहुल गांधी ने संसद में स्पष्ट भाषण दिया।

दिल्ली में सोनिया, खरगे से मिले डीके शिवकुमार, बोले- यहां राजनीति करने आए

नई दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य नेताओं से गुरुवार को यहां अलग-अलग मुलाकात की। मुलाकात के बाद शिवकुमार ने कहा कि वह यहां सिर्फ दिल्ली की हवा खाने नहीं आए हैं, बल्कि राजनीति करने आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाला समय ही हर सवाल का जवाब देगा। सोनिया गांधी से दस जनपथ स्थित आवास पर मुलाकात के बाद शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा कि वह सड़क पर खड़े होकर राजनीति नहीं करना चाहते और पार्टी नेतृत्व से सभी जरूरी मुद्दों पर चर्चा कर चुके हैं। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष खरगे और महासचिव केसी वेणुगोपाल से भी मुलाकात की जानकारी दी। शिवकुमार ने कहा कि दिल्ली आने पर पार्टी नेतृत्व को सभी मामलों की जानकारी देनी होती है, जिस पर विस्तार से बातचीत हुई। हालांकि शिवकुमार ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात पर सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि असम विधानसभा चुनाव और अन्य राजनीतिक मामलों पर भी चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल और अन्य नेताओं के साथ मिलकर असम में कांग्रेस की सरकार बनाने की रणनीति पर विचार किया। शिवकुमार की इस मुलाकात के बाद कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें लगाई जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में नेतृत्व को लेकर खींचतान पिछले साल नवंबर से जारी है, जब सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे रास्ते पर पहुंची थी। इससे पहले कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने दावा किया था कि कम से कम 80 विधायकों ने मुख्यमंत्री पद के लिए शिवकुमार का नाम हाईकमान को भेजा है।

हिमाचल सरकार ने खोला नौकरियों का पिटारा, कैबिनेट ने 1066 पद भरने को दी मंजूरी, ओपीएस नहीं होगी बंद

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश की सुक्खू सरकार ने स्पष्ट किया है कि आरडीजी (रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट) बंद होने के बावजूद पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को बंद नहीं किया जाएगा और सरकारी भर्तियां भी पहले की तरह जारी रहेंगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में गुरूवार को सचिवालय में हुई कैबिनेट की बैठक में विभिन्न विभागों में खाली पड़े 1066 पदों को भरने की मंजूरी दी गई। सरकार का कहना है कि वित्तीय चुनौतियों के बावजूद विकास कार्यों की रफ्तार नहीं रुकेगी और राज्य अपने संसाधन स्वयं सृजित करेगा।

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि आरडीजी बंद होना राज्य के लिए झटका जरूर है, लेकिन इससे विकास पर असर नहीं पड़ने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने पिछले तीन वर्षों में लगभग 3500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व जुटाया है और आगे भी संसाधन बढ़ाने पर जोर रहेगा। बैठक में राज्यपाल के आगामी बजट सत्र के अभिभाषण को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही टोल टैक्स बैरियर नीति 2026-27 और आबकारी नीति 2026-27 को भी स्वीकृति प्रदान की गई। अब शराब के ठेकों की नीलामी ई-ऑक्शन के माध्यम से की जाएगी। स्ट्रीट वेंडर्स नीति को भी हरी झंडी दी गई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े फैसले लेते हुए 1617.40 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेजों, सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों और आदर्श स्वास्थ्य संस्थानों के आधुनिकीकरण को मंजूरी दी गई है। इसके तहत पुरानी मशीनरी की जगह आधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे, जिससे मरीजों को राज्य से बाहर इलाज के लिए न जाना पड़े। कमला नेहरू अस्पताल शिमला के मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल, सुंदरनगर व नूरपुर सिविल अस्पताल, ऊना क्षेत्रीय अस्पताल, भोरंज के 50 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक और बिलासपुर की जिला सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला के लिए आधुनिक उपकरण खरीदे जाएंगे। नाहन मेडिकल कॉलेज में इम्यूनोहेमेटोलॉजी और ब्लड ट्रांसफ्यूजन विभाग भी स्थापित किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग में 30 रेडियोग्राफर, 40 फार्मेसी अधिकारी, 150 असिस्टेंट स्टाफ नर्स और 10 फूड सेफ्टी अधिकारी के पद भरने की मंजूरी दी गई है। नूरपुर, बद्दी और ऊना में ड्रग टेस्टिंग प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी, जिनके लिए 36 पद सृजित होंगे। सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में बायोमेडिकल उपकरणों के रखरखाव के लिए विशेष प्रबंधन कार्यक्रम भी लागू किया जाएगा। शिक्षा क्षेत्र में प्रस्तावित 100 सीबीएसई स्कूलों के लिए संस्कृत, शारीरिक शिक्षा, संगीत और ड्राइंग के 600 अध्यापक पद सृजित किए गए हैं, जिन्हें राज्य चयन आयोग के माध्यम से भरा जाएगा। 31 बालक और बालिका स्कूलों को मिलाकर सहशिक्षा स्कूल बनाने का निर्णय भी लिया गया है। 777 अतिरिक्त स्कूलों में डिजिटल क्लासरूम परियोजना लागू की जाएगी। लोक निर्माण विभाग के लिए रोड ड्रेनेज नीति और गड्ढों की मरम्मत के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को मंजूरी दी गई है, ताकि सड़कों की गुणवत्ता सुधरे और रखरखाव खर्च कम हो। सिरमौर जिले में छह पीडब्ल्यूडी डिवीजनों का पुनर्गठन विधानसभा क्षेत्रों के अनुसार किया जाएगा। महिला होमगार्ड स्वयंसेविकाओं को अब 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश मिलेगा। विशेष रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के विवाह अनुदान को 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 2 लाख तक किया गया है, जबकि 40 से 70 प्रतिशत दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को 25 हजार रुपये की सहायता मिलेगी। इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना में संशोधन कर विधवा महिलाओं की बेटियों को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए आर्थिक सहायता और छात्रावास न होने पर 3000 प्रतिमाह किराया सहायता देने का प्रावधान किया।

हिमाचल प्रदेश में 17 फरवरी से बर्फबारी के आसार, ताबो प्रदेश में सबसे ठंडा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में फिलहाल मौसम साफ बना हुआ है और बुधवार को ज्यादातर इलाकों में धूप खिली है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले चार दिन तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इसके बाद 16 फरवरी की रात से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इसके असर से 17 और 18 फरवरी को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार हैं।

राज्य में दिन के समय लोगों को ठंड से कुछ राहत मिल रही है, हालांकि रात के तापमान में गिरावट के कारण सर्दी का असर बना हुआ है। खासतौर पर जनजातीय जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और कई स्थानों पर पारा शून्य से नीचे बना हुआ है।

लाहौल-स्पीति के ताबो में न्यूनतम तापमान -8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। कुकुमसेरी में भी पारा -8.3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। मौसम विभाग के अनुसार इन इलाकों में शीत लहर जैसे हालात बने हुए हैं।

राजधानी शिमला में न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 3.4 डिग्री अधिक है। सुंदरनगर में 5.1, भुंतर में 3.5, कल्पा में 1.4, धर्मशाला में 5.2, ऊना में 7.2 और नाहन में 9.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। पालमपुर में 6.5, सोलन में 4.3, मनाली में 2.1, कांगड़ा और मंडी में 6.2-6.2, बिलासपुर में 7.0 और जुब्बड़हट्टी में 8.6 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। मैदानी इलाकों में सुबह के समय कहीं-कहीं घना कोहरा भी देखा गया। बिलासपुर में दृश्यता 50 मीटर और मंडी में 100 मीटर तक सीमित रही।

मौसम विभाग का कहना है कि 13 से 16 फरवरी तक अधिकतर स्थानों पर मौसम शुष्क रहेगा। 17 और 18 फरवरी को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बर्फबारी और कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। इससे तापमान में फिर गिरावट आने की संभावना है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में महिलाओं के विरुद्ध साइबर अपराध पर कार्यशाला आयोजित

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू (सीयूजे) के राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विभाग (एनएसएस) ने जम्मू विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र (सीडब्ल्यूएस) के सहयोग से ह्लमहिलाओं के विरुद्ध साइबर अपराधः उभरती चुनौतियां और कानूनी ढांचाह्व विषय पर ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह ऑडिटोरियम में अर्धदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम कुलपति प्रो. संजीव जैन के संरक्षण में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की निगरानी एनएसएस विभागाध्यक्ष डॉ. नीता रानी ने की जबकि समन्वय डॉ. तिलक राज शर्मा ने किया। डॉ. आर. सुधाकर ने मुख्य वक्ता प्रो. सविता नय्यर, निदेशक, महिला अध्ययन केंद्र, जम्मू विश्वविद्यालय का परिचय देते हुए साइबर अपराध के बढ़ते सुरक्षा आयामों विशेषकर इसके लैंगिक प्रभावों पर प्रकाश डाला।

डॉ. दिशा शर्मा ने कार्यशाला की विषयवस्तु प्रस्तुत करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के प्रति सामाजिक संवेदनशीलता की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य वक्ता प्रो. सविता नय्यर ने महिलाओं को लक्षित साइबर अपराधों के बदलते स्वरूप, डिजिटल गुमनामी, सोशल मीडिया दुरुपयोग और तकनीकी कमजोरियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मौजूदा कानूनी प्रावधानों, संस्थागत तंत्र और क्रियान्वयन की चुनौतियों का विश्लेषण करते हुए कानूनी साक्षरता और डिजिटल नैतिकता को मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

डॉ. नीता रानी ने इसे गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौती बताते हुए बहु-विषयक शोध और नीतिगत नवाचार की आवश्यकता रेखांकित की।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय बना अखिल भारतीय इंटर जोनल महिला कबड्डी चैंपियनशिप का विजेता

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

भारतीय विश्वविद्यालय संघ एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अखिल भारतीय इंटर जोनल महिला कबड्डी चैंपियनशिप 2026 का खिताब कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा ने अपने नाम किया है। प्रतियोगिता के रोमांचक फाइनल में वीरवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर को 39-36 अंकों के अंतर से हराया।

समापन समारोह में धर्मशाला स्थित इंडोर स्टेडियम में केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल बतौर मुख्यातिथि रहे। उनके साथ कबड्डी विश्व विजेता टीम की उपकप्तान पुष्पा राणा एवं डीन अकादमी प्रो. प्रदीप कुमार भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान धौलाधार संदेश न्यूज लेटर का विमोचन एवं टूनार्मेंट की डॉक्यूमेंट्री का लोकार्पण भी किया गया। चार दिवसीय प्रतियोगिता (9-12 फरवरी) में देशभर की 15 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबले में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, पंजाब को 39-36 अंकों से हराकर खिताब अपने नाम किया। विजेता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय टीम को गोल्ड मेडल एवं ट्रॉफी तथा उपविजेता लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय टीम को सिल्वर मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। सेमीफाइनल में हारने वाली गुरु काशी विश्वविद्यालय एवं एल.एन. मिथिला (दरभंगा) की टीमों को कांस्य पदक एवं ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि प्रो. सत प्रकाश बंसल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल धैर्य, अनुशासन और टीम भावना विकसित करता है तथा जीवन में हार-जीत से अधिक प्रयास का महत्व है। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता जापान में प्रस्तावित एशियन गेम्स 2026 के लिए खिलाड़ियों के चयन का महत्वपूर्ण मंच भी सिद्ध होगी।

संक्षिप्त-समाचार

चरस के दो मामले में फरार चल रहे दो मुख्य तस्कर गिरफ्तार

धर्मशाला। जिला कांगड़ा पुलिस ने चरस के दो मामलों में फरार चल रहे दो मुख्य तस्करों को गिरफ्तार किया है। पहले मामले में पुलिस थाना बीड़ की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गांव गुनेहड तहसील बैजनाथ जिला कांगडा निवासी विक्की कुमार उर्फ टेकू पुत्र बाबू राम निवासी वार्ड नम्बर 6 कोटली को 118 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया गया था। इसी मामले में फरार चल रहे मुख्य तस्कर धनी राम उर्फ गिरधारी लाल उर्फ दिनेश सुपुत्र डोला राम निवासी गांव सांगली डाकघर धमेड तहसील बाली चौकी जिला मंडी को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा दूसरे मामले में शाहपुर पुलिस टीम द्वारा पकड़ी गई 194 ग्राम चरस के मामले में फरार मुख्य तस्कर नितिन गुलेरिया सुपुत्र नरेश कुमार निवासी गावं व डाकघर सपेल तहसील ज्वाली, जिला कांगडा को भी गिरफ्तार किया है। एसपी कांगड़ा ने बताया कि इन दोनों तस्करों को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसी के तहत विशेष गुप्त टीमों का गठन करके जिला मंडी व अन्य क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी जा रही थी। पुलिस की कार्रवाई के चलते मुख्य तस्कर धनी राम उर्फ गिरधारी लाल उर्फ दिनेश को धमेड बाली चौकी जिला मंडी व नितिन गुलेरिया उपरोक्त को शाहपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है तथा नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

जम्मू-कश्मीर भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 पर एक दिवसीय कार्यशाला का किया आयोजन

जम्मू। जम्मू-कश्मीर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य सभी स्तरों पर पार्टी कार्यकताओं की संगठनात्मक क्षमता, वैचारिक स्पष्टता और अनुशासित कार्यप्रणाली को मजबूत करना था। महाअभियान कार्यशाला को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और प्रभारी जम्मू-कश्मीर तरुण चुघ (अभियान के राष्ट्रीय सह-संयोजक), विधायक और क्षेत्रीय सह-संयोजक अजय महावर और जम्मू-कश्मीर भाजपा के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने संबोधित किया। जम्मू-कश्मीर भाजपा की उपाध्यक्ष प्रिया सेठी, महासचिव बलदेव सिंह बिल्लवारिया, अनवर खान और गोपाल महाजन ने भी कार्यशाला को संबोधित किया। कार्यशाला में राज्य पदाधिकारियों, जिला प्रभारी और सह-प्रभारी, जिला अध्यक्षों और प्रत्येक जिले से चार सदस्यीय टीमों ने भाग लिया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए तरुण चुघ ने कहा कि भाजपा एक विशिष्ट पहचान वाली पार्टी है जो अनुशासन और विचारधारा को सर्वोच्च महत्व देती है। उन्होंने कहा कि नियमित कार्यशालाएं भाजपा के संगठनात्मक ढांचे का अभिन्न अंग हैं।

पौधरोपण कार्यक्रम में सागर वाटिका निर्माण का लिया संकल्प

जम्मू। जिला ऊधमपुर के बाली पंचायत में आज पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला हॉर्टिकल्चर विभाग के सहयोग से संपन्न हुआ जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान ह्लसागर वाटिकाह्व के निर्माण के लिए सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर पर्यावरण शिक्षण गतिविधि के प्रांत शैक्षिक संस्थान प्रमुख श्री राकेश शर्मा तथा जिला टोली सदस्य श्री अमरदेव सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और अधिक से अधिक पौधारोपण कर ही हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण दे सकते हैं। कार्यक्रम में जिला हॉर्टिकल्चर विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ गांव के गणमान्य नागरिकों सागर सिंह, कमल सिंह (सेवानिवृत्त मास्टर), दर्शन सिंह, यशपाल सिंह, हंसराज शर्मा, बंसीलाल और अनिल कुमार सहित अन्य लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी उपस्थितजनों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिकाधिक वृक्ष लगाने, उनकी देखभाल करने और क्षेत्र को हराभरा बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में पौधों की सुरक्षा और नियमित देखरेख सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

आईजीएमसी में ठेका कर्मचारियों की हड़ताल से सामान्य सेवाएं प्रभावित, आपातकालीन और ऑपरेशन सेवाएं रहीं जारी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) शिमला में गुरुवार को 24 घंटे की हड़ताल के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर असर देखने को मिला। आईजीएमसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर करीब 600 कर्मचारी हड़ताल पर रहे। इन कर्मचारियों ने केवल आपातकालीन सेवाएं जारी रखीं, जबकि अन्य सामान्य सेवाओं में बाधा आई। हड़ताल के चलते अस्पताल में सफाई व्यवस्था, पर्ची बनवाने, शुल्क जमा कराने और अन्य सहायक सेवाओं में मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई मरीजों और उनके परिजनों को अलग-अलग काउंटरों के चक्कर लगाने पड़े। हालांकि अस्पताल प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था करने का दावा किया, लेकिन कर्मचारियों की कमी का असर साफ दिखाई दिया।

यूनियन के प्रतिनिधियों का कहना है कि वे अपनी लंबित मांगों को लेकर हड़ताल पर गए हैं। उनका कहना है कि 24 घंटे तक सांकेतिक रूप से सेवाएं बाधित रखी गई और यदि उनकी मांगों का समाधान जल्द नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। यूनियन ने कहा कि शुक्रवार सुबह बैठक कर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

उधर, अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीजों की गंभीर देखभाल से जुड़ी सेवाएं पूरी तरह चालू रहीं। आईजीएमसी के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. राहुल राव ने बताया कि आपातकालीन और ट्रॉमा सेवाएं पूरे दिन सुचारू रूप से चलती रहीं। मुख्य ऑपरेशन थियेटर सामान्य रूप से संचालित हुए। उन्होंने बताया कि ओपीडी में 1211 मरीजों की जांच की गई। इसके अलावा 15 बड़े ऑपरेशन और 78 छोटे ऑपरेशन किए गए।

डॉ. राव के अनुसार सभी क्रिटिकल केयर क्षेत्र, वार्ड, निदान सेवाएं, सुरक्षा और रोगी सहायता सेवाएं भी जारी रहीं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों, नर्सिंग स्टाफ और आउटसोर्स एजेंसियों के समन्वय से यह सुनिश्चित किया गया कि मरीजों की देखभाल पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

हालांकि अस्पताल प्रशासन का दावा है कि जरूरी सेवाएं प्रभावित नहीं हुईं, लेकिन हड़ताल के कारण सामान्य प्रक्रियाओं में आई रुकावट ने मरीजों को असुविधा जरूर दी। अब सभी की नजरें यूनियन और प्रशासन के बीच होने वाली अगली बातचीत पर टिकी हैं, जिससे यह तय होगा कि आने वाले दिनों में सेवाएं सामान्य रहेंगी या आंदोलन और आगे बढ़ेगा।

धर्मगुरु दलाई लामा दो महीने के दक्षिण भारत प्रवास से आज लौटेंगे धर्मशाला

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाईलामा शुक्रवार को अपने दो महीने के दक्षिण भारत प्रवास के बाद वापस मैक्लोडगंज लौट रहे हैं। धर्मगुरु सुबह 9:30 बजे दिल्ली से हवाई मार्ग द्वारा कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। उनके आगमन को लेकर पूरे कांगड़ा क्षेत्र में खुशी की लहर है और उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट से लेकर मैक्लोडगंज तक के मार्ग को पारंपरिक तोरणद्वारों से भव्य रूप से सजाया गया है। धर्मगुरु दलाईलामा बीते 12 दिसंबर को दक्षिण भारत की यात्रा पर रवाना हुए थे। करीब दो महीने के लंबे अंतराल के बाद उनकी वापसी को लेकर तिब्बती समुदाय के लोग बेहद उत्साहित हैं। विशेष रूप से तिब्बती नववर्ष 'लोसर' से ठीक पहले उनकी मौजूदगी ने उत्सव की चमक को दोगुना कर दिया है। समुदाय के लोगों का मानना है कि धर्मगुरु के सान्निध्य में नववर्ष मनाना उनके लिए सौभाग्य की बात है। दलाईलामा के मैक्लोडगंज लौटने से क्षेत्र की पर्यटन गतिविधियों में भी भारी उछाल आने की उम्मीद है। उनके प्रवास के दौरान विश्व भर से बौद्ध अनुयायी, विदेशी प्रतिनिधि और पर्यटक उनके दर्शन के लिए धर्मशाला पहुंचते हैं। इससे स्थानीय होटल कारोबारियों, टैक्सी ऑपरेटरों और हस्तशिल्प व्यापारियों को बेहतर व्यापार की आस बंधी है। पर्यटन उद्यमियों का कहना है कि धर्मगुरु की मौजूदगी से मैक्लोडगंज का बाजार पूरी तरह गुलजार हो जाता है। प्रशासन ने भी धर्मगुरु के आगमन के मद्देनजर सुरक्षा और यातायात के पुख्ता इंतजाम किए हैं। एयरपोर्ट पर भारी संख्या में श्रद्धालु उनके स्वागत के लिए एकत्रित होंगे।

सुक्खू के दिल्ली दौरे और रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट के मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों लिया

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू केंद्र सरकार को कोसना बंद कर टकराव का रास्ता छोड़ें, इसी में है सबकी भलाई : जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

संगठनात्मक जिला सुंदरनगर भाजपा कार्यालय में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला और भाजपा प्रदेश स्तरीय व्यापार प्रकोष्ठ की नेरचौक में आयोजित बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शिरकत करते हुए कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। जयराम ठाकुर ने कहा कि यह प्रशिक्षण महाभियान केवल संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि कार्यकताओं के वैचारिक, बौद्धिक और संगठनात्मक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद, अंत्योदय की भावना तथा राष्ट्र प्रथम के सिद्धांतों को आत्मसात कर जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प इस प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य है।

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के दिल्ली दौरे और रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट के मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों लिया। जयराम ठाकुर ने सनसनीखेज दावा किया कि मुख्यमंत्री सुक्खू आरडीजी बंद होने के मामले को लेकर केंद्र के खिलाफ कोर्ट जाने की तैयारी में हैं और इसी कानूनी मशवरे के लिए उन्होंने दिल्ली में पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम से विशेष मुलाकात की है।

ठाकुर ने स्पष्ट किया कि प्रदेश के हितों की रक्षा करना जायज है, लेकिन मुख्यमंत्री द्वारा केंद्र सरकार को कोसना और टकराव का रास्ता अपनाना प्रदेश के भविष्य के लिए घातक सिद्ध होगा। उन्होंने अपने कार्यकाल का उदाहरण देते हुए कहा कि जब उनके समय में आरडीजी रुकी थी, तब उन्होंने केंद्र के समक्ष शालीनता और मजबूती से पक्ष रखकर उसे बहाल कराया था, जबकि वर्तमान सरकार केवल दोषारोपण की राजनीति कर रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने कटाक्ष किया कि मुख्यमंत्री को न तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न ही जेपी नड्डा से मिलने का समय मिला, यहां तक कि उनकी ही पार्टी के प्रमुख नेता राहुल और प्रियंका गांधी ने भी उन्हें तवज्जो नहीं दी, जिससे उनकी दिल्ली यात्रा केवल एक विफल कवायद बनकर रह गई है।

उन्होंने राज्य सरकार पर आगामी विधानसभा सत्र को लेकर विधायकों को गुमराह करने और आरडीजी के बहाने अपनी चुनावी गारंटियों से पल्ला झाड़ने का गंभीर आरोप लगाया।

ठाकुर ने मंडी में मीडिया से बात करते हुए प्रदेश की चरमराती कानून व्यवस्था चिंता जताते हुए रोष व्यक्त किया। उन्होंने मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी के विधानसभा क्षेत्र में एक मिड-डे मील कर्मचारी महिला की नृशंस हत्या, शिमला पुलिस सहायता कक्ष के बाहर पिछले वर्ष हुए मर्डर, नालागढ़ में पुलिस थाने के बाहर हुए आतंकी बम धमाके और चंबा में युवक की लाश बोरी में डालकर नाले में फेंकने जैसी हत्या मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि देवभूमि के इतिहास में आज तक ऐसी आतंकी घटनाएं और बेखौफ अपराध कभी नहीं देखे गए थे।

उन्होंने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि गृह विभाग स्वयं उनके पास होने के बावजूद अपराधी बेलगाम हैं और सरकार केवल मूकदर्शक बनी हुई है, जिसका जवाब उन्हें सदन के भीतर देना होगा।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

नवोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेंजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

साधारण परिवार में पैदा हुए भारत के नागरिक ज्ञान, योग और चरित्र से सभी हैं बहुत ही धनवान: स्वामी रामदेव

सूर्य नमस्कार अभियान में प्रदेश के 55 लाख नागरिकों ने किया पंजीकरण:जयदीप आर्य

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

योग ऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि हम किसी साधारण परिवार में जरूर पैदा हुए होंगे, पर ज्ञान, योग व चरित्र से सभी बहुत ही धनवान हैं और इस उपलब्धि को निरंतर बरकरार रखना है। देश के प्रत्येक मनुष्य की सोच बड़ी और मेहनत कड़ी होनी चाहिए। इसी नीति के साथ आगे बढ़ते हुए अपने गंतव्य पर पहुंचने तक रुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि आज में देश को वेदों की लौटने का संदेश देने वाले महर्षि दयानंद सरस्वती को याद कर रहे हैं। वेद हमारी संस्कृति का मूल है। सनातन धर्म के हम उपासक हैं। ज्ञान की विद्या के उपासक होकर जाने वाले ऋषियों के अंश हैं। योग हमारा स्वभाव है और दिन की शुरूआत ही योग से होनी चाहिए।

योग ऋषि स्वामी रामदेव वीरवार को गीता निकेतन विद्यालय के खेल ग्राउंड में महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में बोल रहे थे। स्वामी रामदेव ने पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन जयदीप आर्य के साथ ग्राउंड परिसर में पौधारोपण और मंच से दीप प्रज्जवलित किया। इस कार्यक्रम में करीब 3000 युवाओं ने एकसाथ सूर्य नमस्कार भी किया।

स्वामी रामदेव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें सूर्य नमस्कार का अभ्यास ही नहीं करना है, बल्कि सूर्य की भांति तेज भी बनना है। सूर्य सुबह निकलते ही अंधेरे को अपने प्रकाश से पूर्णत दूर कर देता है। हमारे युवाओं का शरीर फौलादी और मस्तिष्क ज्ञानवान बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के मन में योग की भावना होनी चाहिए और रोजाना सुबह उठकर सभी को कम से कम एक-एक मिनट तक पांच योग जरुरत करने चाहिए। इनमें भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी शामिल हैं। इसके अलावा सूर्य नमस्कार करने से तो पूरी शरीर में ऊर्जा का संचार हो जाता है।

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि योग हमारी संस्कृति का प्राचीन हिस्सा है। इस संस्कृति को देश के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने का कार्य योग ऋषि स्वामी रामदेव ने किया है। अब तो हमारा योग विश्व स्तर पर अपना दबदबा बना चुका है। विश्व के लगभग सभी देशों ने भारत की इस प्राचीन सभ्यता को अपनाया है।

हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन जयदीप आर्य ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कर्मयोगी हैं, जो प्रतिदिन सुबह की शुरूआत योग के साथ करते हैं और इसी योग के कारण रात को 12 बजे तक प्रदेश के विकास कार्यों और आमजन के लिए काम करते हैं। इसी तरह योग ऋषि बाबा रामदेव तपस्वी, संत, योग योद्धा हैं और गुरुओं की प्रथा को आगे बढ़ा रहे हैं। इतना ही नहीं शिक्षा की क्रांति में अपना योगदान दे रहे हैं। इस मौके पर आयुष विभाग के अतिरिक्त निदेशक बिजेंद्र हुड्डा, हरियाणा साहित्य अकादमी निदेशक डा. धर्मदेव विद्यार्थी, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. मंजू शर्मा, हरियाणा योग आयोग के उपाध्यक्ष डा. रोशन लाल, योग कोऑर्डिनेटर कुरुक्षेत्र डा. जागीर सिंह, डा. ऋषिराज, अशोक रोशा, विजय नड्डा, प्राचार्य अनिल मदान, डा. मनीष कुकरेजा, ईश कुमार आर्य, गुलशन ग्रोवर, युद्धवीर, डा. निरुपमा भट्ट, राममेहर, मनजीत सिंह, डा. संदीप गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

विकसित उद्योग, विकसित श्रमिक पर रहेगा सरकार का फोकस: नायब सिंह सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य फोकस विकसित उद्योग , विकसित श्रमिक पर रहेगा ताकि राज्य की प्रगति और अधिक तेजी से हो सके।

मुख्यमंत्री बुधवार को चंडीगढ़ में इंडस्ट्री -लेबर फ्रेंडली कॉउन्सिल की प्रथम बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर , गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल , उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल , श्रम विभाग के प्रधान सचिव श्री राजीव रंजन, मुख्यमंत्री के उपप्रधान सचिव श्री यशपाल के अलावा अन्य अधिकारी तथा कॉउन्सिल के सदस्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री व काउंसिल के चेयरपर्सन श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि जब तक किसी प्रदेश में उद्योग निर्बाध गति से नहीं चलेंगे और वहां के श्रमिक खुशहाल नहीं होंगे तब तक वह प्रदेश आर्थिक रूप से प्रगति नहीं कर सकता। इन दोनों वर्गों में सामंजस्य होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इसी मैत्री एवं भाईचारे की भावना को ध्यान में रख कर ही इंडस्ट्री -लेबर फ्रेंडली कॉउन्सिल का गठन किया गया है। इस प्रकार की काउंसिल गठित करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार उद्योगों को ईज ऑफ डूइंग तथा श्रमिकों को ईज ऑफ लिविंग देने की नीति पर काम कर रही है। यह कॉउन्सिल उद्योगों एवं श्रमिकों से संबंधित सरकार की घोषणाओं की भी समीक्षा करेगी और श्रमिकों की सुरक्षा , उद्योग -श्रमिक विवाद को सुलझाने , आईटीआई जैसे तकनीकी संस्थानों में श्रमिकों के कौशल विकास को अपग्रेड करने से संबंधित सुझाव भी देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कॉउन्सिल के माध्यम से राज्य के उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों की उत्पादकता बढ़ाने पर भी विशेष बल रहेगा , क्योंकि उत्पादकता बढ़ने से जीडीपी में भी बढ़ौतरी होगी जो कि देश एवं प्रदेश के विकास का मुख्य आधार है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में करीब दो लाख सूक्ष्म एवं मध्यम दर्जे के उद्योग इंडस्ट्रियल एरिया से बाहर चल रहे थे जिसके कारण उनको कई प्रकार की सुविधाएँ नहीं मिल पा रही थी। अब प्रदेश सरकार ने गत 25 दिसंबर 2025 को एक पोर्टल लांच कर दिया है जिस पर ये उद्योग अपना पंजीकरण कर- के नियमित हो जाएंगे तथा उनको सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि कुछ इंडस्ट्रियल एरिया में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण से एचएसआईआईडीसी में प्लॉट को स्थानांतरित करने में आ रही परेशानियों को भी सुलझा लिया गया है।

महाशिवरात्रि पर भगवान भोलेनाथ अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं : महंत जगन्नाथ पुरी

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- महंत श्री बंसी पुरी ने बताया शिव भक्तों लिए भोलेनाथ की पूजा का विशेष अवसर होता है महाशिवरात्रि

महाशिवरात्रि उत्सव की पूजा के चलते अखिल भारतीय श्री मारकंडेश्वर जनसेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत जगन्नाथ पुरी ने बताया कि शिव भक्तों लिए महाशिवरात्रि भोलेनाथ की पूजा का विशेष अवसर होता है। श्री मारकंडेश्वर महादेव मंदिर में चल रही निरंतर पूजा में महंत श्री बंसी पुरी भी शामिल हुए। उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की विशेष आराधना की जाती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान भोलेनाथ का विवाह माता पार्वती के साथ हुआ था। महंत जगन्नाथ पुरी ने बताया कि महाशिवरात्रि 15 फरवरी को है। इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे तथा महा अभिषेक में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा विशेष फलदायी होती है। साथ ही इन दिनों अगर शिव पुराण का पाठ किया जाए तो भोलेनाथ अत्यधिक प्रसन्न होते हैं। महंत जगन्नाथ पुरी ने बताया कि शिव पुराण का पाठ करने से संतान प्राप्ति की कामना पूरी होती है। शिव पुराण का पाठ करने या सुनने से पहले शरीर और मन के पवित्र कर लें। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि उत्सव के चलते किसी के प्रति द्वेष भावना ना रखें। इस अवसर पर स्वामी संतोषानंद, स्वामी रामनाथ पुरी, स्वामी पृथ्वी पुरी, स्वामी सीताराम, बिल्लू पुजारी, कर्म चंद, लाभ सिंह, नाजर सिंह व सुक्खा सिंह इत्यादि भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लाडवा विधानसभा का तेज गति से करवाया जा रहा है विकास: कैलाश सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता
बाबैन/लाडवा

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लाडवा विधानसभा का विकास तेज गति से करवाया जा रहा है। अब बाबैन के बराडा चौक का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इस परियोजना से चौक पर चार चांद तो लगेंगे ही, इसके साथ ही नागरिकों को यहां पर लगने वाले जाम से भी निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि जब भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस चौक से होकर निकलते हैं तो उन्होंने देखा कि इस चौक पर हर समय ट्रैफिक बहुत ही ज्यादा रहता है और जाम की स्थिति बनी रहती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेश पर इस चौक का समाधान करने के लिए संस्था से संपर्क किया गया और चौक का भव्य निर्माण करने का फैसला लिया।

प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि कुछ समय पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पीडब्ल्यूडी विभाग की 186.13 किलोमीटर की 82 सड़कों का रखरखाव, 117.02 किलोमीटर की 30 सड़कों का निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने और 37.46 किलोमीटर की 9 सडकों की 10.20 करोड़ की लागत से स्पेशल रिपेयर का कार्य करवाने की घोषणा की है। इसी तरह मार्केटिंग बोर्ड की 81.71 किलोमीटर की 48 सड़कों के रख रखाव, 6.36 किलोमीटर की सड़कों का निर्माण कार्य और 34.73 किलोमीटर 20 सडके की स्पेशल रिपेयर करवाई जाएगी, जबकि 18.89 किलोमीटर की 9 सडकों की स्पेशल रिपेयर करवाई जा रही हैं। इसके साथ ही खेत खलियान घोषणा के तहत 25 किलोमीटर तक के रास्तों को पक्का करवाने को मंजूरी दी गई है।

प्रभारी कैलाश सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा विधानसभा के विकास कार्यों को गति देने के लिए 16.50 करोड़ रुपए की लागत के 6 प्रोजेक्टों के उद्घाटन और शिलान्यास किए हैं। इनमें गांव सिरसमा और गांव बजीदपुर में नलकूप व पेयजल पाईप लाइन, गांव गजलान में पेयजल पाईप लाईन, करनाल-रंबा-इंद्री-लाडवा-शाहबाद सड़क के विधानसभा लाडवा क्षेत्र के अधीन आने वाले सड़कों का सुदृढ़ीकरण और अनाज मंडी बाबैन की विशेष मुरम्मत कार्य का उद्घाटन शामिल है।

संक्षिप्त-समाचार

हरियाणा में ग्रुप डी भर्ती नियमों में बड़ा बदलाव

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने ग्रुप ह्यडीह्व कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी तथा मेरिट आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। अब ग्रुप ह्यडीह्व पदों पर नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का चयन पूर्ण रूप से सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) के आधार पर किया जाएगा। जिन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक से कम निर्धारित है, उन्हें छोड़कर अन्य सभी पदों पर चयन पूरी तरह सीईटी में प्राप्त अंकों पर आधारित रहेगा। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई है यह संशोधन हरियाणा ग्रुप ह्यघह्व कर्मचारी (भर्ती तथा सेवा शर्तें) अधिनियम, 2018 की धारा 26 के तहत किया गया है, जो राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगा। अधिसूचना के अनुसार अधिनियम की द्वितीय अनुसूची को प्रतिस्थापित कर नई चयन व्यवस्था लागू की गई है। नई व्यवस्था के तहत सामान्य पात्रता परीक्षा का कुल स्कोर 100 प्रतिशत सीईटी अंकों पर आधारित होगा। परीक्षा का पाठ्यक्रम दो भागों में विभाजित रहेगा। पहले भाग में 75 प्रतिशत अंक सामान्य जागरूकता, तर्कशक्ति, मात्रात्मक योग्यता, अंग्रेजी, हिंदी तथा संबंधित विषयों के होंगे, जबकि दूसरे भाग में 25 प्रतिशत अंक हरियाणा के इतिहास, समसामयिक घटनाओं, साहित्य, भूगोल, पर्यावरण और संस्कृति से संबंधित होंगे। प्रश्नपत्र का स्तर माध्यमिक शिक्षा (मैट्रिक) का रहेगा। अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि 12 जनवरी, 2024 को हुई ग्रुप ह्यडीह्व सीईटी लिखित परीक्षा, जिसकी वैधता 11 जनवरी, 2027 तक है, उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों के अंकों को अधिकतम 95 अंकों के सापेक्ष प्रतिशत में परिवर्तित कर संयुक्त मेरिट सूची तैयार की जाएगी। इससे भर्ती प्रक्रिया में एकरूपता और स्पष्टता सुनिश्चित होगी।

महेंद्रगढ़ में 15 खेलों के खुलेंगे खेलो इंडिया केंद्र

चंडीगढ़। प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को तराशने और भविष्य के ओलंपिक चैंपियन तैयार करने की दिशा में सरकार ने अहम कदम उठाया है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने देश भर में 139 अतिरिक्त खेलों इंडिया केंद्रों को मंजूरी दी है। इसके तहत महेंद्रगढ़ जिले में भी विभिन्न 15 खेलों के केंद्र स्थापित किए जाएंगे। खेल विभाग के एक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में निम्नलिखित 15 खेल विधाओं में केंद्र स्थापित करने की योजना है। इनमें ताइक्वांडो, वुशु, कराटे, जू-जित्सु, कुराश, रोइंग, कयाकिंग और कैनोइंग, सेलिंग, शूटिंग, साइकिलिंग, जिम्नास्टिक, सेपकटकरा, इक्वेस्ट्रियन (घुड़सवारी), स्क्वैश और गोल्फ शामिल हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रों की स्थापना के लिए उन संस्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनके पास खेल के लिए पर्याप्त मैदान और आधुनिक ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध हो। खिलाड़ियों के लिए बोर्डिंग (रहने) की सुविधा हो। वही स्पोर्ट्स डेवलपमेंट और एथलीटों के प्रदर्शन का एक बेहतरीन ट्रैक रिकॉर्ड हो। उन्होंने बताया कि सरकार की इस योजना का मुख्य उद्देश्य पूर्व चैंपियन खिलाड़ियों को रोजगार और कोचिंग के अवसर देना भी है। इच्छुक संस्थान या पात्र एथलीट अपना आवेदन नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम स्थित जिला खेल कार्यालय में जमा करवा सकते हैं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य स्तर पर ह्लपीएम-सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजनाह्व के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समग्र निगरानी हेतु मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय समिति (एसएलसीसी) का गठन किया है। जारी अधिसूचना के अनुसार, समिति में ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, आवास एवं शहरी कार्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, ग्रामीण विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के अध्यक्ष, हरियाणा के सभी बिजली वितरण निगमों (यूएचबीवीएनएल एवं डीएचबीवीएनएल) के प्रबंध निदेशक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी बतौर सदस्य शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के प्रधान सचिव तथा ऊर्जा विभाग के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा महानिदेशक विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे।

हरियाणा सरकार ने जारी किए सामाजिक सुरक्षा पेंशन, भत्तों एवं वित्तीय सहायता में बढ़ोतरी के निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- बढ़ोतरी 1 नवंबर, 2025 से प्रभावी, फरवरी 2026 में लाभार्थियों को होगा भुगतान

हरियाणा सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन, भत्तों एवं वित्तीय सहायता योजनाओं की दरों में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा अंत्योदय (सेवा) विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार यह बढ़ी हुई दरें 1 नवंबर, 2025 से प्रभावी होंगी, जिनका भुगतान फरवरी 2026 में लाभार्थियों को किया जाएगा।

सरकारी आदेशों के अनुसार लाडली सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, दिव्यांगजन पेंशन (बौने व्यक्तियों सहित), निराश्रित महिलाओं एवं विधवाओं को वित्तीय सहायता, विधुर एवं अविवाहित व्यक्तियों के लिए वित्तीय सहायता योजना-2023, वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना, दुर्लभ रोगों से पीड़ित व्यक्तियों को वित्तीय सहायता, स्टेज-III एवं स्टेज-IV कैंसर रोगियों को वित्तीय सहायता तथा किन्नर पेंशन योजना के तहत अब लाभार्थियों को 3200 रुपये प्रतिमाह पेंशन/सहायता प्रदान की जाएगी।

एसिड पीड़ितों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता को भी बढ़ाया गया है। अब दिव्यांगता प्रतिशत के आधार पर 3200 रुपये को आधार मानते हुए सहायता दी जाएगी। 40 से 50 प्रतिशत दिव्यांगता पर 8000 रुपये, 50 से 60 प्रतिशत दिव्यांगता पर 11200 रुपये, तथा 60 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता पर 14400 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार स्कूल न जाने वाले विभिन्न अक्षमताओं वाले बच्चों को वित्तीय सहायता बच्चों को दी जाने वाली सहायता राशि 2400 रुपये से बढ़ाकर 2600 रुपये प्रतिमाह कर दी गई है। वहीं निराश्रित बच्चों को दी जाने वाली सहायता राशि में भी बढोतरी की गई है। इसके तहत एक बच्चे पर 2300 रुपये प्रतिमाह तथा दो बच्चों पर 4600 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता दी जाएगी। हरियाणा राज्य में बसे कश्मीरी प्रवासी परिवारों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता में भी बढ़ोतरी की गई है। अब एक व्यक्ति को 1700 रुपये प्रतिमाह, जबकि एक परिवार को अधिकतम 8500 रुपये प्रतिमाह की सहायता प्रदान की जाएगी। हरियाणा सरकार का यह निर्णय सामाजिक सुरक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगजनों, गंभीर रोगियों और अन्य जरूरतमंद वर्गों को आर्थिक संबल मिलेगा।

सूरजकुंड मेले के जरिए युवा पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा का अनूठा प्रयास

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक घनिष्ठता से युवा पीढ़ी को करा रहे हैं रूबरू
- अंतरराष्ट्रीय शिल्प महोत्सव के माध्यम से कलाकृतियों और संस्कृति से जुड़ने रोजाना सैकड़ों युवा पहुंच रहे सूरजकुंड

प्रदेश के विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा दुनिया के सबसे बड़े शिल्प महाकुंभ के माध्यम से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संबंधों की घनिष्ठता से युवा पीढ़ी को जोड़ने का अनूठा प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने गोहाना विधानसभा क्षेत्र से प्रतिदिन विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव-2026 में पहुंचाने की व्यवस्था की है, ताकि वे अनेकता में एकता के इस मंच पर भारतीय सभ्यता और संस्कृति को नजदीक से समझ सकें।

अरावली की तलहटी में 31 जनवरी से प्रारंभ 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव-2026 में फरीदाबाद और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं की निरंतर भागीदारी हो रही है। इस बार गोहाना विधानसभा के सरकारी और गैर-सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी योजनाबद्ध तरीके से मेले का भ्रमण कराया जा रहा है।

प्रदेश के पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा का मानना है कि इस सांस्कृतिक विरासत के समृद्ध केंद्र के माध्यम से युवाओं को देश के विभिन्न राज्यों की हस्तशिल्प, हथकरघा और बुनकर परंपराओं को नजदीक से देखने-समझने का अवसर मिलता है। साथ ही, हर वर्ष चुने जाने वाले पार्टनर नेशन और थीम स्टेट की कला-संस्कृति से भी परिचित होने का मौका मिलता है, जिससे युवाओं को भारतीय और विदेशी परंपराओं का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है। इसी उद्देश्य से उनके गोहाना कार्यालय द्वारा प्रतिदिन दो विद्यालयों के विद्यार्थियों को बसों के माध्यम से सूरजकुंड लाने की व्यवस्था की गई है।

वीरवार को गोहाना के राजकीय कन्या महाविद्यालय तथा पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गढ़ी उजाले खां के विद्यार्थी मेले में पहुंचे। उन्होंने पार्टनर नेशन इजिप्ट और थीम स्टेट उत्तर प्रदेश व मेघालय के पवेलियनों का दौरा कर वहां की समृद्ध कला और संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त की।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की ईसी की बैठक में वार्षिक बजट पारित, वार्षिक रिपोर्ट पर भी लगी मुहर

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- कार्यकारिणी परिषद की 290वीं बैठक में 14 महत्वपूर्ण मुद्दों पर हुई चर्चा

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद की 290वीं बैठक में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 746 करोड़ 62 लाख 86 हजार रुपए का बजट पारित किया गया। बैठक में कुवि की वित्त अधिकारी कंचन बाला द्वारा बजट की रिपोर्ट को प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लोक सम्पर्क विभाग द्वारा तैयार की गई वार्षिक रिपोर्ट-2025 को भी पारित किया गया जिसकी विस्तृत रिपोर्ट लोक सम्पर्क विभाग की उप-निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा ने प्रस्तुत की। बैठक में 30 दिसंबर 2025 को आयोजित कार्यकारी परिषद की बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गई। कार्यकारिणी परिषद की बैठक में 14 महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए। बैठक में 10 फरवरी 2026 को आयोजित वित्त समिति की बैठक की सिफारिशों पर भी विचार किया गया। बैठक में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं अन्य सोशल मीडिया उपयोगकताओं के लिए सोशल मीडिया नीति/दिशानिर्देश तैयार करने संबंधी समिति की सिफारिशों पर भी चर्चा हुई। परिषद ने संस्थान की गरिमा एवं अनुशासन बनाए रखने हेतु नीति निर्माण की दिशा में सहमति व्यक्त की। बैठक में आईसीआईपीएस (इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंडो-पैसिफिक स्टडीज) के निदेशक के रूप में सेवानिवृत्त डॉ. वी.एन. अत्री के पुनर्नियोजन की अवधि छह माह के लिए बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर निर्णय लिया गया। वर्ष 2025-26 के लिए निजी चिकित्सकों /विशेषज्ञों के पैनल के अनुमोदन तथा परामर्श शुल्क में वृद्धि संबंधी स्थायी समिति की सिफारिशों पर भी चर्चा कर आवश्यक स्वीकृति प्रदान की गई।

मनुष्य प्रकृति का हिस्सा है, स्वामी नहीं: डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा गुरुवार को विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बायोडायवर्सिटी एंड क्लाइमेट चेंजः चैलेंजेज एंड मैनेजमेंट विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस सम्मेलन में देश-विदेश के प्रख्यात वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उद्घाटन सत्र में हरियाणा स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल के चेयरमैन प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रो. शर्मा ने कहा कि मनुष्य प्रकृति का हिस्सा है, स्वामी नहीं। उन्होंने कहा कि आधुनिक भौतिकवादी समाज ने प्रकृति को केवल उपभोग की वस्तु और संसाधन के भंडार के रूप में देखना शुरू कर दिया है। इस दृष्टिकोण ने मनुष्य को प्रकृति पर वर्चस्व स्थापित करने की मानसिकता दी है, जिसके परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता का क्षरण, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है।

प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा ने कहा कि यह सोच मानव-केंद्रित ष्टिकोण का परिणाम है, जिसमें मनुष्य स्वयं को प्रकृति से ऊपर समझता है। यह अहंकारी दृष्टिकोण अंततः आत्म-विनाश की ओर ले जाता है, क्योंकि प्रकृति के संतुलन से छेड़छाड़ का दुष्परिणाम मानव समाज को ही भुगतना पड़ता है। जब तक मनुष्य प्रकृति को केवल वैज्ञानिक या आर्थिक दृष्टि से देखता रहेगा, तब तक वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है।

प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और करुणा का भाव विकसित करना ही सच्चा पारिस्थितिक बदलाव है। उन्होंने कहा कि यदि मानव सभ्यता को स्थायी और सुरक्षित भविष्य चाहिए, तो उसे प्रकृति के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि साझेदारी का मार्ग अपनाना होगा। पारिस्थितिक संतुलन की बहाली ही मानव अस्तित्व की सुरक्षा की गारंटी है।

केयू में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि जैव विविधता संरक्षण से ही धरती पर मनुष्य का भविष्य सुरक्षित होगा।

जैव विविधता का नुकसान और जलवायु परिवर्तन अलग-अलग चुनौतियाँ नहीं हैं, बल्कि ये एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए वैश्विक संकट हैं। उन्होंने कहा कि पृथ्वी के समृद्ध पारिस्थितिक तंत्र जैसे वन, आर्द्रभूमि (वेटलैंड), घासभूमि और महासागर जलवायु संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि इन तंत्रों में से किसी एक को भी नुकसान पहुँचता है, तो इसका असर पूरे पर्यावरण पर पड़ता है।

प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि वनों की कटाई, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बिगड़ रहा है। जैव विविधता में कमी सीधे तौर पर जलवायु परिवर्तन को प्रभावित करती है। पेड़ों और महासागरों द्वारा कार्बन डाइऑक्साइड के अवशोषण में कमी आने से वैश्विक तापमान निरंतर बढ़ रहा है जो वैश्विक स्तर पर गंभीर चिंता का विषय है। इसके परिणामस्वरूप मौसम में बदलाव, समुद्र स्तर में वृद्धि और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ोतरी हो रही है। यदि पारिस्थितिक तंत्र में व्यवधान जारी रहा, तो भूमि और समुद्र दोनों के स्तर में गंभीर परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं। यह न केवल वन्य जीवन बल्कि मानव जीवन और कृषि व्यवस्था के लिए भी खतरा बन सकता है।

वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. योगेश कुमार ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस दो दिवसीय आयोजन का मुख्य उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों, पारिस्थितिक संतुलन, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग तथा प्रभावी प्रबंधन पर गहन विचार-विमर्श करना है।

प्लेनरी सत्र में प्रो. ओ.पी. धनखड़ ने ग्लोबल फूड एंड एनर्जी सिक्योरिटी चैलेंजेज अंडर चेंजिंग क्लाइमेट विषय पर व्याख्यान देते हुए उपयुक्त फसल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. रतन यादव ने वैश्विक जैव विविधता संवर्धन के माध्यम से स्वस्थ पारिस्थितिक तंत्र के निर्माण की आवश्यकता बताई। प्रो. मनोज प्रसाद ने मिलेट्स पर शोध एवं उनकी गुणवत्ता से संबंधित अध्ययन की जानकारी देते हुए मेंटर-मेंटी संबंधों के महत्व को स्पष्ट किया। प्रो. विनोद छोकर ने एलोवेरा के गुण-दोषों तथा सक्रिय यौगिकों पर आधारित शोध पर विस्तार से चर्चा की।

इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, प्रॉक्टर प्रो. अनिल गुप्ता, प्रो. अशोक अग्रवाल, प्रो. नरेन्द्र प्रो. योगेश, डॉ. अमिता शर्मा, डॉ. आशीष प्रसाद, प्रो एनके माटा, प्रो. रतन यादव, प्रो. आरसी यादव, प्रो. यशपाल शर्मा, प्रो. जितेन्द्र शर्मा, प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. जसबीर ढांडा, प्रो. सुनीता दलाल, प्रो. परमेश कुमार सहित गणमान्य लोग मौजूद थे।

संपादकीय

3.25 लाख करोड़ का मेगा डिफेंस डील – 114 राफेल और 6 P-8I से बढ़ेगी भारत की मारक ताकत

भारत ने अपनी सैन्य क्षमता को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बहुप्रतीक्षित रक्षा खरीद प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी है। इस फैसले के तहत वायुसेना के लिए 114 उन्नत लड़ाकू विमान और नौसेना के लिए 6 समुद्री निगरानी विमान खरीदने की योजना को मंजूरी दी गई है। लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये के इस व्यापक रक्षा सौदे को देश की सुरक्षा जरूरतों, बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और तकनीकी आधुनिकीकरण की अनिवार्यता के संदर्भ में अहम माना जा रहा है। यह निर्णय केवल सैन्य ताकत बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिए घरेलू रक्षा उद्योग को प्रोत्साहन देने और तकनीकी सहयोग को बढ़ाने की भी उम्मीद की जा रही है।बीते वर्षों में भारत के सामने सुरक्षा चुनौतियों का स्वरूप अधिक जटिल और बहुआयामी होता गया है। उत्तरी सीमाओं पर लगातार बनी तनावपूर्ण स्थिति और पश्चिमी मोर्चे पर अस्थिरता ने रक्षा तैयारियों को मजबूत रखने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। वहीं हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती रणनीतिक गतिविधियों और समुद्री मार्गों की सुरक्षा का महत्व भी पहले से अधिक बढ़ गया है। आधुनिक युद्ध तकनीक, साइबर क्षमताओं और निगरानी प्रणालियों के युग में सैन्य संसाधनों का उन्नयन अब विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता बन गया है। इसी संदर्भ में इन विमानों की खरीद को एक दीर्घकालिक रणनीतिक निवेश के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय वायुसेना लंबे समय से अपने लड़ाकू स्क्वाड्रनों की घटती संख्या को लेकर चिंतित रही है। पुराने विमानों के चरणबद्ध हटने और नए प्लेटफॉर्म के सीमित आगमन के कारण क्षमता में अंतर पैदा हुआ है। प्रस्तावित 114 बहु-भूमिका लड़ाकू विमानों का समावेश इस अंतर को कम करने में सहायक हो सकता है। इन विमानों के शामिल होने से हवाई हमले, निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया जैसे अभियानों में वायुसेना की क्षमता में विस्तार होगा। इसके साथ ही आधुनिक हथियार प्रणालियों और नेटवर्क आधारित संचालन की संभावनाओं से समग्र युद्धक दक्षता में सुधार आने की उम्मीद है। इस सौदे का एक महत्वपूर्ण पहलू तकनीकी साझेदारी और स्थानीय उत्पादन की संभावना भी है। सरकार पिछले कुछ वर्षों से रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने की नीति पर जोर दे रही है। यदि इन विमानों के निर्माण या रखरखाव में घरेलू उद्योग को भागीदारी मिलती है, तो इससे तकनीकी हस्तांतरण, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिल सकता है। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के लिए नए अवसर खुल सकते हैं, जिससे रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम आगे बढ़ सकते हैं। नौसेना के लिए प्रस्तावित 6 समुद्री निगरानी विमानों की खरीद भी उतनी ही महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सामरिक भूमिका लगातार बढ़ रही है और समुद्री गतिविधियों की निगरानी इसके लिए आवश्यक है। ये विमान लंबी दूरी तक निगरानी, पनडुब्बियों का पता लगाने और खोज एवं बचाव अभियानों में सहायक होते हैं। समुद्री मार्गों की सुरक्षा केवल रक्षा दृष्टि से ही नहीं बल्कि व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है। ऐसे में नौसेना की निगरानी क्षमता को मजबूत करना व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा है। इतने बड़े रक्षा निवेश का आर्थिक आयाम भी उल्लेखनीय है। एक ओर जहां इससे रक्षा बजट पर दबाव बढ़ सकता है, वहीं दूसरी ओर घरेलू उद्योग को मिलने वाले अवसर आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे कार्यक्रमों के तहत सरकार का लक्ष्य रक्षा उत्पादन में आयात निर्भरता को कम करना है। यदि इस सौदे के माध्यम से स्थानीय विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा मिलता है, तो इससे देश के औद्योगिक ढांचे को दीर्घकालिक लाभ मिल सकता है।हालांकि, रक्षा सौदों के साथ पारदर्शिता और जवाबदेही का प्रश्न भी जुड़ा रहता है। इतने बड़े वित्तीय निवेश में यह आवश्यक है कि प्रक्रिया स्पष्ट, प्रतिस्पर्धी और संतुलित हो। लागत, गुणवत्ता और समयसीमा जैसे पहलुओं पर सतत निगरानी आवश्यक होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सार्वजनिक विमर्श और संसदीय निगरानी यह सुनिश्चित करने में सहायक होती है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वित्तीय उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बना रहे।रणनीतिक दृष्टिकोण से यह निर्णय क्षेत्रीय शक्ति संतुलन पर भी प्रभाव डाल सकता है। आधुनिक संसाधनों से लैस सेना संभावित चुनौतियों का सामना करने में अधिक सक्षम होती है और यह संदेश भी देती है कि देश अपनी संप्रभुता और सुरक्षा हितों के प्रति प्रतिबद्ध है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सैन्य क्षमता का प्रभाव केवल युद्ध तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह कूटनीतिक स्थिति को भी मजबूत बनाता है। इसके बावजूद रक्षा आधुनिकीकरण केवल हथियार खरीद तक सीमित नहीं होना चाहिए। प्रशिक्षण, रखरखाव ढांचा, लॉजिस्टिक्स, साइबर सुरक्षा और संयुक्त संचालन प्रणाली जैसे पहलुओं में निवेश समान रूप से महत्वपूर्ण है। आधुनिक युद्ध बहुआयामी हो चुका है, जहां सूचना, अंतरिक्ष और डिजिटल तकनीक निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इसलिए समग्र दृष्टिकोण अपनाना ही भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।समग्र रूप से देखा जाए तो 114 लड़ाकू विमानों और 6 समुद्री निगरानी विमानों की खरीद को मंजूरी भारत की रक्षा तैयारियों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम पहल के रूप में सामने आती है। यह निर्णय सैन्य शक्ति, औद्योगिक विकास और रणनीतिक संदेश तीनों स्तरों पर प्रभाव डाल सकता है। आने वाले समय में इसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी दक्षता, पारदर्शिता और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ लागू किया जाता है। राष्ट्रीय सुरक्षा की बदलती आवश्यकताओं को देखते हुए यह कदम वर्तमान जरूरतों की पूर्ति के साथ भविष्य के लिए तैयारी का संकेत भी देता है।

वन्दे मातरम्: राष्ट्र चेतना का सनातन गीत और आधुनिक भारत का पुर्नजागरण

कैलाश चंद (हि.स)

'वन्दे मातरम्' ये दो शब्द सिर्फ एक नारा नहीं, भारत की आत्मा का गूढ़ और दिव्य उद्गार हैं। यह केवल एक गीत नहीं बल्कि भारतीय राष्ट्रवाद की आध्यात्मिक जड़ है, जो भूमि, संस्कृति, शक्ति और ज्ञान इन चारों को मातृभाव में एक सूत्र में पिरोता है। जब कोई भारतीय 'वन्दे मातरम्' कहता है तो वह केवल मातृभूमि को प्रणाम नहीं करता बल्कि उस चेतना, परंपरा और जीवन दर्शन को नमन करता है जिसने इस देश को हजारों वर्षों से जीवित और गतिशील बनाए रखा है। आज, जब इस गीत की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारत सरकार के 2026 के नए दिशा-निर्देश और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्रीय अपील सामने आई है, तब यह गीत एक बार फिर राष्ट्रीय चेतना के केंद्र में स्थापित होता दिखाई दे रहा है।

भारतीय सभ्यता में भूमि को केवल भौगोलिक सीमा या प्राकृतिक संसाधनों का समूह नहीं माना गया है। यहां धरती को 'माता' कहा गया है, एक ऐसी माता जो जीवन देती है, पोषण करती है और संस्कार प्रदान करती है। अथर्ववेद का प्रसिद्ध वाक्य 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' भारतीय चिंतन की इसी भावना को प्रकट करता है। यह वाक्य बताता है कि मनुष्य और भूमि का संबंध केवल उपयोग का नहीं बल्कि आत्मीयता और मातृत्व का है। यही वैदिक आधार 'वन्दे मातरम्(' की आत्मा में समाहित है।

जब बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने 'वन्दे मातरम्' की रचना की, तब उन्होंने केवल एक राजनीतिक नारा नहीं दिया। उन्होंने भारत की प्राचीन आत्मा को आधुनिक युग में पुनर्जीवित करने का प्रयास किया। उनके लिए भारत केवल एक देश नहीं था बल्कि एक जीवित मातृशक्ति थी, जो लक्ष्मी के रूप में समृद्धि देती है, सरस्वती के रूप में ज्ञान प्रदान करती है और दुर्गा के रूप में शक्ति का संचार करती है। इसीलिए इस गीत की हर पंक्ति में प्रकृति, शक्ति, ज्ञान और मातृत्व का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

सन 1875 का वह काल भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। ब्रिटिश शासन का दमन, सांस्कृतिक अपमान और आत्मगौरव का संकट समाज में गहराई तक समा चुका था। भारतीयों के भीतर अपनी पहचान और आत्मसम्मान को बचाने की तीव्र आकांक्षा जन्म ले रही थी। इसी समय बंकिमचन्द्र ने 'वन्दे मातरम्' की रचना की। यह गीत केवल शब्दों का समूह नहीं था बल्कि एक जागरण का मंत्र बनकर उभरा।1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में जब रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसे स्वर दिया, तब यह गीत पूरे देश में फैल गया और एक राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बन गया।

धीरे-धीरे यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन का प्राण मंत्र बन गया। साल 1905 के बंग भंग आंदोलन के समय 'वन्दे मातरम्' हर गली, हर सभा और हर आंदोलन की धड़कन बन गया। विद्यार्थी जुलूसों में यह गूंजता था, महिलाओं की सभाओं में यह प्रेरणा देता था, क्रांतिकारियों के शपथ पत्रों में यह आत्मबल जगाता था और राष्ट्रीय आंदोलनों में यह एकजुटता का स्वर बन जाता था। यह केवल गीत नहीं रहा, यह आत्मगौरव और स्वतंत्रता की आकांक्षा का घोष बन गया।

श्री अरविन्द ने इसे राष्ट्र आत्मा का मंत्र कहा। लाला लाजपत राय, सुब्रमण्य भारती, लाला हरदयाल और भीकाजी कामा जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी पत्रिकाओं और पत्रों के शीर्षक में 'वन्दे मातरम्' को स्थान दिया। महात्मा गांधी भी अपने कई पत्रों का समापन इसी मंत्र के साथ करते थे। ब्रिटिश सरकार ने इस गीत के प्रभाव को समझा और इसे रोकने के लिए प्रतिबंध लगाए, लोगों को गिरफ्तार किया लेकिन जितना दमन हुआ, उतनी ही इसकी शक्ति और बढ़ती गई। यह जनता के हृदय में बस चुका था और वहां से इसे कोई नहीं हटा सकता था।

समय के साथ यह गीत केवल स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृति बनकर नहीं रह गया बल्कि भारतीय पहचान का स्थायी प्रतीक बन गया। 30 से 31 अक्टूबर तथा 1 नवम्बर 2025 को जबलपुर में आयोजित अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इसे राष्ट्र चेतना का मूल स्वरबद्ध गीत बताया। उन्होंने कहा कि 'वन्दे मातरम् एक दिव्य गीत है, जो राष्ट्र चेतना को जागृत करता है और समाज को जोड़ने वाली अद्भुत डोर है।' उनके अनुसार यह गीत सभी प्रांतों, भाषाओं और समुदायों के बीच समान रूप से स्वीकार्य है और यह सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रीय एकता और आत्मस्वत्व का आधार है। संघ ने समाज से आह्वान किया कि इस 150 वर्ष के पावन काल में 'वन्दे मातरम्' की ज्योति हर हृदय में प्रज्ज्वलित हो और इसी भाव से राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया जाए।

इसी संदर्भ में 10 फरवरी 2026 को भारत सरकार द्वारा घोषित नए दिशा-निर्देश भी महत्वपूर्ण हैं। इन निदेर्शों के अनुसार राष्ट्रीय आयोजनों में राष्ट्रगान से पहले 'वन्दे मातरम्' के सभी छह अंतरों का गायन किया जाएगा, जिसकी अवधि लगभग तीन मिनट दस सेकंड होगी। राष्ट्रपति के आगमन और प्रस्थान, राष्ट्रीय ध्वज समारोह, पद्म पुरस्कार और अन्य सरकारी कार्यक्रमों में इसे गाना अनिवार्य किया गया है। विद्यालयों में भी प्रार्थना की शुरुआत 'वन्दे मातरम्' से करने का सुझाव दिया गया है। हालांकि इस संबंध में किसी प्रकार की कानूनी सजा का प्रावधान नहीं रखा गया है। यह एक दंडात्मक आदेश नहीं बल्कि सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का प्रयास है, एक ऐसा प्रयास जो समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने की दिशा में है।

आज के समय में 'वन्दे मातरम्' अक्सर केवल दो शब्दों तक सीमित होकर रह जाता है। लोग इसे एक नारे के रूप में बोलते हैं किंतु इसकी वास्तविक महत्ता पूरे गीत में निहित है। ये दो शब्द भावना जगाते हैं, लेकिन पूरा गीत चेतना जगाता है। इसकी संपूर्ण रचना में राष्ट्र चेतना को आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करने की क्षमता है। इसमें प्रकृति का सौंदर्य है, संस्कृति का गौरव है, ज्ञान का प्रकाश है और शक्ति का तेज है। ये चारों तत्व मिलकर इसे केवल एक गीत नहीं बल्कि जीवन दर्शन बना देते हैं।

'वन्दे मातरम्' हमें यह सिखाता है कि राष्ट्र केवल राजनीतिक इकाई नहीं होता, यह एक जीवित सांस्कृतिक सत्ता होता है। इसकी सेवा कर्तव्य से बढ़कर है, यह तप और साधना है। मातृभूमि सिर्फ भूमि का टुकड़ा नहीं, वह हमारी चेतना, पहचान और अस्तित्व का आधार है। जब हम 'वन्दे मातरम्' कहते हैं तो हम उस परंपरा को नमन करते हैं जिसने हमें जन्म दिया, पाला और संस्कारित किया।

इस आधार पर आप यह अवश्य अनुभूत करें कि 150 वर्षों के बाद भी यह गीत भारत के भविष्य का मार्गदर्शक है। यह हमें अपने भीतर झांकने, अपनी जड़ों को पहचानने और अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को फिर से जागृत करने का आह्वान करता है। आज जब इसका पूर्ण स्वरूप सम्मानित किया जा रहा है, तब अवश्य ही यह केवल इतिहास का सम्मान नहीं है, यह तो भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का संकेत है।

वास्तव में 'वन्दे मातरम्' भारत की मूल चिति का शाश्वत लयबद्ध संगीत है। यह उस भाव का प्रतीक है जिसमें विविधता के बीच एकता का दर्शन होता है। यह हमें बताता है कि भारत एक राष्ट्र के साथ ही एक परिवार है, एक ऐसी माता का परिवार जो अपने सभी संतानों को प्रेम, शक्ति, ज्ञान और संस्कार प्रदान करती है। यही भावना इस गीत को अमर बनाती है और यही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

(लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्तम्भकार हैं।)

महाकाल देवता ही नहीं वैज्ञानिक तथ्य भी

राजशेखर व्यास (हि.स)

भारतीय कथा-साहित्य में उज्जैन का राजा विक्रमादित्य बड़ा लोकप्रिय रहा है। उसके प्रसंग को लेकर हजारों कहानियाँ देश की विविध भाषाओं में प्रचलित हैं। उसके नवरत्नों की कथा भी सर्वविदित है, परंतु आश्चर्य की बात है कि ऐसे लोक प्रसिद्ध राजा के विषय में कथा-कहानियों के अतिरिक्त कोई जानकारी नहीं मिल पायी है। विदेशी इतिहासकार उसे केवल कल्पित राजा मानते हैं। भारतीय इतिहासकारों के मन में अवश्य उसे ऐतिहासिक महापुरुष मानने का मोह बना हुआ है। उन्होंने इसकी वास्तविकता को सिद्ध करने के लिए अनेक प्रकार के अन्वेषण अनुसंधान भी किए, फिर भी निश्चित रूप से उसके अस्तित्व को सिद्ध नहीं कर पाए हैं।

विक्रम की नगरी उज्जैन में महाकाल का सुप्रसिद्ध मन्दिर है। देश के अन्य किसी भाग में महाकाल का कोई मंदिर नहीं है। अतः निश्चय ही यह प्रश्न उपस्थित होता है कि यह 'महाकाल' कौन देवता हैं, जिसका केवल देशभर में एक मंदिर है। सामान्यतया 'महाकाल' शिव का पर्याय मान लिया गया है और उज्जैन के 'महाकाल' के मंदिर को शिव का मंदिर माना जाता है। परंतु प्रश्न यह है कि शिव के अन्य मंदिर 'महाकाल' के मंदिर क्यों नहीं कहलाते ? हमारे विचार से विक्रमादित्य, उज्जयिनी, नव-रत्न और महाकाल इन चारों शब्दों के निर्वचन से इसके वास्तविक अर्थ पर कुछ प्रकाश पड़ सकता है और सुप्रसिद्ध कथा की गुत्थी सुलझ सकती है।

भारतीय ज्योतिष विद्वान यह जानते हैं कि उज्जैन का सूर्योदय काल देशभर के पंचांगों के लिए प्रामाणिक उदयकाल माना जाता रहा है। भारतीय ज्योतिषियों के अनुसार दक्षिण में लंका, भारत के मध्य में उज्जैन और (संभवतः वर्तमान) रोहतक नगरों के मध्य से जाने वाली देशांतर रेखा का सूर्योदय काल प्रामाणिक सूर्योदय काल हैं, परिवर्तित ज्योतिष ग्रंथों में उसका नाम 'लंकोदय' काल रहा है। लंकोदय की देशांतर रेखा से पूर्व में तथा पिश्चम में स्थित स्थानों के सूर्योदय का काल ज्ञात करने की विधियाँ निर्धारित की हुई हैं। इस प्रकार उज्जयिनी का सूर्योदय काल देशभर के लिए प्रामाणिक सूर्योदय काल था और आधुनिक भाषा में उसे भारत का 'स्टैण्डर्ड टाइम' कहा जा सकता है।

ईसा पूर्व के ज्योतिषी संभवतया इसी को महाकाल कहते थे। विविध शास्त्रीय तथ्यों को देव रूप में स्वीकार करने की हमारे यहां परम्परा रही है। इसी परम्परा के अंतर्गत महाकाल (स्टैण्डर्ड टाइम) को देव रूप में दिया गया और उसके मंदिर की स्थापना उज्जयिनी में की गयी। उज्जयिनी को क्यों चुना गया, यह भी एक ज्वलंत प्रश्न है। जब एक ही देशांतर रेखा देश के इतने लंबे-चौड़े भाग से निकलती है, तो उज्जैन ही को क्यों महत्त्व दिया जाए, उत्तर यह है कि उज्जैन कर्क रेखा पर स्थित है, जहां तक उत्तरायण सूर्य आता है और पुनः लौटकर मकर रेखा तक दक्षिणगामी होता है। कर्क रेखा पर स्थित होने के कारण भारतीय ज्योतिर्विदों ने उज्जयिनी को महाकाल की नगरी माना।

विक्रमादित्य शब्द में दो खंड हैं विक्रम-आदित्य। आजकल विक्रम का अर्थ सामान्यतया 'पराक्रम' समझा जाता है ओर आदित्य का 'सूर्य'। इस प्रकार विक्रमादित्य का अर्थ शक्ति का सूर्य किया जाता है। परंतु विक्रम शब्द में क्रम धातु है, जिसका अर्थ है चलना। इसी से बना हुआ दूसरा शब्द 'संक्रम' है, जो सूर्य की गति के विषय में सर्वविदित है। सूर्य का संक्रम, संक्रमण और संस्कृति आधुनिक ज्योतिषियों के लिए अपरिचित शब्द नहीं है। उज्जैन की व्युत्पत्ति इस समय उज्जयिनी में मानी जाती है। उज्जैन के प्राकृत नाम 'उज्जैणी' या 'उज्जैन नगरी' थे, जो स्पष्टतः संस्कृत 'उदयिनी' एवं 'उदयन नगरी' से व्युत्पन्न प्रतीत होते हैं। पुनः संस्कृतिकरण की यह प्रक्रिया 'कथा कथा सरित्सागर' आदि में बहुत अधिक पायी जाती है। उज्जैन वास्तव में विक्रमादित्य के उदय की नगरी थी। भारतीय कथा साहित्य का सुप्रसिद्ध उदयन भी सूर्य का ही अन्य नाम है, जिसका विवेचन आगे किया जायेगा।

इस प्रकार विक्रमादित्य महाकाल तथा उज्जयिनी की व्युत्पत्ति पर विचार करने से यही ज्ञात होता है कि विक्रमादित्य नाम का वास्तविक राजा नहीं था। वह दक्षिणगामी सूर्य का ही कल्पित नाम है और उसे राजा का स्वरूप दे दिया गया है। उसे राजा मानने पर उसकी राजधानी उयिनी अथवा उजैणी (बाद में उज्जयिनी) कल्पित की गयी और उसी नगरी का समय संपूर्ण देश के लिए प्रमाणिक समय होने के कारण 'महाकाल' कहलाया। इतने विवेचन के बाद नवरत्नों की कल्पना भी स्पष्ट हो जाती है जो निःसंदेह नव ग्रह हैं।

एक नियत स्थान तक आगे बढ़कर वापस मूल स्थान तक पहुंचना सिंह विक्रांत कहलाता है। सिंह का स्वभाव शिकार करने के लिए कुछ दूर तक वन में आगे बढ़कर पुनः लौटने की क्रिया के लिये 'सिंह विक्रांत' या 'सिंह विक्रमण' शब्द प्रसिद्ध हुआ। कर्क राशि तक उत्तर दिशा में चलकर पुनः दक्षिण की ओर विक्रमण करने वाला सूर्य 'सिंह विक्रमी' हुआ। यही 'सिंह' राशि व्युत्पत्ति है। सूर्य 31 दिन तक कर्क राशि पर रहकर 32 वें दिन सिंह राशि पर पहुंचता है। यही सिंहासन बत्तीसी का रहस्य है। सूर्य सिंह राशि का स्वामी माना जाता है। कर्क तक आगे बढ़कर वह वापस लौटता है और अपने घर की राशि तक आकर वहां आसीन होता है। सूर्य की उत्तर दक्षिण यात्राएं नीचे स्पष्ट की जा रही हैंः-

सिंह के बाद सूर्य कन्या राशि में प्रवेश करता है (संभवतः प्राचीन भारतीय राशि विभाजन खगोल का नहीं भूमंडल का था। भूमि के जिस भाग पर सूर्य राशियाँ सीधी पड़ती थीं, वही राशि विशेष खंड का था। 'राशि' शुद्ध संभवतः 'रश्मि' के प्राकृत रूप 'रस्सियां', 'रश्शि' का पुनः संस्कृत रूप है। सतरंगी किरणों के कारण 'सप्ताश्व' सूर्य का रूपक भी इस 'रश्मि' शब्द से स्पष्ट होता है।)

उत्तर भारत के ईसा पूर्व कालीन आर्यों की दृष्टि से वह प्रदेश कुमारी कन्याओं का प्रदेश था। भारत का यह दक्षिण भू-भाग (अर्थात 16 अक्षांश से 8 अक्षांश का भू-भाग) कुमारी कन्याओं का प्रदेश माना जाता था। उस प्रदेश पर सीधी किरणें फेंकने वाला सूर्य कन्यार्क कहलाता था। कन्याओं के उस देश की स्मृति के रूप में आज भी कुमारी अन्नीप का दर्शनीय कन्याकुमारी का मन्दिर जगत प्रसिद्ध है।

वहां से दक्षिण की ओर बढ़ता हुआ सूर्य जब विषुवत रेखा पर पहुंच जाता है और वहां उसकी किरणें सीधी पड़ती हैं, वह तुला राशि पर पहुंचा हुआ माना जाता है। 'तुला' नाम बहुत सार्थक है। विषुवत रेखा पर जब सूर्य पहुंच जाता है और तो भूमंडल का उत्तर और दक्षिण का भाग बिल्कुल बराबर तुला हुआ होता है। यही तुला शब्द की सार्थकता है, उसके बाद आगे बढ़कर सूर्य जब वृश्चिक राशि पर पहुंचता है, तो उज्जयिनी पर पड़ने वाली सूर्य की किरणें उतनी ही वक्र होती हैं, जितना बिच्छू का डंक होता है। उससे आगे बढ़ने पर उज्जैन पर पड़ने वाली किरणें और भी अधिक वक्र हो जाती हैं और धनुष के समान दिखायी पड़ती हैं। यह 'धनु' का अर्थ है। उसके बाद समुद्र के मध्यगत मकर राशि तक पहुंच कर सूर्य का पुनः उत्तरायण प्रारंभ होता है। मकर का स्वभाव अगाध जल में पहुंच कर पुनः स्थल की और लौटने का है, यही 'मकर' राशि की सार्थकता है। वहां से संक्रमण करता हुआ सूर्व सर्वप्रथम जिस स्थल भाग के निकट आता है, वह स्थल भाग किसी समय सम्भवतः घड़े को घोण जैसा था और इसलिए 'कुम्भघोण' नाम से प्रसिद्ध है, जहां का स्थल भाग घड़े के घोण जैसा है। कुम्भ राशि का 'कुम्भघोण' संभवतः कोई द्वीप था, जो अगाध समुद्र में लुप्त हो गया है।

उससे उत्तर में बढ़ने पर अगाध समुद्र है, जिसमें प्राणी के नाम पर केवल मीनों का निवास है। अतः वह मीन राशि का प्रदेश कहलाया। वहां से आगे संक्रमण करके सूर्य लंकोदय की प्रसिद्ध नगरी लंका तक पहुंचता है और उससे वह 'वृशस्थ' कहलाया। वहीं, भारतीय कथाओं में 'वत्सराज (वृष) उदय' नाम से चित्रित हुआ है। वत्सराज ने नागवन में अपनी प्रेयसी को प्राप्त किया था। यह नागवन वर्तमान मैसूर के पास का प्रदेश है, जहां के वनों में हाथियों की बहुलता है। यही सूर्य मिथुन राशि का स्वामी बनता है। उदय के नागवन में पत्नी से मिलन (मिथुन) की कथा सूर्य के मिथुन राशि पर आने की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है। मिथुन के बाद सूर्य उदयिनी पति बन जाता है और अपनी प्रेयसी के नगर उज्यियिनी पहुंच कर 'कर्कस्थ' होता है। कर्क का स्वभाव स्थल से जल की ओर जाने का होने के कारण वह वापस जल की ओर दक्षिणगामी होता है।

सूर्य के अयन से संबंधित ज्योतिष शास्त्र की यह घटना भारतीय साहित्य में एक रोचक कथा का रूप धारण कर चुकी थी और वृद्धजनों के मुख से यत्र-तत्र सुनी जाती थी, जिसका संकेत कालिदास ने किया हैः- 'प्राप्यावन्तीमुदुयन कथा को विदग्रामवृान।' विदेशी दूत मेगस्थनीज ने भी सूर्य की इस कथा का श्रवण भारत के वृद्ध नागरिकों से किया था और उसका वर्णन उद्धरण इस प्रकार है :-

'हरकुले (स) सौरसेन लोगों का इष्टदेव है। उसके दो प्रसिद्ध नगर हैं, एक मथुरा और दूसरा क्लिसबुरा जिसके पास ऐबोन्नी नदी बहती है। हरकुले (स) की पुत्री पांड्या का राज्य दक्षिण में पाण्डय प्रदेश में है। हरकुले दायोनीस (स) से 15 पीढ़ी बाद हुआ। शिव (शिवी) लोग अपने को हरकुल का वंशज मानते हैं। 'एज ऑफ नन्दाज एण्ड मौर्याज' ग्रंथ के पृष्ठ 101 पर श्री नीलकण्ठ शास्त्री ने इस उद्धारण की व्याख्या करने की कोशिश की है और मदुरा को मथुरा तथा ऐबोत्री को 'यमुना' माना है।

यह व्याख्या भ्रामक है। 'मथुरा ' वास्तव में दक्षिण की 'मदुरा' नगरी हैः जहां कन्याओं के प्रदेश के पाण्डय राज्य की इतिहास प्रसिद्ध राजधानी रही है। क्लिसबुरा और ऐबोनी की व्याख्या में ग्रीक के अनुवादक भूल कर बैठे हैं। क्लिसबुरा वास्तव में क्षिप्रा का ग्रीक रूप है और ऐबोन्नी 'अवन्ती' का शुद्ध अर्थ यह है कि दूसरी राजधानी ऐबोत्री है, जिसके पास बिलसबा नदी बहती है। हरकुले (स) 'हरिकुल' (सूर्यवंश) का ग्रीक रूप है और दायोनीस (स) 'दिनेश' का। हरकुले और दद्योनीस से ध्वनि साम्य होने के कारण मेगस्थनीज ने ये रूप स्वीकृत किये। सिकन्दर से लोहा लेने वाले 'शिवि' लोग सूर्यवंशी थे। यह कथा सरित्सागर से स्पष्ट है। अतः शैववाद की कल्पना व्यर्थ है। सौरसेन भी 'शूरसेन' से संबद्ध नहीं, सूयोर्पासक (सौरसेन) हैं। इस प्रकार मेगस्थनीज के उद्धरण का स्पष्ट अर्थ यह है कि हरिकुलों की दो राजधानियाँ हैं। एक मदुरा और दूसरी क्षिप्रा के किनारे अवन्ती में। मदुरा में पांडय रानी का राज्य है। वह दिनेश से पन्द्रह पीढ़ी बाद हुई। शिविलोग भी हरिकुल के ही हैं।

मेगस्थनीज ने जिस कथा को सुना था, उसकी घटना इतिहास सम्मत भी है और प्रतीकात्मक भी। सूर्य उज्जयिनी में कर्कस्थ होता है और मदुरा में कन्या राशि पर।

परन्तु अब यह प्रश्न उपस्थित होता है कि विक्रमादित्य की इस कहानी के माध्यम से ज्योतिष के विषय स्पष्ट करने का प्रयास भारत के कवि वर्ग ने क्यों किया। पतंजलि के 'महाभाग्य' और सोमदेव के 'कथा-कथा सरित्सागर' आदि ग्रंथों को देखने से इस विषय पर कुछ प्रकाश पड़ता है। भारतीय शिक्षा शास्त्रियों में किसी समय बहुत बड़ा विवाद रहा है। एक वर्ग वैयाकरणों का था जो यह मानते थे कि विद्यार्थी को सर्वप्रथम व्याकरण का अध्यापन कराया जाये तथा ज्ञान-विज्ञान की भाषा को नियन्त्रित रखा जाये और उसमें अन्तर न होने दिया जाए, इस प्रकार के व्याकरणों के प्रयत्न के फलस्वरूप 'संस्कृत नामक' अमरवाणी का जन्म हुआ जो लगभग अढ़ाई हजार वर्षों तक भारत के ज्ञान-विज्ञान की भाषा रही है और जिसमें विविध शास्त्रों का प्रणयन होता रहा। पतंजलि के अनुसार परिवर्तनशील भाषा की गड़बड़ से घबरा कर देवताओं के इन्द्र से प्रार्थना की कि भाषा को नियन्त्रित किया जाये और इन्द्र ने सर्वप्रथम व्याकरण बनाकर उसका अनुशासन कर दिया।

दूसरा वर्ग ऐसे लोगों का था जो भाषा को नियमों से बांधने के पक्ष में नहीं थे, उनका कहना था कि रूक्ष भाषा और नीरस गद्य खंडों में व्याकरण बनाने की आवश्यकता नहीं है। विषय का प्रतिपादन मन्य और मनाइर स्थात्मक पद्यवद्ध गति में किया जाना चाहिये जिससे पाठक का विषय का ज्ञान भी हो जाये तथा अध्ययन में उसकी रूचि भी बनी रहे।

ऐसा लगता है कि बृहत्कथा के काल का ज्योतिष शास्त्र बहुत बढ़ा-चढ़ा था। उसके बाद एक बहुत लम्बा समय भारतीय ज्योतिष के पतन का आया, जिस काल का कोई ग्रंथ इस समय विद्यमान नहीं है। इसीलिए 'स्टैण्डर्ड टाइम' के अर्थों में किसी प्रयुक्त होने वाले 'महाकाल' शब्द का प्रयोग वर्तमान युग में प्राप्त किसी ज्योतिष शास्त्र के ग्रंथ में नहीं मिलता। यद्यपि उज्जैन का उदयकाल ही उन सबमें भी प्रमुख उदयकाल माना गया है। 'स्टॅण्डर्ड टाइम' के अर्थों में जिस समय महाकाल शब्द का प्रयोग होता था, उस समय के ज्योतिषशास्त्र के विषय में बहुत अधिक अन्वेषण की आवश्यकता है। 'कथा सरित्सागर' और 'बृहत्कथा मंजरी' आदि की कहानियों के आधार पर ज्योतिष शास्त्र, भूगोल, इतिहास आदि के अनेक तथ्यों का शोध किया जा सकता है।

आशा है विद्वान लोग इस दिशा में कार्य करेंगे और भारतीय ज्योतिष के उस विस्मृत 'महाकाल' को पुनः प्रकाश में लायेंगे। इस प्रकार के अन्वेषण से यह भी सिद्ध हो पायेगा कि संस्कृत राशि-नामावली शुद्ध भारतीय है, ग्रीक शब्दावली का अनुवाद नहीं। वास्तव में ग्रीक नामावली ही अनुवाद है। यह भी विदित होगा

कि भारतीय कथाओं की बहुत-सी नामावलियां वास्तव में परिभाषित शब्दों की बोधक हैं। इससे हमारे सांस्कृतिक समृद्धि का उद्धघाटन भी होगा।

(लेखक, दूरदर्शन और आकाशवाणी के अतिरिक्त महानिदेशक रह चुके हैं।)

आज का राशिफल

मेषः आज आर्थिक निवेश को लेकर सावधान रहें। अनैतिक कार्यों से दूरी बनाकर रखें। मन में असन्तोष का भाव रह सकता है। धार्मिक लोगों से सलाह लेना उत्तम होगा। प्रेम सम्बन्धों को लेकर भावुक हो सकते हैं। सर्दी-खाँसी से आपको परेशानी हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः आज आप अपने मित्रों की काफी सहायता करेंगे। अविवाहित लोगों को विवाह प्रस्ताव मिल सकते हैं। ऊँचाई वाली जगहों से दूरी बनाकर रखें। जीवनसाथी के प्रति आसक्ति का भाव बढ़ेगा। सन्तान से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः आज आपका दिन विशेष उन्नतिकारक रहेगा। अधूरे पड़े कार्य आप प्रारम्भ कर सकते हैं। आय की दृष्टि से दिन बहुत ही अच्छा है। दोपहर तक कोई शुभ समाचार मिल सकता है। आपके स्वभाव में विनम्रता बढ़ेगी। आप चुनौतियों को आसानी से निपटा लेंगे। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः आज आप काफी अच्छा महसूस करेंगे। पुराने लोन को चुकाने के लिये दिन बहुत अच्छा है। सन्तान की पढ़ाई को लेकर चिन्तित रहेंगे। आपके भीतर स्नेह और वात्सल्य की भावना रहेगी। पाचन तन्त्र की सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा करनी पड़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः घर के सदस्यों को महत्व दें। वाणी में संयम रखें। रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करें। अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। शाम के समय दोस्तों के साथ समय बिताना पसन्द करेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधानी रखनी चाहिये। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः आज आपको यात्रा कम से कम करनी चाहिये। भावनात्मक उतार-चढ़ाव पर नियन्त्रण रखें। अपने स्वभाव में लचीलापन बनाकर रखें। जीवन की सच्चाइयों का सामना करना पड़ेगा। आपको कारोबार में अतिरिक्त प्रयास करने पड़ेंगे। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः उच्च-अधिकारी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। व्यापार में बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। महँगे समान की खरीदारी कर सकते हैं। प्रतियोगिता और परीक्षा में आपको सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। आपको पिछले अनुभवों का लाभ प्राप्त होगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः आप अपनी आय बढ़ाने के लिये अत्यधिक प्रयत्नशील रहेंगे। परिवार में छोटों की चिन्ता रहेगी। प्रियजनों के व्यवहार को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। जीवनसाथी आपका मनोबल बढ़ायेगा। लोगों पर आपका प्रभाव काफी अच्छा पड़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

धनुः आप दूसरों की सहायता करेंगे। नये कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। उच्च अधिकारी आपका सहयोग कर सकते हैं। दिन आपके लिये काफी अच्छा रहना वाला है। प्रेमीजन से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मकरः आज के दिन आपको तनाव का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक खर्चों को कम करने का प्रयास करें। दाम्पत्य जीवन में कड़वाहट हो सकती है। कुछ लोग आपकी तरक्की से ईर्ष्या कर सकते हैं। मेडिकल सेवा से जुड़े लोगों को परेशानी हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

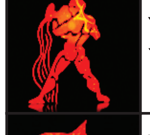
कुंभः जीवनसाथी की सलाह का अनुसरण करें, इससे आपको लाभ होगा। नया वाहन खरीद सकते हैं। व्यापार में लाभ प्राप्त होगा। पुराने लोन को चुकाने में आसानी होगी। दार्शनिक लोगों के विचारों से आप प्रभावित रहेंगे। लोगों की बातों को अधिक महत्व न दें। *(सिटी दर्पण)*

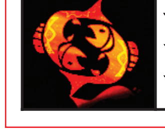
मीनः घर के वास्तु में कुछ परिवर्तन करने का विचार बना सकते हैं। आपको शारीरिक श्रम अधिक करना पड़ सकता है। गम्भीरता से परिस्थितियों का अवलोकन करें। पिता की सलाह से काम करना हितकर होगा। सरकारी कार्यों में ध्यान देने का प्रयास करें। *(सिटी दर्पण)*

कायम है आवाज की दुनिया का जादू

प्रयाग पाण्डे (हि.स)

आज विश्व रेडियो दिवस है। आज से करीब एक सौ बीस साल पहले रेडियो का आविष्कार हुआ था। रेडियो के आविष्कार ने वैश्विक संचार में अभूतपूर्व क्रांति ला दी थी। भारत में आवाज की इस अनोखी दुनिया को एक सौ तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। पिछली करीब एक सदी की शानदार यात्रा में रेडियो, भारत के जन-जन के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। नई संचार तकनीकी के अभ्युदय से पहले रेडियो ने भरोसेमंद जनसंचार के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

एक स्थान से दूसरे स्थान तक बे-तार आवाज पहुँचाने और इस क्रम में रेडियो जैसे बोलते उपकरण के आविष्कार की कहानी बेहद दिलचस्प है। तरंगों के द्वारा आवाज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक संप्रेषित करने वाले रेडियो नाम के उपकरण को मूर्त रूप लेने में करीब चार दशक लगे। इस कालखंड में अनेक भौतिकविदों एवं अभियंताओं ने रेडियो के क्रमिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

साल 1864 में एक अंग्रेज गणितीय भौतिकविद जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने पहली बार रेडियो तरंगों के अस्तित्व की भविष्यवाणी की थी। साल 1888 में एक जर्मन भौतिकविद हेनरिश हट्‌र्ज ने रेडियो तरंगों के अस्तित्व को तो स्वीकारा लेकिन उन्होंने रेडियो तरंगों का दूरसंचार में उपयोग की संभावनाओं को नकार दिया था। इसी दरम्यान एक अंग्रेज भौतिकविद रदरफोर्ड ने तीन चौथाई मील दूरी तक रेडियो संकेत भेजकर हट्‌र्ज की अवधारणा को गलत सिद्ध कर दिया। 12 दिसंबर, 1881 में इटली के विद्युत अभियंता मारकोनी ने एक स्थान से भेजी गई आवाज को सुनने और पुनः अपनी आवाज दूसरे स्थान पहुँचाने में सफलता प्राप्त कर ली, लेकिन तब रेडियो का वर्तमान स्वरुप अस्तित्व में नहीं आ पाया था। साल 1904 में विद्युत अभियंता जॉन एम्ब्रोज फ्लेमिंग और साल 1906 में अमेरिका के डी. फारेस्टर ने रेडियो के आविष्कार को आगे बढ़ाया।

प्रारंभिक चरण में रेडियो का सबसे अधिक उपयोग समुद्री जहाजों द्वारा किया गया। समुद्री जहाज खतरे या दुर्घटना की स्थिति में एक-दूसरे जहाज या तट से सहायता प्राप्त करने के लिए रेडियो का उपयोग करते थे। 25 दिसंबर, 1906 की रात को अचानक जहाजियों ने तारयंत्र से पहले एक पुरूष की आवाज सुनी फिर उन्हें एक महिला का गीत और वायलिन की धुन सुनाई दी, इसी के साथ रेडियो को अपना अस्तित्व मिल गया।

शुरूआती दौर में इंग्लैंड में रेडियो को वायरलेस कहा जाता था। अमेरिका में इसे रेडियो टेलीग्राफ कहते थे। बाद में अमेरिकी लोगों ने इसमें से टेलीग्राफ शब्द को छोड़ कर सिर्फ रेडियो कहना शुरू कर दिया।साल 1920 में वेस्टिंग हाउस कंपनी के एक इंजीनियर ने अमरीकी सरकार से रेडियो प्रसारण का लाइसेंस प्राप्त कर पिट्सबर्ग में दुनिया का पहला रेडियो प्रसारण केंद्र स्थापित किया। डॉ. फ्रैंक कॉनराड ने रेडियो में सांध्य कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रारंभ की। 23 फरवरी, 1920 को मारकोनी कंपनी ने चेम्सफोर्ड से रेडियो प्रसारण शुरू किया था। नवंबर, 1922 में जॉन रीथ के निर्देशन में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कंपनी की स्थापना हुई। इसके साथ ही इंग्लैंड में रेडियो का नियमित प्रसारण शुरू हो गया।

साल 1923 में रेडियो क्लब, मुंबई ने भारत में रेडियो का पहला प्रसारण शुरू किया। इसी वर्ष कोलकाता समेत अन्य महानगरों में भी रेडियो प्रसारण शुरू हुए। इसके बाद भारत में इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी का गठन हुआ। कंपनी ने भारत सरकार से रेडियो प्रसारण का अनुज्ञा-पत्र प्राप्त कर 23 जुलाई, 1927 को मुंबई से रेडियो प्रसारण प्रारंभ कर दिया। इस प्रसारण केंद्र का उद्घाटन भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन ने किया था। साल 1936 में दिल्ली में रेडियो के केंद्रीय स्टेशन की स्थापना हुई। इसी वर्ष इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन वजूद में आई। साल 1936 में इसका नाम ऑल इंडिया रेडियो कर दिया गया था। साल 1957 में आकाशवाणी किया गया।

रेडियो एक सशक्त श्रव्य माध्यम है। ध्वनि की अजूबी दुनिया है। वेदों के अनुसार सृष्टि की रचना का आधार ध्वनि को माना जाता है। कहा गया है कि ध्वनि से सृष्टि की रचना हुई। ध्वनि से ब्रह्मांड का विस्तार होता है। ध्वनि से ही वाणी उत्पन्न हुई। वाणी को मन का यथार्थ चित्र माना गया है।

रेडियो की दुनिया, आवाज की दुनिया है। इसका अद्भुत और आकर्षक संसार है। अपना सम्मोहन है। रेडियो की आवाज की सम्मोहक दुनिया श्रोताओं को पलक झपकते संपूर्ण ब्रह्मांड का विचरण करा देती है। रेडियो की इसी विशेषता ने रेडियो के 'दीवानों' की लंबी परंपरा कायम की है। तत्काल और तत्क्षण संदेश प्रसारित करने की अद्भुत विशेषता की वजह से द्वितीय विश्वयुद्ध में प्रसार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रेडियो का तीव्र गति से विस्तार हुआ।

शुरूआती दिनों में हेडफोन लगाकर रेडियो सुना जाता था। कालांतर में बड़े रेडियो आए, जिन्हें सामूहिक रूप से सुना जाता था। साल 1947 में राकले, ब्राटेन और बार्डिन नाम के तीन अमेरिकी वैज्ञानिकों ने ट्रांजिस्टर का आविष्कार किया। ट्रांजिस्टर के आविष्कार से रेडियो की दुनिया में क्रांति आ गई। रेडियो सुनना सामूहिक से निजी हो गया। तब जहाँ सड़क, बिजली और यातायात के साधन नहीं थे, उन दूरस्थ क्षेत्रों में भी ट्रांजिस्टर पहुँच गया। पहुँच, निरंतरता, सुलभता और सस्ती तकनीक के कारण रेडियो सूचना, शिक्षा और मनोरंजन का लोकप्रिय जनसंचार माध्यम बन गया।

रेडियो सर्वसुलभ एवं सस्ता जनसंचार माध्यम है। साक्षर और निरक्षर सभी के लिए उपयोगी है। नेत्रहीनों के लिए वरदान है। रेडियो का लचीलापन और पहुँच बेजोड़ है। रेडियो को जहाँ जी चाहे ले जा सकते हैं, सुन सकते हैं। कोई भी काम करते समय इसे सुना जा सकता है। रेडियो के लिए भौगोलिक सीमाएं कोई बाधा उत्पन्न नहीं करती हैं। दूरदराज के क्षेत्रों और गाँवों में, जहाँ जनसंचार के अन्य माध्यमों की पहुँच नहीं है, वहाँ के लिए रेडियो ज्ञान का प्रवेश द्वार है।

रेडियो दृश्यहीन माध्यम है। रेडियो की दुनिया का सारा दारोमदार ध्वनि और आवाज पर निर्भर है। श्रव्य माध्यम होने के कारण इसकी कुछ सीमाएं हैं। बावजूद इसके रेडियो की अपनी कुछ अनूठी विशेषताएं हैं। रेडियो 'वर्तमान' और 'जीवंत' होने का बोध कराता है। रेडियो श्रोताओं की कल्पनाशक्ति को जागृत करता है। श्रोताओं की कल्पनाशक्ति और विचारशक्ति को उन्मुक्त उड़ान भरने का अवसर प्रदान करता है, इसके उलट दृश्य माध्यम दर्शकों की विचारशक्ति को कुंठित करते हैं और उनकी मौलिक सोच को प्रभावित करते हैं।

साल 1990 के दशक में इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में आई क्रांति ने संचार क्रांति को जन्म दिया है। उपग्रहों और अनेक प्रकार के अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से जनसंचार माध्यमों की शक्ति और विस्तार को अकल्पनीय ऊँचाइयों तक पहुँचा दिया है। नित नए आविष्कारों ने टीवी, मोबाइल समेत रोजमर्रा के जीवन में उपयोग में आने वाले अनेक उपकरणों को 'स्मार्ट' बना दिया है। संपूर्ण ब्रह्मांड की समस्त जानकारियां एक छोटे-से मोबाइल में समा गई हैं।

संचार क्रांति के मौजूदा दौर में भी रेडियो की प्रासंगिकता बनी हुई है। कम्युनिटी रेडियो आ गए हैं। सैकड़ों खबरिया चैनलों के आ जाने के बावजूद रेडियो सूचना, शिक्षा और मनोरंजन का लोकप्रिय माध्यम है। रेडियो का विशाल श्रोता वर्ग है। दूसरे इलेक्ट्रॉनिक समाचार माध्यमों के बनिस्बत रेडियो में प्रसारित समाचारों की विश्वनीयता आज भी असंदिग्ध मानी जाती है। पहले 'कानों सुनी' के मुकाबले 'आँखों देखी' पर ज्यादा भरोसा किया जाता था लेकिन मौजूदा दौर के खबरिया चैनलों ने इस भ्रम को तोड़ दिया है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुख्यमंत्री मान का स्पष्ट संदेश: पंजाब में अमन कानून की रक्षा के लिए सख्त व्यवस्था जारी रखी जाए

युद्ध नशेयां विरुद्ध और गैंगस्टरां ते वार पंजाब सरकार की प्रमुख प्राथमिकता; जड़ से खत्म करना जरूरी: भगवंत सिंह मान

यज्ञांश शर्मा

चंडीगढ़

नशों और संगठित अपराध के खिलाफ अपनी दृढ़ स्थिति दोहराते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पूरी सीनीयर पुलिस लीडरशिप को सुरक्षा व्यवस्था सख्ती से लागू करने के आदेश देते हुए कहा कि पूरे राज्य में अमन कानून व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

पुलिस कमिश्नरों, इंस्पेक्टर जनरल (आईजी), डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) और सीनियर सुपरिंटेंडेंट्स ऑफ पुलिस (एसएसपी) के साथ उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि युद्ध नशेयां विरुद्ध और गैंगस्टरां ते वार पंजाब सरकार की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं और नशों के खतरे तथा गैंगस्टर नेटवर्क को जड़ से खत्म करना चाहिए।

समूचे समन्वय, जवाबदेही और जमीनी स्तर पर प्रत्यक्ष परिणामों की उम्मीद करते हुए मुख्यमंत्री ने दोहराया कि आप सरकार आम नागरिकों की सुरक्षा और रक्षा के लिए दृढ़ प्रतिबद्ध है।

उन्होंने आगे कहा कि जहां कानून लागू करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी, वहीं पंजाब के नौजवानों के लिए लंबे समय तक सुरक्षित रोजगार के अवसर बढ़ाने, शिक्षा प्रणाली को और मजबूत करने तथा करियर काउंसलिंग को संस्थागत बनाने पर भी निर्भर करता है ताकि नौजवानों को नशों और अपराध का शिकार होने से बचाया जा सके।

अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि ऐसी चुनौतियों का सामना करना पंजाब पुलिस की शानदार विरासत रही है और समय की जरूरत है कि राज्य से नशों के खतरे और गैंगस्टरों का खात्मा करके इस विरासत को कायम रखा जाए और इस कार्य के लिए उन सभी को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी पड़ेगी।

अब तक की प्रगति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों के पूर्ण समर्थन और सहयोग से राज्य सरकार की दो प्रमुख मुहिमें युद्ध नशेयां विरुद्ध और गैंगस्टरां ते वार सफलतापूर्वक शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य को नशों और गैंगस्टरों की बुराई से मुक्त करने के उद्देश्य से शुरू की गई इन दोनों

मुहिमों के परिणाम शानदार रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इन दोनों सामाजिक बुराइयों को जड़ से खत्म करना समय की जरूरत है और इसके लिए हर अधिकारी को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

सख्त निगरानी पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मैं रोजाना इन मुहिमों की प्रगति की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करता रहूंगा ताकि राज्य को नशों और गैंगस्टरों से मुक्त करना सुनिश्चित बनाया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि हरेक कर्मचारी निगरानी के अधीन है और उन्हें अच्छे ढंग से ड्यूटी करने के लिए इनाम दिया जाएगा तथा किसी भी तरह की कुताही के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। इन दोनों मुहिमों के तहत शानदार ड्यूटी के लिए पंजाब पुलिस की प्रशंसा करते हुए उन्होंने आगे कहा कि अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है, जिसके लिए हरेक कर्मचारी को सख्त मेहनत करनी होगी।

राज्य सरकार द्वारा दिल से सहयोग का भरोसा देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब पुलिस को नवीनतम तकनीक से लैस करने के लिए फंडों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि विभाग की जरूरतों के अनुसार स्टाफ, वाहन फ्लीट और अन्य बुनियादी ढांचे को अपग्रेड किया जा रहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इरादा स्पष्ट है कि यह सुनिश्चित बनाया जाए कि पंजाब पुलिस किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कानून व्यवस्था की स्थिति पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के ठोस प्रयासों से, पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति देश के बाकी हिस्सों से बहुत बेहतर है। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि पिछली सरकारों के शासनकाल की तुलना में राज्य में एक बड़ा बदलाव आया है क्योंकि अब पुलिस फोर्स को झूठे केस दर्ज करने के लिए नहीं इस्तेमाल किया जाता। उन्होंने आगे कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि वाली बात है कि राज्य सरकार द्वारा अपराधियों की कोई सरपरस्ती नहीं की जा रही।

मुख्यमंत्री ने सिविल और पुलिस प्रशासन को राज्य भर में हथियारों के लाइसेंसों के दुरुपयोग को रोकने के लिए व्यापक मुहिम शुरू करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी हथियार के लाइसेंस का उपयोग किसी अपराध के लिए किया जाता है, तो जिला अधिकारी उसका लाइसेंस तुरंत रद्द कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस कार्य में किसी भी तरह की ढिलाई पूरी तरह अनुचित है। इस मुहिम को ध्यान से योजनाबद्ध किया जाना चाहिए और बिना किसी रुकावट के लागू किया जाना चाहिए।

नौजवानों को रचनात्मक गतिविधियों में व्यस्त रखने की जरूरत पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे कि खाली दिमाग शैतान का घर होता है, इसलिए राज्य सरकार नौजवानों को अधिक से अधिक रोजगार प्रदान करने की कोशिश कर रही है ताकि उन्हें सामाजिक बुराइयों से दूर रखा जा सके। स्कूल ड्रॉपआउट दर को रोकने की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि नशे के संवेदनशील क्षेत्रों और समूहों में, शिक्षा विभाग को उचित उपाय करने और इसकी जांच करने के लिए शामिल किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि इन संवेदनशील क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर करियर काउंसलिंग कार्यक्रम शुरू किया जाना चाहिए।

इस मौके पर मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा, डी.जी.पी. गौरव यादव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

पंजाब के कराधान विभाग द्वारा 9 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले और आंतरिक अनुशासनहीनता के खिलाफ बड़ी कार्रवाई: हरपाल सिंह चीमा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

दो महत्वपूर्ण मोर्चों पर निर्णायक कार्रवाई का ऐलान करते हुए पंजाब के वित्त, आबकारी एवं कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने पंजाब सरकार की वित्तीय ईमानदारी और प्रशासनिक जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने बताया कि लुधियाना के एक कारोबारी को 9 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले में गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक आबकारी एवं कर इंस्पेक्टर को लंबे समय से बिना सूचना के गैर-हाजिर रहने के कारण नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है।

यहां जारी प्रेस बयान के द्वारा वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि स्टेट इंटेलिजेंस एंड प्रिवेंटिव यूनिट (सीआईपीयू), लुधियाना द्वारा की गई एक बड़ी कार्रवाई के दौरान कर विभाग ने मेसर्स एम.ए.ए. स्टील, लुधियाना के मालिक रोहित गुप्ता को गिरफ्तार किया है। केस का विवरण देते हुए उन्होंने कहा, कराधान विभाग ने एक बड़े जीएसटी घोटाले का पदार्फाश किया है, जहां मेसर्स एम.ए.ए. स्टील द्वारा बिना किसी वास्तविक सप्लाई के एच.आर./सी.आर. कॉइल्स और स्ट्रिप्स के जाली इनवॉइस जारी किए जा रहे थे। इस धोखाधड़ी वाले नेटवर्क के द्वारा 9 करोड़ रुपये से अधिक का इनपुट टैक्स क्रेडिट (आई.टी.सी.) विभिन्न लाभार्थियों को दिया गया, जिससे सरकारी खजाने को सीधा और बड़ा नुकसान हुआ। छापेमारी के दौरान विभाग की टीमों ने मौके पर मौजूद स्टॉक और फर्म के आधिकारिक बुक रिकॉर्ड में भी बड़ा अंतर पाया है।

वित्त मंत्री ने आगे बताया कि इस मामले में जांच का दायरा और बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम साइकिल पार्ट्स और स्पेयर पार्ट्स के कई निमार्ताओं की जांच कर रहे हैं, जिनके इस घोटाले में शामिल होने का संदेह है। ये इकाइयां गलत तरीके से एक्सपोर्ट रिफंड या इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर के माध्यम से लाभ लेने के लिए जांच के घेरे में हैं। हमारी सरकार कर चोरी के खिलाफ सख्ती से लड़ने, सरकारी राजस्व की रक्षा करने और पंजाब के हर ईमानदार करदाता के लिए बराबर के अवसर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसी दौरान आंतरिक प्रशासनिक अनुशासन के बारे में बात करते हुए वित्त मंत्री ने घोषणा की कि पंजाब सरकार ने एक आबकारी एवं कर इंस्पेक्टर को लंबे समय से गैर-हाजिर रहने के कारण पंजाब सिविल सर्विसेज (सजा और अपील) नियम, 1970 के तहत तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। अनुशासन के प्रति पंजाब सरकार के सख्त रुख पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, भगवंत मान सरकार इस बात के लिए दृढ़ है कि किसी भी कीमत पर अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हम पहले भी ऐसी अनुशासनहीनता के कारण चार कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर चुके हैं और एक अन्य आबकारी एवं कर इंस्पेक्टर तथा एक क्लर्क के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई जारी है।

हरजोत सिंह बैंस द्वारा मोहाली के सरकारी स्कूल का आकस्मिक दौरा; स्कूल की नुहार बदलने के दिए आदेश

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़/एस.ए.एस. नगर

सरकारी स्कूलों की नुहार बदलने की मुहिम के तहत पंजाब के शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने आज सुबह एस.ए.एस. नगर (मोहाली) जिले के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हथियारपुर का आकस्मिक दौरा किया। उन्होंने स्कूल कैंपस के आधुनिकीकरण के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को एक सप्ताह के अंदर विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डी.पी.आर.) जमा करवाने के निर्देश दिए हैं।

यह स्कूल चंडीगढ़ के निकट स्थित होने के बावजूद कक्षाओं की खराब हालत, जिन्हें तुरंत पेंट की आवश्यकता है, पर असंतोष व्यक्त करते हुए स. हरजोत सिंह बैंस ने डायरेक्टर (सेकेंडरी शिक्षा) को फोन करके इस संबंध में तुरंत एक निरीक्षण टीम गठित करके स्कूल के दौरे पर भेजने और एक सप्ताह के अंदर डी.पी.आर. पेश करने के आदेश दिए। उन्होंने इस स्कूल को एक आदर्श मॉडल शिक्षा संस्थान में बदलने की प्रतिबद्धता जाहिर की।

उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को स्कूल की मरम्मत, आईसीटी-सक्षम कमरों का निर्माण और विद्यार्थियों की नई वर्दी संबंधी निर्देश देते हुए कहा कि राज्य की राजधानी के निकट स्थित इस स्कूल को एक मॉडल संस्थान बनाया जाएगा। उन्होंने स्कूल प्रिंसिपल को स्कूल के गलियारों में विद्यार्थियों के आर्ट वर्क को प्रदर्शित करने के लिए भी कहा।

इस दौरान स. हरजोत सिंह बैंस ने विद्यार्थियों से बातचीत करके शिक्षा की गुणवत्ता के बारे में फीडबैक लिया। शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों को जीवन में बड़े और ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने तथा कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया और अपने जीवन में बुलंदियां हासिल करने के लिए उत्साहित किया। स्कूल प्रिंसिपल ने शिक्षा मंत्री को बताया कि 15 लाख रुपये की ग्रांट से स्कूल के खेल मैदान को अपग्रेड किया जा रहा है। शिक्षा मंत्री ने प्रिंसिपल को साथ ही कहा कि इस खेल मैदान को स्थानीय बच्चों के लिए शाम को खुला रखने के लिए कहा।

हरजोत सिंह बैंस ने स्वां नदी और सतलुज दरिया पर बनाए जा रहे पुलों की प्रगति का जायजा लिया

चंडीगढ़। पंजाब के शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने आज श्री आनंदपुर साहिब हलके में 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचे की विकास परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। इन परियोजनाओं में स्वां नदी और सतलुज दरिया पर बनाए जा रहे चार पुल शामिल हैं, जो 100 से अधिक गांवों और पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश से संपर्क को बेहतर बनाएंगे। रोपड़ जिला और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ अपने कार्यालय में बैठक के दौरान स्वां नदी और सतलुज दरिया पर बनाए जा रहे चार पुलों की प्रगति की समीक्षा करते हुए स. बैंस ने कहा कि भल्लड़ी-खेड़ा कलमोट, एलगरां, कलितरां-बेला धियानी और बेला धियानी-पलासी स्थानों पर पुलों के निर्माण से आने-जाने का समय कम होगा, अंतर-राज्यीय व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा, क्षेत्र में आर्थिक विकास बढ़ेगा और स्थानीय निवासियों को बहुत लाभ होगा। स. हरजोत सिंह बैंस ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन परियोजनाओं पर काम में तेजी लाई जाए और गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को बनाए रखा जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी की स्थिति में सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की विकास और पंजाब के लोगों के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दोहराया।

अमृतसर में सीमा पार से संचालित नारको-तस्करी नेटवर्क का पदार्फाश; 7.6 किलोग्राम हेरोइन, 21 हजार रुपये की ड्रग मनी सहित दो गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़/अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से संचालित नारको-तस्करी नेटवर्क से जुड़े दो गुर्गों को 7.6 किलोग्राम हेरोइन और 21,800 रुपये की ड्रग मनी सहित गिरफ्तार करके इस नेटवर्क का पदार्फाश किया है। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान साहिबप्रीत सिंह उर्फ साहिब (19), निवासी फतेहगढ़ चूड़ियां, बटाला और वर्तमान पता छेहरटा, अमृतसर तथा गगनदीप सिंह उर्फ गगन (26) निवासी गुरु नानकपुरा, कोट खालसा, अमृतसर के रूप में हुई है। दोनों मुलजिम आपराधिक पृष्ठभूमि वाले हैं और इनके खिलाफ आर्म्स एक्ट तथा लूटपाट से संबंधित मामले दर्ज हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए मुलजिम वर्चुअल नंबरों के माध्यम से दुबई स्थित एक हैंडलर के संपर्क में थे, जो पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हेरोइन की खेप भेजना सुनिश्चित करता था और पिकअप स्थानों तथा सप्लाई चेन के बारे में निर्देश देता था। उन्होंने बताया कि दुबई स्थित हैंडलर नशीले पदार्थों के कई नेटवर्क चला रहा है और 43 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी से संबंधित एक बड़े एनडीपीएस केस से भी जुड़ा हुआ है।

डीजीपी ने बताया कि इस नेटवर्क के आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। इस ऑपरेशन के बारे में अधिक जानकारी देते हुए, कमिश्नर ऑफ पुलिस (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि विशेष और विश्वसनीय जानकारी पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने एक सुनियोजित ऑपरेशन चलाया और दोनों संदिग्धों को 7.6 किलोग्राम हेरोइन तथा ड्रग मनी सहित गिरफ्तार कर लिया। सीपी ने बताया कि जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि दुबई स्थित हैंडलर नशीले पदार्थों के कई नेटवर्क चला रहा है। उन्होंने आगे कहा कि पूरे नेटवर्क का पदार्फाश करने के लिए जांच जारी है। इस संबंध में, एफआईआर नंबर 29 दिनांक 11.02.2026 को थाना छेहरटा, अमृतसर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-सी, 25 तथा 27-ए के तहत दर्ज की गई है।

संक्षिप्त-समाचार

आर.टी.आई. कमीशन द्वारा पी.आई.ओ.-कम-सचिव ग्राम पंचायत बग्गा खुर्द के खिलाफ वारंट जारी

चंडीगढ़। पंजाब राज्य सूचना कमीशन ने एक मामले की सुनवाई के दौरान ब्लॉक विकास और पंचायत कार्यालय, ब्लॉक लुधियाना-1 के पी.आई.ओ. कम सचिव ग्राम पंचायत बग्गा खुर्द के खिलाफ वारंट जारी किए हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब राज्य सूचना कमीशन के आयुक्त हरप्रीत सिंह संधू ने बताया कि बलकार सिंह, निवासी सिधवां बेट, जिला लुधियाना द्वारा दायर केस नंबर 0999 ऑफ 2024 में ब्लॉक विकास और पंचायत कार्यालय, ब्लॉक लुधियाना-1 के पी.आई.ओ. कम सचिव ग्राम पंचायत बग्गा खुर्द अमित कुमार के खिलाफ कमीशन द्वारा 16 मार्च, 2026 को कमीशन परिसर में पेश होने के वारंट जारी किए गए हैं। श्री हरप्रीत सिंह संधू ने बताया कि अमित कुमार अब तक हुई 3 सुनवाइयों के अवसर पर कमीशन की हिदायतों के बावजूद गैर-हाजिर रहे। उन्होंने कहा कि अब इस मामले में कमीशन द्वारा आर.टी.आई. एक्ट 2005 की धारा 18 (3) (ए) के तहत पुलिस आयुक्त, लुधियाना को आदेश जारी किया गया है कि वे अमित कुमार, पी.आई.ओ. कम सचिव ग्राम पंचायत बग्गा खुर्द को इन वारंट की प्रति तामील करवाएं और केस की अगली तारीख 16 मार्च, 2026 को कमीशन के समक्ष पेश होने की हिदायत जारी करें।

रेलवे द्वारा होली के त्योहार पर अमृतसर-बढ़नी के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय किया गया: परमजीत सैनी

जैतो। उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक परमजीत सिंह सैनी ने वीरवार को कहा कि रेलवे द्वारा होली को देखते हुए रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु स्पेशल रेलगाड़ियों का संचालन करने का निर्णय लिया गया है। जिसमें ट्रेन संख्या 05006/05005 अमृतसर-बढ़नी-अमृतसर स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है।स्पेशल ट्रेन 05006 अमृतसर से बढ़नी के लिए 4 मार्च 2026 से 25 मार्च 2026 (04 ट्रिप) तक प्रत्येक गुरुवार को चलेगी। यह स्पेशल रेलगाड़ी 05006 अमृतसर से दोपहर 12:45 बजे प्रस्थान करके लगभग 19 घंटे के बाद सुबह 08:15 बजे बढ़नी पहुँचेगी। स्पेशल ट्रेन 05005 बढ़नी से अमृतसर के लिए 5 मार्च 2026 से 26.03.2026 (04 ट्रिप) तक प्रत्येक बुधवार को चलेगी। यह स्पेशल रेलगाड़ी 05005 बढ़नी से दोपहर 15:10 बजे प्रस्थान करके लगभग 18 घंटे बाद सुबह 09:30 बजे अमृतसर पहुंचेगी। मार्ग में ये स्पेशल रेलगाड़ियाँ ब्यास, जलंधर शहर, ढंडारी कलां, अम्बाला छावनी, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, बुढ़वल, गोंडा, बलरामपुर और तुलसीपुर स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी। मंडल वाणिज्य प्रबंधक परमजीत सिंह सैनी ने कहा कि भारतीय रेल, यात्रियों की सुविधाजनक आवागमन हेतु निरंतर प्रयासरत है और त्योहारों के दौरान यात्रियों को सुगम और सुरक्षित यात्रा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है।

अमिता शर्मा ने दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल, मल्लावाला में प्रिंसिपल का पद संभाला

जैतो। दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल, मल्ला बाजाखाना में प्रिंसिपल श्रीमती अमिता शर्मा ने अपना पदभार संभाला और मैनेजमेंट और स्टाफ ने उनका फूलों से स्वागत किया। उनका गुलदस्ता और मिठाई देकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस मौके पर प्रिंसिपल मैडम अमिता शर्मा ने कहा कि हमारा मुख्य लक्ष्य बच्चों को हायर एजुकेशन देना है। और लड़कियों को नैतिक मूल्यों के बारे में जागरूक करना है, जो आज की मुख्य जरूरत है और बच्चों की पढ़ाई को लेकर पूरा स्टाफ बहुत मेहनती है, जिससे बच्चों की पढ़ाई और भी बेहतर होगी। उन्होंने यह भी कहा कि ये बच्चे कल का भविष्य हैं। स्कूल के फाउंडर और चेयरमैन डॉ. विजय पवार ने कहा। कि प्रिंसिपल अमिता शर्मा के आने से बच्चों को हायर एजुकेशन मिलेगी क्योंकि प्रिंसिपल मैडम बहुत मेहनती और काबिल इंसान हैं जिन्हें बच्चों को हाई क्वालिटी एजुकेशन देने का 25 साल का क्वालिफाइड एक्सपीरियंस है। इससे एजुकेशन देना और भी अच्छा होगा और हम कहना चाहेंगे कि प्रिंसिपल अमिता शर्मा स्टेट अवार्डी हैं और बहुत मेहनती हैं। इस मौके पर मैनेजमेंट से मिसेज आस्था, खुशदीप भारद्वाज, सरबजीत कौर, मिसेज सृष्टि शर्मा, मिसेज हरदीप कौर, मिसेज सरबजीत कौर, सुखप्रीत कौर, करमजीत कौर, हसनदीप कौर, बबलीदीप कौर। और सीबा प्रिंसिपल नर्सिंग कॉलेज और सपना वगैरह शामिल थे।

विजीलैंस ब्यूरो की तरफ से 4000 रुपए रिश्वत लेता नायब कोर्ट रंगे हाथों काबू

चंडीगढ़। पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार विरुद्ध चल रही मुहिम दौरान पंजाब होम गार्ड (पीएचजी) के पी. सी. नायब कोर्ट शरनदीप सिंह, जो कि थाना श्री मुक्तसर साहब के साथ सम्बन्धित है, को 4000 रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों काबू किया है। यहां जानकारी देते राज विजीलैंस ब्यूरो के सरकारी वक्ता ने कहा कि उक्त दोषी को श्री मुक्तसर साहिब के एक निवासी द्वारा दर्ज करवाई शिकायत के आधार पर गिरफ़्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता ने दोष लगाया है कि दोषी शरनदीप सिंह ने अदालती केस में उसकी मदद करने के बदले 4000 रुपए रिश्वत की मांग की थी। इस सम्बन्धित दोषी ने अलग- अलग मौकों पर उसकी जमानत रद्द हो गई है या नहीं, बारे जानकारी देने के लिए रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता की शिकायत पर प्राथमिक जांच के बाद, विजीलैंस ब्यूरो की टीम ने एक जाल बिछाया जिस दौरान दोषी को दो सरकारी गवाहों की हाजरी में शिकायतकर्ता से 4000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ़्तार कर लिया गया। इस सम्बन्धित दोषी विरुद्ध विजीलैंस ब्यूरो के थाना बठिंडा में भ्रष्टाचार रोकू कानून के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया गया है और इस मामले की आगे वाली जांच जारी है।

प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 मोहाली की प्लाक्षा यूनिवर्सिटी में 13-15 मार्च तक आयोजित किया जाएगा

प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन का लोगो जारी, आर्थिक और समग्र विकास के लिए सुधारों पर किया जाएगा ध्यान केंद्रित

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन (पीपीआईएस) 2026 से महज 28 दिन पहले मुख्यमंत्री स. भगवंत मान द्वारा चंडीगढ़ में आयोजित एक उच्च-स्तरीय बैठक में सम्मेलन का आधिकारिक लोगो जारी किया गया है। बैठक में उद्योग और वाणिज्य मंत्री श्री संजीव अरोड़ा, पंजाब के मुख्य सचिव, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और इन्वेस्ट पंजाब के प्रतिनिधि शामिल थे। सम्मेलन की तैयारियों से जुड़े सभी प्रमुख विभाग भी समीक्षा बैठक के दौरान मौजूद थे।

यह सम्मेलन 13-15 मार्च 2026 को प्लाक्षा यूनिवर्सिटी, आईटी सिटी, मोहाली में आयोजित किया जाएगा और यह पंजाब मीन्ज बिजनेस - पॉलिसी टू प्रैक्टिस थीम पर केंद्रित है। यह थीम नीति घोषणाओं से आगे संरचनात्मक कार्यान्वयन, लक्षित परिणामों और निवेशक-केंद्रित प्रशासन की ओर बढ़ने के प्रति पंजाब सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

नया लॉन्च किया गया लोगो पंजाब की आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति, स्थिरता और विकास की गति को दशार्ता है। इस डिजाइन में औद्योगिक विस्तार, डिजिटल प्रशासनिक सुधार, समग्र विकास और लचीलापन शामिल है, जो पंजाब के एक प्रगतिशील, सुधार-प्रेरित और निवेश-अनुकूल माहौल को प्रदर्शित करता है।

बैठक के दौरान, उद्योग और वाणिज्य मंत्री संजीव अरोड़ा ने मुख्यमंत्री को सम्मेलन की तैयारियों की

प्रगति के बारे में अवगत करवाया, जिसमें आउटरीच गतिविधियां, बुनियादी ढांचे संबंधी तैयारियां, भागीदार देशों के साथ समन्वय और विभागीय तैयारियां शामिल हैं। इस तीन दिवसीय आयोजन के निर्विघ्न संचालन को सुनिश्चित करने के लिए स्थान और प्रमुख लॉजिस्टिकल तैयारियों की व्यापक समीक्षा की गई।

उन्होंने आगे बताया कि अब तक आयोजित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रोड शो के दौरान राज्य को दुनिया भर के उद्योगपतियों और प्रमुख भागीदारों से उत्साहजनक समर्थन मिला है। प्रमुख भारतीय शहरों और वैश्विक निवेश केंद्रों में भागीदारी ने पंजाब की बेहतर शासन प्रणाली, मजबूत बुनियादी ढांचे और क्षेत्रीय विकास के अवसरों में निवेशकों के विश्वास को और मजबूत किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह सम्मेलन साझेदारी, सह-निर्माण और कार्यान्वयन के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि नीतियां उद्योगों से परामर्श करके बनाई जाएं और निर्धारित समय-सीमाओं पर डिजिटल जवाबदेही प्रक्रियाओं के माध्यम से लागू की जाएं।

उन्होंने कहा, पंजाब के सुधार-उन्मुख प्रशासन मॉडल के कारण पहले ही ठोस परिणाम सामने आए हैं। राज्य को लगभग 1.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और 5 लाख से अधिक व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं, जो पंजाब की नीतियों में विश्वसनीयता और मजबूत कार्यान्वयन क्षमता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

सम्मेलन का लोगो जारी करना इस आयोजन के लिए काफी महत्वपूर्ण है और यह स्थानीय तथा वैश्विक निवेशकों का स्वागत करने के लिए पंजाब की तैयारियों को दशार्ता है।

बांग्लादेश में मतदान के दौरान कई जगह बम विस्फोट

मीरपुर में बीएनपी और जमात समर्थकों में झड़प

एजेंसी (हि.स.)
ढाका

फोटोः हि.स.

बांग्लादेश में 13वें संसदीय चुनाव और ऐतिहासिक राष्ट्रीय जनमत संग्रह के लिए गुरवार को मतदान के दौरान देश के कई हिस्सों में हुए बम विस्फोट में अनेक लोग घायल हो गए। यह धमाके मुंशीगंज और गोपालगंज में हुए हैं। इसके अलावा मीरपुर में दो पार्टियों के सदस्यों के बीच झड़प की सूचना है।

द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार आज सुबह मतदान के दौरान मुंशीगंज सदर उपजिला के मखाती गुरुचरण हाईस्कूल में एक देसी बम से धमाका किया गया। सदर थाना प्रभारी मोहम्मद मोमिनुल इस्लाम ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि सुबह करीब 10 बजे दो उम्मीदवारों के समर्थकों के बीच किसी बात को लेकर झड़प हुई। इसी दौरान बम से धमाका किया गया। राजधानी ढाका में मीरपुर-10 संसदीय क्षेत्र में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात समर्थकों के बीच भिड़ंत की खबर है। इसी सीट से जमात के मुखिया शफिकुर रहमान चुनाव लड़ रहे हैं। प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार गोपालगंज सदर में एक मतदान केंद्र पर वोटिंग के दौरान एक देसी बम फेंका गया। इस धमाके में अंसार के दो सदस्यों समेत तीन लोग घायल हो गए। यह घटना सुबह करीब 9:30 बजे रेशमा इंटरनेशनल स्कूल मतदान केंद्र पर हुई। केंद्र पर पर मौजूद सब इंस्पेक्टर जहीदुल इस्लाम ने कहा कि हमलावरों ने पास की नहर के पार से देसी बम फेंका। इस धमाके में अंसार के सदस्य सुकोंथा मजूमदार और जमाल हुसैन, साथ ही आरामबाग इलाके के एक मतदाता की 14 साल की बेटी अमीना खानम घायल हो गईं। धमाके से केंद्र का मेन गेट थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया।

बांग्लादेश चुनाव के मद्देनजर पश्चिम बंगाल में सीमा पर बीएसएफ ने बढ़ाई चौकसी

कोलकाता। बांग्लादेश में वीरवार को हो रहे संसदीय चुनाव को देखते हुए पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पूरी सीमा पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती की है और गश्त को तेज कर दिया है। बुधवार रात से ही सीमावर्ती इलाकों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। सुंदरबन के तटीय क्षेत्रों से लेकर उत्तर बंगाल के सीमावर्ती जिलों तक हाई अलर्ट जारी किया गया है। बीएसएफ ने संवेदनशील और अतिसंवेदनशील माने जाने वाले इलाकों में विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की है। बीएसएफ के पूर्वी कमान मुख्यालय में तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, बांग्लादेश में चुनाव के दौरान संभावित हिंसा और अस्थिरता को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। आशंका जताई जा रही है कि अशांति की स्थिति में अपराधी या संदिग्ध तत्व सीमा पार कर भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर सकते हैं। सीमा के नदीय और दुर्गम इलाकों में भी गश्ती दलों की संख्या बढ़ाई गई है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है जहां पहले अवैध गतिविधियों की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। सुंदरबन से सटे वन और समुद्री क्षेत्रों में खास तौर पर निगरानी बढ़ाई गई है। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पूरी सीमा पर अत्याधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है।

सुशीला कार्की हिमालयी जिलों के दौरे पर

काठमांडू। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की आज से हिमालयी (हिमाली) जिलों के दो दिवसीय दौरे पर हैं। वो इन जिलों में पांच मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा के चुनाव की तैयारियां और वस्तुस्थिति का जायजा लेंगी। यह जिले मुख्य रूप से हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं (महालांगुर, गणेश, आदि) के पास स्थित हैं। इनमें मुस्तांग, मनांग, बाजुरा और सोलुखुम्बु जैसे जिले शामिल हैं। यह जिले अपनी ऊंची चोटियों के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने दौरे की शुरूआत सुबह सोलुखुम्बु से की। उनके साथ प्रमुख निजी सचिव आदर्श श्रेष्ठ और प्रेस सलाहकार रामबहादुर रावल के अलावा अन्य अधिकारी भी हैं। वह हेलिकॉप्टर से नाम्चे पहुंची। यहां से जिला मुख्यालय सल्लेरी पहुंचीं। कार्की का स्वागत प्रमुख जिला अधिकारी और सुरक्षा निकायों के जिला प्रमुखों ने किया और उन्हें जिले की समग्र स्थिति से अवगत कराया। प्रेस सलाहकार रावल के अनुसार, अब तक की स्थिति को देखते हुए जिला अधिकारियों ने बताया कि पांच मार्च को होने वाले चुनाव में कोई समस्या नहीं होगी। रावल ने बताया, पिछले वर्षों के रिकॉर्ड को देखें तो मार्च में बर्फबारी नहीं हुई है। इसलिए पांच मार्च को चुनाव कराने में कोई दिक्कत नहीं होगी, ऐसा अधिकारियों ने ब्रीफ किया है। सोलुखुम्बु की प्रमुख जिला अधिकारी लीला केसी पाण्डे के अनुसार, जिले में कुल 123 मतदान स्थल हैं। यदि बर्फबारी होती है तो सात मतदान स्थल प्रभावित हो सकते हैं। इनमें से चार मतदान स्थल नाम्चे से ऊपर हैं। फिलहाल सभी मतदान स्थल सामान्य स्थिति में हैं। रावल के अनुसार, हिमाली जिलों की स्थिति का आकलन करने के बाद प्रधानमंत्री पश्चिमी क्षेत्रों का दौरा करेंगी।

नेपाल के हिमालयी जिलों में बर्फबारी भीषण ठंड में चुनाव स्थगित करने की मांग

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

फोटोः हि.स.

नेपाल में आगामी 5 मार्च को होने जा रहा प्रतिनिधि सभा का चुनाव हिमालयी जिला हुम्ला के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। यहां के कई जनप्रतिनिधियों ने भीषण ठंड एवं हिमपात के कारण मतदान में होने वाली कठिनाइयों का हवाला देकर सरकार से चुनाव स्थगित करने की मांग की है। सरकार को लिखे पत्र में हिमालयी जिले के जनप्रतिनिधियों ने कहा है कि कड़ाके की ठंड और गाँवों तक पहुँचने वाली सड़कें बर्फ से अवरुद्ध होने के कारण मतदान न हो पाने की आशंका बढ़ती जा रही है। या तो सरकार इसका कोई उपाय ढूंढे या फिर चुनाव स्थगित करे। नाम्खा गाँवपालिका ने सरकार को पत्र लिखकर बर्फ हटाकर सड़क खुलवाने की मांग की है।

इसके साथ ही जिला निर्वाचन कार्यालय को एक अलग पत्र भेजकर 5 मार्च को होने वाले चुनाव को कुछ समय के लिए स्थगित करने का अनुरोध किया गया है। नाम्खा गाँवपालिका के लिमी क्षेत्र में कुल 672 मतदाता हैं। वहाँ तीन मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। हालांकि, वहाँ के अधिकांश मतदाता ठंड से बचने के लिए काठमांडू, सुर्खेत, भारत सहित अन्य स्थानों पर चले गए हैं, जिससे मतदान न हो पाने की संभावना है। यह जानकारी नाम्खा गाँवपालिका96 के वडाध्यक्ष पाल्जोर तामांग ने दी। उनका कहना है कि सरकार को नारा और न्यालु लेक क्षेत्रों में जमी बर्फ हटाने की पहल करनी चाहिए या फिर निर्वाचन को स्थगित किया जाना चाहिए। उनके अनुसार, उत्तरी नाम्खा गाँवपालिका के लिमी, तिल, जांग और हल्जी गाँवों के अधिकांश मतदाता जिला से बाहर हैं।

पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के काठमांडू आगमन को देखते हुए त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के आसपास निषेधाज्ञा

काठमांडू। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे परिसर में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के काठमांडू आगमन पर हजारों समर्थकों के स्वागत के लिए पहुंचने के मद्देनजर एहतियात के तौर पर यह कदम उठाया गया है। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। उल्लेखनीय है कि 13 फरवरी को राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) सहित कुछ संगठनों ने पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह का त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे परिसर में स्वागत करने की तैयारी की जा रही है। पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह शुक्रवार को झापा से काठमांडू पहुंचेंगे। राप्रपा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविन्द्र मिश्र ने फेसबुक पोस्ट में '13 फरवरी को काठमांडू हवाई अड्डे पर राजा का भव्य स्वागत करने का आह्वान किया है। स्थानीय प्रशासन ने कहा कि निषेधाज्ञा आज से प्रभावी हो गई है।

पटना सिविल कोर्ट को सातवीं बार मिली बम से उड़ाने की धमकी, टाउन डीएसपी ने की पुष्टि

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
पटना

पटना सिविल कोर्ट को गुरवार सुबह ई-मेल से बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद न्यायिक कामकाज को सुरक्षा कारणों से रोक दिया गया है। पूरे अदालत परिसर को खाली कराकर तलाशी अभियान शुरू किया है। सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। हाल के दिनों में सातवीं बार पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस ने एहतियात के तौर पर कोर्ट कॉम्प्लेक्स खाली करा लिया। न्यायिक कामकाज शुरू होने से पहले परिसर में सघन तलाशी अभियान शुरू किया है। टाउन डीएसपी राजेश रंजन ने कहा कि तलाशी अभियान चल रहा है। सिक्योरिटी चेक पूरा होने के बाद दोपहर में न्यायिक कामकाज शुरू होगा। हालांकि उन्होंने ई-मेल के संबंध में जानकारी नहीं दी है पर कहा कि संदिग्धों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। उन्होंने परिसर में उपस्थित सभी लोगों से शांत रहने की अपील की है। रंजन ने कहा कि कोर्ट कॉम्प्लेक्स के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है। उधर, पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव के एक मामले की सुनवाई को टाल दिया गया है। बार-बार मिल रही धमकी से अधिवक्ता गुस्से में हैं।

चेन्नई-श्रीलंका उड़ानों के किराए में भारी वृद्धि

चेन्नई । श्रीलंका में 15 फरवरी को टी-20 विश्व कप का भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग चेन्नई से श्रीलंका जाने के टिकट बुक कर रहे हैं। इस कारण चेन्नई से श्रीलंका जाने वाली उड़ानों के किराए में भारी बढ़ोतरी की गई है। चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से प्रतिदिन श्रीलंका के लिए 8 उड़ानें और श्रीलंका से चेन्नई के लिए 8 उड़ानें संचालित होती हैं, यानी कुल 16 उड़ान सेवाएं चलती हैं। इसके अलावा श्रीलंका के रास्ते कई अन्य देशों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट्स उपलब्ध होने के कारण किराया सामान्यतः कम रहता है। इसी वजह से चेन्नई से श्रीलंका जाने वाली यात्रियों की संख्या आमतौर पर अधिक रहती है। सामान्य दिनों में चेन्नई-श्रीलंका के बीच हवाई किराया लगभग 7,127 रुपये होता है, लेकिन 13 तारीख को इंडिगो एयरलाइंस की इकोनॉमी क्लास का किराया 22,073 रुपये से 25,207 रुपये तक पहुंच गया है, जबकि श्रीलंकन एयरलाइंस का किराया 42,231 रुपये तक हो गया है। वर्तमान में भारत और श्रीलंका में टी-20 विश्व कप मैच चल रहे हैं। मैच देखने के लिए भारत से बड़ी संख्या में लोग श्रीलंका हवाई मार्ग से जा रहे हैं। इससे चेन्नई से श्रीलंका जाने वाली सभी उड़ानों में यात्रियों की भारी भीड़ देखी जा रही है।

पुणे में पुरुलिया के प्रवासी मजदूर की हत्या का आरोप, जांच शुरू

एजेंसी (हि.स.)
पुरुलिया,

फोटोः हि.स.

महाराष्ट्र के पुणे में पश्चिम बंगाल के एक प्रवासी श्रमिक की हत्या का मामला सामने आने के बाद पुरुलिया जिले में शोक और आक्रोश का माहौल है। मृतक की पहचान सुखेन महतो (31) के रूप में हुई है। वह पुरुलिया जिले के बड़ाबाजार थाना अंतर्गत तुमड़ाशोल के निवासी थे।

पुलिस के अनुसार, सुखेन महतो कुर्मी जनजाति से संबंध रखते थे। वह वर्ष 2021 से पुणे में श्रमिक के रूप में कार्यरत थे और अपने बड़े भाई तुलसीराम महतो के साथ कोरेगांव भीमा क्षेत्र स्थित एक ऑटो पार्ट्स निर्माण कंपनी में काम करते थे। उनका छोटा भाई भी पुणे की एक वेल्डिंग इकाई में कार्यरत है। बताया गया है कि सुखेन महतो परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर पुणे के शिकारपुर थाना क्षेत्र के कोरेगांव भीमा इलाके से सुखेन महतो का रक्तरंजित शव बरामद किया गया। बताया गया है कि मंगलवार को उनकी ड्यूटी दोपहर तीन बजे की शिफ्ट में थी। कार्यस्थल से लगभग 500 मीटर की दूरी पर उनका शव मिला। सूचना मिलने पर महाराष्ट्र पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के बड़े भाई तुलसीराम महतो ने शिकारपुर थाने में हत्या की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि घटना के दिन उनकी नाइट शिफ्ट थी और बुधवार उन्हें घटना की जानकारी मिली। उनका कहना है कि शव को एंबुलेंस से पुरुलिया लाने में लगभग 70 हजार खर्च होंगे तथा घर पहुंचने में करीब 36 घंटे लगेंगे। परिजनों का आरोप है कि सुखेन की पीट-पीटकर हत्या की गई। परिवार ने आशंका जताई है कि उन्हें बंगाली होने के कारण निशाना बनाया गया। हालांकि, पुलिस ने इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। बुधवार देर रात तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं थी।

दूसरी ओर, घटना की सूचना पर पुरुलिया जिला तृणमूल कांग्रेस नेता मृतक के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की। जिलाध्यक्ष सह राज्य महासचिव शांतिराम महतो ने घटना की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि बंगाली भाषा में बात करने के कारण प्रवासी श्रमिक की पिटाई कर हत्या की गई। उन्होंने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की और परिवार को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त-समाचार

सराफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। दूसरी ओर,चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में शुरूआती कारोबार के दौरान 24 कैरेट सोना आज 1,59,610 रुपये से लेकर 1,59,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,46,310 रुपये से लेकर 1,46,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। जबकि चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज भी शुरूआती कारोबार में 2,89,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,59,760 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और कमजोरी आ गई। हालांकि पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण बाजार की स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वीरवार को शुरूआती पहले घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील और ओएनजीसी के शेयर 1.16 प्रतिशत से लेकर 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, इन्फोसिस, विप्रो, टेक महिंद्रा, टीसीएस और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 4.50 प्रतिशत से लेकर 3.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,659 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 906 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,753 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से वीरवार को मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक कमजोरी के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.34 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 6,941.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,076.58 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 158.20 अंक यानी 0.32 प्रतिशत उछल कर 50,279.60 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए।

प्रधानमंत्री आज करेंगे 'सेवा तीर्थ' और कर्तव्य भवन-1 एवं 2 का उद्घाटन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार, 13 फरवरी को 'सेवा तीर्थ' और 'कर्तव्य भवन-1 एवं 2' का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने गुरुवार को बताया कि नवनिर्मित सेवा तीर्थ परिसर में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय होंगे। कर्तव्य भवन-1 और 2 में वित्त मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, विधि एवं न्याय मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय और जनजातीय कार्य समेत कई मंत्रालय होंगे।

पीएमओ के मुताबिक प्रधानमंत्री 13 फरवरी को दोपहर 1:30 बजे नवनिर्मित प्रधानमंत्री कार्यालय परिसर का सेवा तीर्थ के रूप में औपचारिक रूप से नामकरण करेंगे और इसके बाद सेवा तीर्थ तथा कर्तव्य भवन-1 एवं 2 का उद्घाटन करेंगे। शाम 6 बजे प्रधानमंत्री सेवा तीर्थ में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

कई दशकों से केंद्रीय मंत्रालय और कार्यालय सेंट्रल विस्टा क्षेत्र में अलग-अलग इमारतों में बिखरे हुए थे। इससे कार्यक्षमता में कमी, समन्वय की चुनौतियां, रखरखाव की बढ़ती लागत और उपयुक्त कार्य वातावरण की कमी जैसी समस्याएं सामने आती थीं। नए भवनों के निर्माण से इन समस्याओं का समाधान होगा और प्रशासनिक कार्य एक आधुनिक, कुशल और नागरिक-केंद्रित ढांचे में संचालित होंगे।

दोनों परिसरों में डिजिटल रूप से एकीकृत कार्यालय, संरचित सार्वजनिक इंटरफेस जोन और केंद्रीकृत रिसेप्शन सुविधाएं हैं। यह सहयोग, दक्षता, पारदर्शी शासन, बेहतर नागरिक सहभागिता और कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ावा देंगे। भवनों को 4-स्टार जीआरआईएचए रेटिंग के अनुसार डिजाइन किया गया है, जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियां, जल संरक्षण उपाय, अपशिष्ट प्रबंधन समाधान और उच्च प्रदर्शन वाली संरचनाएं शामिल हैं। साथ ही, स्मार्ट एक्सेस कंट्रोल, निगरानी नेटवर्क और उन्नत आपातकालीन प्रतिक्रिया ढांचे जैसी सुरक्षा व्यवस्थाएं भी मौजूद हैं।

असम से 16 घुसपैठियों को वापस भेजा गया बांग्लादेश

गुवाहाटी। असम में घुसे 16 घुसपैठियों को बीती रात बांग्लादेश वापस भेज दिया गया। यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया पोस्ट में दी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि पूर्व में विपक्षी सरकार वोट बैंक के स्वार्थ में पिछले दरवाजे से अनजान लोगों को असम में घुसपैठ करने की सुविधा प्रदान करती थी। आज असम सरकार राज्यवासियों के अस्तित्व सुरक्षा की खातिर अनजान घुसपैठियों के विरूद्ध परी तरह से कदम उठा रही है। यह आज सभी के सामने है। हमारे इसी कदम के चलते बीती रात असम में अवैध रूप से घुसे 16 बांग्लादेशी नागरिकों को जिस रास्ते से आए थे उसी रास्ते से वापस उनके देश भेज दिया गय है। उल्लेखनीय है कि असम से लगने वाली बांग्लादेश की सीमा पर जहां बीएसएफ के जवान सीमा की सुरक्षा में लगे हुए हैं, वहीं असम पुलिस भी किसी तरह के घुसपैठ को रोकने के लिए अपनी ओर से हर संभव कदम उठा रही है।

तुर्किये की संसद में न्यायमंत्री की नियुक्ति पर विवाद, सदस्यों में झड़प, मारपीट

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
अंकारा (तुर्किये)

तुर्किये की संसद में बुधवार को न्यायमंत्री की नियुक्ति पर विवाद के बाद जमकर बवाल हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष सदस्यों के बीच शुरू झड़प मारपीट में बदल गई। दोनों पक्ष के सदस्यों ने एक-दूसरे पर घूंसों से प्रहार किया। लंदन से छपने वाले अरबी भाषा के अखबार अशरक अल-अवसत के अंग्रेजी संस्करण की रिपोर्ट में इस घटना का उल्लेख किया गया है। अशरक अल-अवसत अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि मंत्रिमंडल में हुए फेरबदल में एक विवादित सदस्य की नियुक्ति पर यह झगड़ा हुआ। विपक्षी सदस्यों ने इस्तांबुल के चीफ प्रॉसिक्यूटर अकिन गुरलेक को न्यायमंत्री पद की शपथ लेने से रोकने की कोशिश की। इसके बाद सदस्यों को एक-दूसरे को धक्का देते देखा गया। कुछ ने तो मुक्के भी मारे। बाद में कड़ी सुरक्षा के बीच अकिन गुरलेक को शपथ दिलाई गई। इसके बाद पूर्वी प्रांत एरजुरम के गवर्नर मुस्तफा सिफ्त्सी को भी आंतरिक मंत्री के पद की शपथ दिलाई गई। सरकार ने बुधवार के मंत्रिमंडल के फेरबदल के लिए कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है। नई नियुक्तियां ऐसे समय में हुई हैं जब तुर्किये संभावित संवैधानिक सुधारों पर बहस कर रहा है।

दवा-प्रतिरोधी टीबी के लिए छह महीने का मौखिक इलाज ज्यादा असरदार और सस्ताः अध्ययन

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

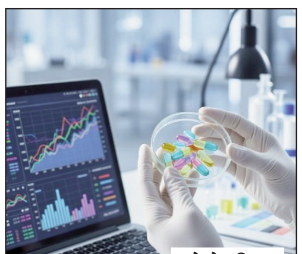
फोटोः हि.स.

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के एक अध्ययन में पाया गया है कि दवा-प्रतिरोधी टीबी (डीआर-टीबी) के इलाज के लिए छह महीने के छोटे और पूरी तरह मौखिक (मुंह से खिलाई जाने वाली दवाओं) उपचार किसी भी तरह के अन्य उपचार से अधिक प्रभावी है। यह उपचार न केवल सस्ता है बल्कि इससे बीमारी जल्दी ठीक हो जाती है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अध्ययन आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन ट्यूबरकुलोसिस (आईसीएमआर-एनआईआरटी) ने किया है। इसमें बेडाक्विलिन आधारित उपचार पद्धतियों जैसे बीपीएएल (बीपीएएलः बेडाक्विलिन, प्रिटोमानिड और लाइनजोलिड) और बीपीएएलएम (बीपीएएलएमः मोक्सीफ्लॉक्सासिन सहित) की तुलना मौजूदा 9झ्र11 महीने और 18झ्र20 महीने वाले लंबे उपचारों से की गई। इस अध्ययन के नतीजों में सामने आया कि बीपीएएल पद्धति न सिर्फ ज्यादा असरदार है बल्कि खर्च भी बचाती है। हर अतिरिक्त क्वालिटी एडजस्टेड लाइफ ईयर (क्यूएएलवाई) के लिए स्वास्थ्य प्रणाली को प्रति मरीज 379 रुपये कम खर्च करना पड़ता है। बीपीएएलएम भी बेहद किफायती पाया गया, जिसमें केवल 37 रुपये अतिरिक्त खर्च पर बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिलता है। उल्लेखनीय है कि दवा-प्रतिरोधी टीबी का इलाज लंबे समय तक चलता है, महंगा होता है और मरीजों को कई दुष्प्रभाव झेलने पड़ते हैं। छोटे और पूरी तरह मौखिक उपचार से मरीजों की तकलीफ कम करते हैं, इलाज आसान होता है।

महापर्व हमारी प्राथमिकता हो कि प्रत्येक श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के पवित्र अनुष्ठानों में हो सकें शामिलः सीएम

सिंहस्थ के दौरान करोड़ों श्रद्धालु मोक्षदायिनी शिप्रा में लगाएंगे आस्था की डुबकी

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व का आयोजन विश्व के लिए अद्वितीय है। सिंहस्थ महापर्व के दौरान करोड़ों श्रद्धालु मोक्षदायिनी शिप्रा में आस्था की डुबकी लगाएंगे। इस महापर्व पर विश्व की निगाह रहेगी। सिंहस्थ-2028 मध्य प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है। हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए कि प्रत्येक श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के पवित्र अनुष्ठानों में शामिल हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार देर शाम उज्जैन में सिंहस्थ 2028 अंतर्गत मंत्री मंडलीय समिति से अनुशंसित अधोसरंचना के प्रगतिरत विकास कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बैठक में अलग-अलग विभागों के माध्यम से सिंहस्थ-2028 के लिए किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेकर समीक्षा की।

इस पर रहेगी विश्व की निगाह

उन्होंने उज्जैनवासियों से सेवाभाव की तरह कार्य करने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराएं। मुख्यमंत्री ने की किसानों की फसल की चिंता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ 2028 के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा के दौरान गेहूं की फसल की सिंचाई के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिप्रा नदी पर घाट निर्माण के दौरान किसानों को पानी की उपलब्धता बनी रहनी चाहिए। इसके लिए नर्मदा जल की आपूर्ति की जाए। वतर्मान में गेहूं की फसल को सिंचाई के लिए एक पानी की और जरुरत होगी। इसके लिए शिप्रा नदी में जल प्रवाह सुनिश्चित बनाए रखे। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि सभी अधिकारी गंभीरता के साथ काम करें। मुख्यमंत्री ने अपर

फोटोः हि.स.

मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा और संजय दुबे को निर्देश दिए है कि उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के काम में किसी भी तरह की रुकावट न आए। इसके लिए मुख्यमंत्री निवास पर भी सिंहस्थ सेल गठित कर मॉनीटरिंग सुनिश्चित की जाये और जिन विभागों में अधिकारियों की कमी है, वहाँ पदस्थापना तत्काल की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अनुभवी अधिकारियों के लिए यदि सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को रखना है तो उसके लिए भी नियमानुसार कार्यवाही कर तत्काल रुप से उन्हें रखा जाए। सिंहस्थ-2028 के लिए अब रिवर्स कैलेंडर बनाकर निर्माण कार्य तीव्र गति से पूर्ण करें।

वर्तमान समय से लेकर सिंहस्थ-2028 तक दो वषार्काल का समय आने वाला है। इसलिए समय-सीमा में काम गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने विभिन्न निर्माण एजेसिंयों द्वारा किए जा रहे कार्यो की समीक्षा की, साथ ही निर्देश दिए कि जो निर्माण एजेंसियां काम कर रही है उनके संसाधनों की भी लगातार मॉनीटरिंग हो। वर्तमान समय माइक्रों मैनेजमेंट से नैनो मैनेजमेंट की ओर जाने का है। युद्ध स्तर की तैयारियां शुरू करना है। सभी अधिकारी 24 घंटे-07 दिन सक्रिय रहें। सिंहस्थ 2028 को बेहतर प्रबंधन के साथ करने के लिए उज्जैन जिले के सभी नागरिकों को जिम्मेदारी के भाव के साथ काम करने के लिए प्रेरित करें, उनको यह लगना चाहिए कि यह हमारा व्यक्तिगत काम है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के अधिकारियों को निर्देश

सिंहस्थ-2028 के लिए होम स्टे, धर्मशाला, स्कूल, कॉलेज आदि में व्यवस्थाओं केलिए आधारभूत संरचना तैयार करने के लिए कार्य योजना बनाई जाए। उज्जैन शहर से जोड़ने वाले आसपास के गांव में होम स्टे की व्यवस्था के लिए लोगों को प्रशिक्षण भी दिया जाए। सिंहस्थ-2028 मेला क्षेत्र में आंतरिक और बाहरी व्यवस्थाओं की अलग-अलग रूपरेखा बनाएं। सिंहस्थ मेले की बाहर की व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद बनाने के लिए जरूरी है कि उसकी समस्त जगहों की मैपिंग की जाए। उज्जैन सिंहस्थ-2028 की तैयारी में बेहतर प्रबंधन के लिए उज्जैन में महाशिवरात्रि, श्रावण, नागपंचमी एवं अन्य त्योहारों पर व्यवस्थाओं को प्रायोगिक रूप से बनाए और उसके अनुभवों का लाभ लेते हुए सिंहस्थ के भीड प्रबंधन कार्य योजना बने। उज्जैन शहर से जुड़ने वाले दूसरे जिलों के वैकल्पिक मार्गो का चयन कर लें और इन मार्गो को गुगल मैपिंग के साथ उन्नयन भी कराया जाए, जिससे भीड़ प्रबंधन में इन मार्गो का उपयोग हो सके। साथ ही उज्जैन शहर के महाकाल मंदिर पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्गो का भी चयन करें, जिससे भीड़ प्रबंधन आसानी से हो सके। श्री मंगलनाथ, श्री भूखीमाता रामघाट के आसपास घाटों को जोड़ने वाले मार्गो को चिन्हित कर उन्नयन करें। सिंहस्थ मेला क्षेत्र के बाहर सामाजिक सामुदायिक भवन, स्कूल, कॉलेज धर्मशाला बनाने वाली संस्थाओं को प्रोत्साहित करें। सिंहस्थ 2028 के लिए काम कर रही निर्माण एजेंसी जो समय पर काम पूरा करें उनको प्रोत्साहन स्वरूप व्यवस्था भी बना कर दें।

जिम्बाब्वे के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा

मार्श की फिटनेस पर होगी निगाह, जिम्बाब्वे के पास मजबूत टीमों को चौंकाने की क्षमता

एजेंसी (हि.स.)
कोलंबो

फोटोः हि.स.

कई प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने की समस्या से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया की टीम जब शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप बी मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा तो कप्तान मिचेल मार्श की फिटनेस पर निगाह टिकी रहेगी। मार्श बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार इस ऑलराउंडर को मैदान पर वापसी करने से पहले काफी आराम की जरूरत होगी।

मार्श के कवर के रूप में स्टीव स्मिथ को ऑस्ट्रेलिया की टीम में लिया गया है। उनकी टीम को हालांकि आयरलैंड के खिलाफ पिछले मैच में मार्श की कमी नहीं खली। ऑस्ट्रेलिया ने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके 67 रन से जीत हासिल की थी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के किसी भी बल्लेबाज ने अर्धशतक नहीं लगाया लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 180 से अधिक रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके बाद तेज गेंदबाज नाथन एलिस और लेग स्पिनर एडम जम्पा ने मिलकर आठ विकेट लिए और अपनी टीम को पूरे दो अंक दिलाए। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने प्रदर्शन को और बेहतर करना चाहेगी। उसे सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और ग्लेन मैक्सवेल से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। मार्श अगर टूर्नामेंट में आगे नहीं खेल पाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया को बहुत अधिक चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि स्मिथ ने हाल में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। पूर्व कप्तान स्मिथ ने अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच फरवरी 2024 में खेला था, लेकिन उन्होंने हाल ही में बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स की तरफ से छह पारियों में 59 के औसत और 167 के स्ट्राइक रेट से 299 रन बनाए थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा और किसी भी तरह की ढिलाई से बचना होगा क्योंकि जिम्बाब्वे के पास मजबूत टीमों को चौंकाने की क्षमता है।

जिम्बाब्वे ने अपनी पिछले मैच में ओमान को आसानी से हराया था। उसके पास ब्रैड इवांस, ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगारवा जैसे तेज गेंदबाज हैं जो अपने दिन में सबसे मजबूत बल्लेबाजों को भी कड़ी टक्कर दे सकते हैं।

सिकंदर रजा की ऑफ और लेग ब्रेक गेंदों का मिलाजुला रूप उनकी गेंदबाजी को एक नया आयाम देता है।

टी20 के बेहद अनुभवी खिलाड़ी रजा को ब्रायन बेनेट, डियोन मायर्स और 40 वर्षीय ब्रेंडन टेलर के साथ बल्लेबाजी में भी अपना योगदान देना होगा। टेलर पिछले मैच से लगी मामूली चोट से उबर रहे हैं।

टीम इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलियाः मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनॉली, टिम डेविड, बेन ड्वार्शियस, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू रेनशॉ, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा, स्टीव स्मिथ (मिचेल मार्श के कवर के तौर पर)।

जिम्बाब्वेः सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, ब्रैडली इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमानी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, ब्रेंडन टेलर।

मैच भारतीय समयानुसार सुबह 11 बजे शुरू होगा।

इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ने जीता महिला वर्ग का खिताब

12वां पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट आयोजित

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

इंदिरा गाँधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस ने गत विजेता दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना को कांटे के संघर्ष में सडनडेथ में 8-7 से पराजित कर 12वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट में महिला वर्ग का खिताब जीत लिया।

विजेता टीम की खिलाडी यशस्वी ने प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड प्राप्त किया। श्याम लाल कॉलेज के मैदान पर खेले गए फाइनल में इंदिरा गाँधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस (आईजीआईपीईएसएस) और दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना के बीच निर्धारित समय में मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा था। इसके बाद टाईब्रेकर में भी दोनों टीमों ने पांच-पांच गोल कर दिए और स्कोर 7-7 हो गया। तब सडनडेथ में इंदिरा गाँधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस ने बाजी मार 8-7 से मैच और खिताब जीत लिया। विजेता टीम के लिए पिंकी, सुकन्या और बिंदु ने दो- दो गोल किए। आँचल, और सोमवती ने एक-एक गोल किया। पराजित टीम के लिए मनीता ने तीन, विधि ने दो और सोनिका व कंचन ने एक-एक गोल किया।

फाइनल मैच के मुख्य अतिथि जितेंद्र महाजन, एम एल ए, रोहतास नगर, रितेश सूजी, पार्षद, वेलकम वार्ड, श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) के प्रिंसिपल प्रो. रबि नारायण कर ने खिलाडियों को पुरस्कार प्रदान किए।

महाजन ने खिलाडियों को प्रोत्साहित करते हुए हॉकी के खेल में मेहनत कर नई ऊंचाइयों को छूने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि श्याम लाल कॉलेज में हॉकी की 40 साल पुरानी परंपरा रही है। मैं भी यहीं का विद्यार्थी रहा हूँ। जब हॉकी का मैच यूनिवर्सिटी में होता था तो तीन यू स्पेशल बसें समर्थकों से भर कर जातीं थी। वी एस जग्गी को मैंने विद्यार्थी के रूप में खेलते भी देखा है और अब ये बच्चों को बढ़ावा दे रहे हैं।

प्रिंसिपल प्रो. रबि नारायण कर ने सभी अतिथियों का धन्यवाद करते हुए खिलाडियों को बधाई दी और वी एस जग्गी को बेहतरीन आयोजन के लिए सराहा और उम्मीद जताई कि खिलाडी इसी तरह मेहनत करते रहेंगे।

कोपा डेल रे सेमीफाइनल : रियल सोसिएदाद ने एथलेटिक बिलबाओ को 1-0 से हराया

एजेंसी (हि.स.)
मैड्रिड

फोटोः हि.स.

स्पेन के प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट कोपा डेल रे के सेमीफाइनल के पहले चरण में रियल सोसिएदाद ने एथलेटिक बिलबाओ को 1-0 से हराकर अहम बढ़त हासिल कर ली। बुधवार को सैन मामेस स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में बेनात तुरिएंतस ने 62वें मिनट में नजदीकी दूरी से गोल दागकर टीम को जीत दिलाई।

इस जीत के साथ सोसिएदाद ने डर्बी मुकाबले में बढ़त बनाई और मार्च में होने वाले दूसरे चरण से पहले मजबूत स्थिति हासिल कर ली है। रियल सोसिएदाद लगातार तीसरी बार कोपा डेल रे के सेमीफाइनल में पहुंची है और 2019-20 में खिताब जीतने के बाद पहली बार फाइनल में जगह बनाने की कोशिश कर रही है। क्लब ने अब तक तीन बार यह ट्रॉफी जीती है। वहीं, एथलेटिक बिलबाओ पिछले सात सीजन में छठी बार सेमीफाइनल में पहुंचा है। बिलबाओ ने 2024 में मल्लोर्का को हराकर खिताब जीता था, जबकि 2020-21 में बार्सिलोना और 2019-20 में रियल सोसिएदाद से फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ बिलबाओ का सोसिएदाद के खिलाफ जीत का सूखा चार मैचों तक पहुंच गया है। बिलबाओ ने इससे पहले दोनों टीमों की पिछली दो भिड़ंतों में जीत दर्ज की थी। कोपा डेल रे इतिहास में एथलेटिक बिलबाओ 24 खिताबों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि बार्सिलोना 32 खिताबों के साथ शीर्ष पर है। रियल मैड्रिड 20 ट्रॉफियों के साथ तीसरे स्थान पर है। टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार से शुरू होगा, जिसमें एटलेटिको मैड्रिड मेजबान के रूप में मौजूदा चैंपियन बार्सिलोना का सामना करेगा।

हैरी ब्रूक ने कहां, हमारे बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजी को खेलने में सक्षम

मुंबई। इंग्लैंड के बल्लेबाजों की टी20 विश्व कप के दौरान स्पिन गेंदबाजों को खेलने की कमजोरी भले ही खुलकर सामने आ गई हो लेकिन उसके कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि उनके बल्लेबाज स्पिनरों को खेलने में पूरी तरह से सक्षम है। इंग्लैंड को अपने पिछले मैच में वेस्टइंडीज से 30 रन से हार का सामना करना पड़ा था। वेस्टइंडीज ने छह विकेट पर 196 रन बनाए जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 19 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई। इंग्लैंड के छह बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया। जब ब्रुक से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ रहा है, तो उन्होंने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता। ब्रूक ने इसके बजाय टी20 विश्व कप से ठीक पहले स्पिन गेंदबाजों की प्रमुखता वाली टीम श्रीलंका पर मिली 3-0 की जीत का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, श्रीलंका के खिलाफ उस श्रृंखला ने यह साबित कर दिया। मुझे लगा कि हमने वहां स्पिन गेंदबाजी का बहुत अच्छी तरह से सामना किया। उन्होंने (वेस्टइंडीज की) गेंदबाजी अच्छी की। उन्होंने पूरे समय खेल में अपनी पकड़ बनाए रखी। हमने एक साथ कई विकेट गंवाए, जिससे हमेशा नुकसान होता है। इस बीच वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप इस बात से काफी खुश थे कि उनकी टीम ने टूर्नामेंट में अब तक दोनों मैच अच्छी तरह से जीते हैं।

बार्सिलोना एससी के खिलाफ मैच में लियोनेल मेसी चोटिल, इंटर मियामी का प्री-सीजन फिनाले स्थगित

एजेंसी (हि.स.)
मियामी

फोटोः हि.स.

मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) क्लब इंटर मियामी को अपने स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी की चोट के कारण बड़ा झटका लगा है। क्लब ने बुधवार को जानकारी दी कि मेसी बाएं हैमस्ट्रिंग में मांसपेशियों में खिंचाव (मसल स्ट्रेन) के चलते प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा नहीं ले सके। उनकी इसी चोट के कारण टीम का प्री-सीजन फिनाले मुकाबला भी स्थगित कर दिया गया है।

क्लब के अनुसार, दो बार के मौजूदा लीग मोस्ट वॉल्यूबल प्लेयर मेसी को यह चोट पिछले सप्ताह इक्वाडोर में बार्सिलोना स्पोर्टिंग क्लब के खिलाफ खेले गए प्री-सीजन मैच के दौरान लगी थी। उस मुकाबले में मेसी ने गोल भी किया था, लेकिन दूसरे हाफ में उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया था। इसके बाद उनके मेडिकल परीक्षण कराए गए, जिनमें बाएं हैमस्ट्रिंग में मांसपेशियों में खिंचाव की पुष्टि हुई। इंटर मियामी ने आधिकारिक बयान में कहा, मेसी की ट्रेनिंग में वापसी उनके क्लिनिकल और फंक्शनल सुधार पर निर्भर करेगी, जिसका आकलन आने वाले दिनों में किया जाएगा। क्लब ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। मेसी की चोट के चलते इंटर मियामी और इक्वाडोर के क्लब इंडिपेंडिएंते डेल वाए के बीच शुक्रवार को प्यूर्टो रिको के जुआन रामोन लोब्रीएल स्टेडियम में खेला जाने वाला मैत्री मैच अब 26 फरवरी तक के लिए टाल दिया गया है। गौरतलब है कि इंटर मियामी को अपना एमएलएस अभियान 21 फरवरी से शुरू करना है। ऐसे में मेसी की फिटनेस टीम के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई है। अब देखना होगा कि वह सीजन के शुरूआती मुकाबलों तक पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं।

फेडरर के टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने के समारोह के टिकट दो मिनट में बिके

न्यूपोर्ट (अमेरिका)। रोजर फेडरर ने भले ही टेनिस को अलविदा कह दिया हो लेकिन उनका जादू अब भी प्रशंसकों पर सर चढ़कर बोलता है जिसकी बानगी यहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के समारोह के टिकटों की भारी मांग में देखने में मिली। फेडरर से जुड़े इस समारोह के सभी टिकट दो मिनट में बिक गए। आयोजकों ने आउटडोर पार्टी के लिए अलग से अतिरिक्त टिकट जारी किए जो हाथों हाथ बिक गए। आखिर में आयोजकों को कहना पड़ा कि उनकी क्षमता सीमित है और वह अधिक टिकट जारी नहीं कर सकते हैं। आयोजक हॉल ऑफ फेम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, एक छोटा लेकिन ऐतिहासिक स्थल होने के कारण हमारी क्षमता सीमित है। हॉल ने कहा कि उसे पहले से ही इस बात का अंदाजा था कि 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर को लेकर कितना उत्साह होगा। इस दिग्गज टेनिस खिलाड़ी को 29 अगस्त को प्रसारक मैरी कैरिलो के साथ हॉल ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा। न्यूपोर्ट स्थित इस प्रतिष्ठित हॉल में होने वाले मुख्य समारोह के लिए पहले से उपलब्ध 900 टिकटों के अलावा हॉल अपने 3,600 सीटों वाले स्टेडियम को एक विशेष कार्यक्रम के लिए खोलेगा।

आधुनिक शतरंज में खेल की गहरी समझ ही असली निर्णायक कारक हैः विश्वनाथन आनंद

एजेंसी (हि.स.)
मदुरै (तमिलनाडु)

फोटोः हि.स.

पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने गुरुवार को यहां कहा कि ऐसे युग में जहां खिलाड़ी कंप्यूटर से मिलने वाली सहायता से अभिभूत हैं तब खेल की गहरी समझ आधुनिक शतरंज में एकमात्र असली निर्णायक कारक बन गई है।

आनंद ने तीन दिवसीय शतरंज कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में कहा, दिलचस्प बात यह है कि आपको जितना अधिक ज्ञान उपलब्ध कराया जाता है, उतना ही कम आप जान पाते हैं। यदि हर दिन आपको 20-30 नए निष्कर्ष मिलते हैं तो आप उन्हें कैसे समझ पाएंगे। मेरा मानना है कि आज के शतरंज खिलाड़ियों को अलग करने वाली एकमात्र चीज गहरी समझ है।

कई साल पहले जब आनंद ने कंप्यूटर का उपयोग करना सीखा था, तब का उदाहरण देते हुए इस ग्रैंडमास्टर ने कहा कि नए विचारों के प्रति खुला रहना मददगार होता है, लेकिन बारीकियों को समझना एक खिलाड़ी को नए स्तर पर ले जाता है।

आनंद ने इसके साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि शतरंज में महारत हासिल करना रटने के बजाय पैटर्न को पहचानने पर आधारित है।

उन्होंने कहा, हमारा दिमाग हमारी क्षमता से कहीं अधिक पैटर्न बनाता है। किसी का खेल देखने के हफ्तों बाद अक्सर खिलाड़ियों के दिमाग में नए विचार आ जाते हैं। उन्हें इसका अहसास नहीं होता है कि वे कहीं और से कुछ नकल कर रहे हैं।

फाल्गुन की विजया एकादशी का व्रत करने से साधक को सभी पापों से मिलती है मुक्ति

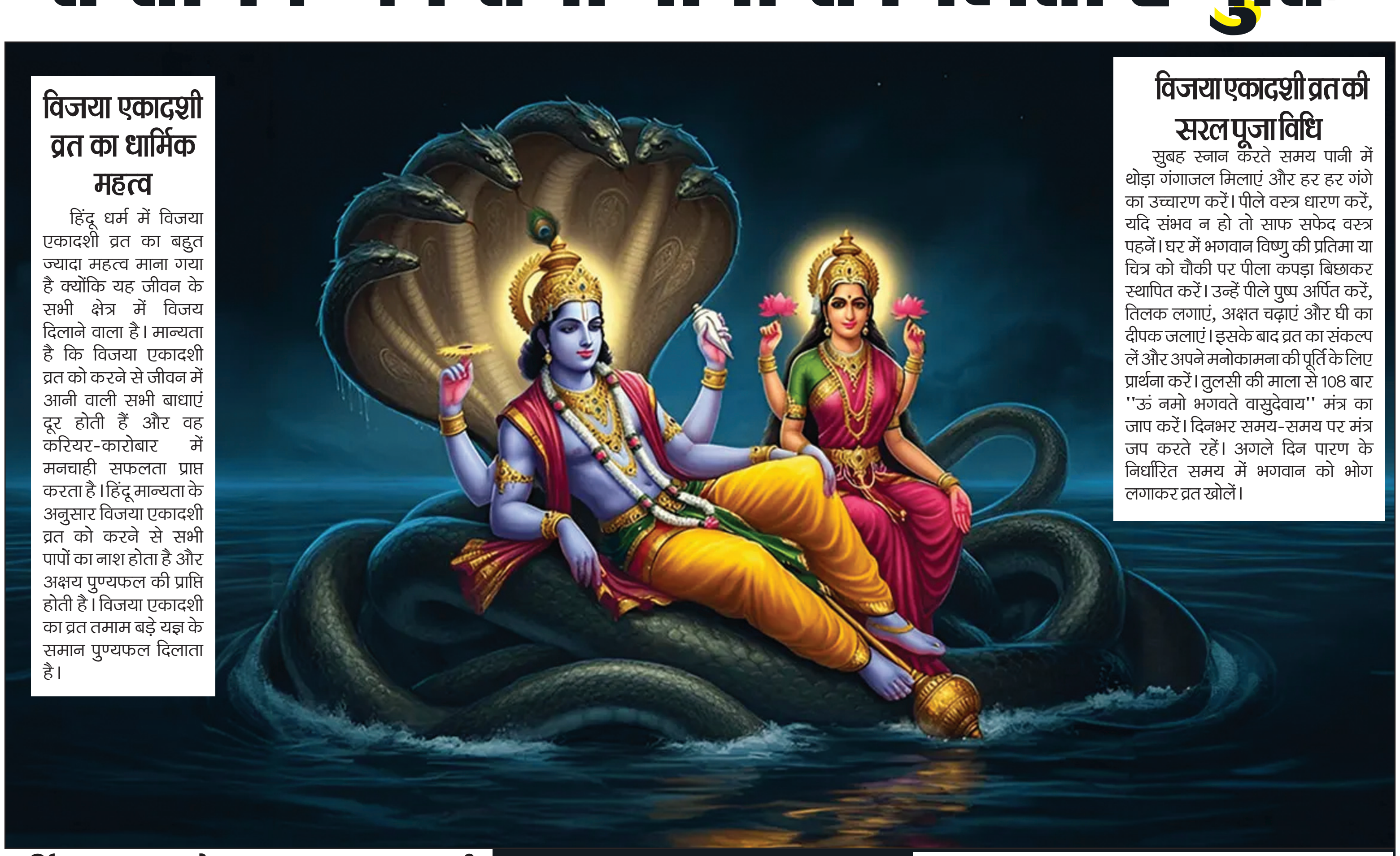

विजया एकादशी व्रत का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में विजया एकादशी व्रत का बहुत ज्यादा महत्व माना गया है क्योंकि यह जीवन के सभी क्षेत्र में विजय दिलाने वाला है। मान्यता है कि विजया एकादशी व्रत को करने से जीवन में आनी वाली सभी बाधाएं दूर होती हैं और वह करियर-कारोबार में मनचाही सफलता प्राप्त करता है। हिंदू मान्यता के अनुसार विजया एकादशी व्रत को करने से सभी पापों का नाश होता है और अक्षय पुण्यफल की प्राप्ति होती है। विजया एकादशी का व्रत तमाम बड़े यज्ञ के समान पुण्यफल दिलाता है।

विजया एकादशी व्रत की सरल पूजा विधि

सुबह स्नान करते समय पानी में थोड़ा गंगाजल मिलाएं और हर हर गंगे का उच्चारण करें। पीले वस्त्र धारण करें, यदि संभव न हो तो साफ सफेद वस्त्र पहनें। घर में भगवान विष्णु की प्रतिमा या चित्र को चौकी पर पीला कपड़ा बिछाकर स्थापित करें। उन्हें पीले पुष्प अर्पित करें, तिलक लगाएं, अक्षत चढ़ाएं और घी का दीपक जलाएं। इसके बाद व्रत का संकल्प लें और अपने मनोकामना की पूर्ति के लिए प्रार्थना करें। तुलसी की माला से 108 बार ''ऊं नमो भगवते वासुदेवाय'' मंत्र का जाप करें। दिनभर समय-समय पर मंत्र जप करते रहें। अगले दिन पारण के निर्धारित समय में भगवान को भोग लगाकर व्रत खोलें।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, फाल्गुन की विजया एकदाशी का व्रत करने से साधक को सभी पापों से मुक्ति मिलती है और भगवान विष्णु की कृपा जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। इस व्रत का पारण द्वादशी तिथि पर किया जाता है। साल 2026 में विजया एकादशी का व्रत 13 फरवरी को रखा जाएगा। यह व्रत हर साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को किया जाता है। उदयातिथि के अनुसार व्रत 13 फरवरी को ही रखा जाएगा। व्रत का पारण 14 फरवरी 2026 को सुबह 7 बजे से 9 बजे के बीच किया जाएगा।

क्यों महत्वपूर्ण है विजया एकादशी

जैसा कि नाम से स्पष्ट है, विजया एकादशी यानी विजय दिलाने वाली एकादशी। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु की पूजा और व्रत करने से जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिलती है। यदि कोई व्यक्ति शत्रुओं से परेशान है या जीवन में बार-बार बाधाओं का सामना कर रहा है, तो यह व्रत विशेष फलदायी माना गया है।

शत्रुओं पर विजय के लिए क्या करें?

विजया एकादशी के दिन सुबह उठकर स्नान करें और व्रत का संकल्प लें। स्वास्थ्य ठीक हो तो केवल जल पर व्रत रखें। यदि स्वास्थ्य साथ न दे तो फलाहार के साथ व्रत कर सकते हैं। दिनभर भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें। सबसे सरल और प्रभावशाली मंत्र है - ''ऊं नमो भगवते वासुदेवाय'', इस मंत्र का श्रद्धा से जाप करते हुए भगवान विष्णु से शत्रुओं पर विजय की प्रार्थना करें। अगले दिन पारण के समय स्नान-ध्यान के बाद भगवान को भोग लगाकर व्रत खोलें।

पौराणिक कथा

इस व्रत की कथा द्वापर युग से जुड़ी हुई है। धर्मराज युधिष्ठिर ने भगवान श्रीकृष्ण से फाल्गुन कृष्ण एकादशी के महत्व के बारे में पूछा। तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें इस व्रत की कथा सुनाई। श्रीकृष्ण ने बताया कि सबसे पहले नारद मुनि ने ब्रह्माजी से इस एकादशी का महत्व जाना था। इसके बाद उन्होंने यह कथा युधिष्ठिर को सुनाई। कथा के अनुसार त्रेता युग में जब रावण माता सीता का हरण कर लंका ले गया, तब भगवान श्रीराम उन्हें वापस लाने के लिए वानर सेना के साथ लंका की ओर चले। लंका पहुंचने से पहले उनके सामने विशाल समुद्र आ गया। समुद्र को पार करना बहुत कठिन था। उसमें खतरनाक जीव भी थे जो सेना को नुकसान पहुंचा सकते थे। तब श्रीराम ने अपने भाई लक्ष्मण से उपाय पूछा। लक्ष्मण ने बताया कि यहां से कुछ दूरी पर वकदालभ्य नाम के एक मुनि रहते हैं, वे कोई उपाय बता सकते हैं। भगवान श्रीराम मुनि के पास गए और अपनी समस्या बताई। मुनि ने कहा कि यदि आप फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी का व्रत पूरी श्रद्धा से करें और अपनी सेना के साथ उपवास रखें, तो आप समुद्र पार कर लंका पर विजय प्राप्त करेंगे। मुनि की बात मानकर भगवान श्रीराम और उनकी सेना ने विजया एकादशी का व्रत किया। व्रत के प्रभाव से उन्होंने रामसेतु का निर्माण किया, समुद्र पार किया और अंत में रावण पर विजय प्राप्त की।

आज बनेगा चतुर्ग्रही राजयोग, इन राशियों को मिलेगा विशेष लाभ

वैदिक ज्योतिष में सूर्य को ग्रहों का राजा माना जाता है। यह पिता, आत्मा, मान-सम्मान और प्रतिष्ठा का प्रतीक है। सूर्य हर महीने राशि बदलते हैं और इसका असर न केवल हर राशि पर पड़ता है बल्कि समाज और देश-दुनिया पर भी देखा जा सकता है। इस बार 13 फरवरी 2026 को सूर्य कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। कुंभ राशि में पहले से ही बुध, शुक्र और राहु मौजूद हैं। इस चारों ग्रहों की युति से ज्योतिष में चतुर्ग्रही योग बन रहा है। जबकि, सूर्य और राहु का संयोग ग्रहण योग भी बना रहा है। चतुर्ग्रही योग का फायदा कुछ राशियों को कई क्षेत्रों में देखने को मिल सकता है। यह विश्लेषण चंद्र राशि के आधार पर किया गया है। तो आइए जानते हैं कि चतुर्ग्रही योग से किन राशियों को फायदा होगा।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों के लिए यह समय काफी शुभ रहेगा। दशम भाव में सूर्य, बुध, शुक्र और राहु की युति बनने से नौकरी और करियर में उन्नति के अवसर मिल सकते हैं। आपके काम में मन लगेगा। अच्छे परिणाम भी सामने आएंगे। वरिष्ठ अधिकारी आपकी मेहनत की सराहना कर सकते हैं नई जिम्मेदारी दे सकते हैं। इस दौरान काम से संबंधित यात्राएं भी हो सकती हैं। व्यापार से जुड़े जातकों को भी लाभ के योग बन रहे हैं। परिवार और जीवनसाथी के साथ समय अच्छा बीतेगा।

तुला राशि

तुला राशि वालों के लिए यह योग पंचम भाव में बन रहा है। लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। कला या रचनात्मक काम से जुड़े जातकों को लाभ मिल सकता है। पार्टनर के साथ संबंध मजबूत रहेंगे। कहीं घूमने-फिरने का मौका भी बन सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यापार से जुड़े कामों में सफलता मिलने के योग हैं। समाज में आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी।

धनु राशि

धनु राशि वालों के लिए यह योग तीसरे भाव में बन रहा है। इससे आपके किए गए प्रयासों का पूरा लाभ मिल सकता है। करियर में तरक्की और मान-सम्मान बढ़ने के संकेत हैं। भाई-बहनों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। अविवाहित जातकों के लिए शादी का प्रस्ताव आने की संभावना है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। ऊजार्वान महसूस करेंगे।

रक्षा जब्ती के बाद कस्टम्स ने 35 किरपान लौटाए हवाईअड्डा सुरक्षा प्रक्रियाओं पर बहस फिर तेज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सिख संगठनों द्वारा स्वागत किए गए लेकिन लंबे समय से उठ रही शिकायतों को भी उजागर करने वाले एक घटनाक्रम में मुंबई हवाईअड्डे के कस्टम्स अधिकारियों ने जब्त किए गए 35 किरपान उनके गात्रों सहित सिख समुदाय के प्रतिनिधियों को बुधवार को लौटा दिए। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब विभिन्न सिख संस्थाएं और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी लगातार यह मुद्दे उठाती रही हैं कि भारतीय हवाईअड्डों की सुरक्षा प्रक्रियाएं कई बार संविधान द्वारा संरक्षित धार्मिक स्वतंत्रताओं से टकराती हैं।

ये धार्मिक वस्तुएं अमृतधारी सिख यात्रियों से सुरक्षा जांच के दौरान इसलिए कब्जे में ले ली गई थीं क्योंकि उनके छोटे किरपान निर्धारित विमानन आकार या वहन मानकों के अनुरूप नहीं थे। किरपान, जिसे अमृतधारी सिख अपने पांच ककारों में से एक के रूप में धारण करते हैं, गहन आध्यात्मिक महत्व रखता है और धार्मिक पहचान से अभिन्न माना जाता है।महाराष्ट्र स्थित सत श्री अकाल वेलफेयर ट्रस्ट के सचिव सरदार पूरन सिंह बंगा ने कहा कि इन पवित्र वस्तुओं की वापसी का प्रयास उनकी गरिमा की रक्षा की भावना से प्रेरित था। उन्होंने कहा कि जब किसी किरपान को जब्त किया जाता है तो सिख अनुयायी उसे सामान्य वस्तु नहीं बल्कि आस्था के प्रतीक के रूप में देखते हैं जिसके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार होना चाहिए। उनके अनुसार सुरक्षा जांच के दौरान कई बार सिख यात्री अनजाने में किरपान वहीं छोड़ देते हैं जिसके बाद अनेक वस्तुएं अधिकारिक अभिरक्षा में बिना दावे के पड़ी रहती हैं।

ट्रस्ट ने हवाईअड्डों पर वर्तमान में रखी धार्मिक वस्तुओं की पहचान के लिए कस्टम्स अधिकारियों से समन्वय शुरू कर दिया है।सत्यापन के बाद ऐसी वस्तुएं ट्रस्ट या स्थानीय गुरुद्वारा प्रबंधक समितियों को सौंप दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि जहां संभव होगा, उन्हें संबंधित परिवारों को लौटाया जाएगा अन्यथा सिख धार्मिक परंपरा के अनुसार सम्मानपूर्वक विसर्जित किया जाएगा और सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी।

सरदार पूरन सिंह ने यह भी कहा कि कस्टम्स अधिकारियों ने बताया है कि हाल में अन्य धर्मों से संबंधित वस्तुओं के साथ भी इसी प्रकार की प्रक्रिया अपनाई गई है। कुरान और बाइबिल की प्रतियां तथा जमजम पानी की बोतलें भी यात्रियों या समुदाय प्रतिनिधियों को लौटाई गई हैं।

इस कदम के बावजूद सिख संगठन हवाईअड्डों की सुरक्षा प्रक्रियाओं को लेकर चिंता जताते रहे हैं। उनका कहना है कि कभी-कभी यात्रियों को शारीरिक जांच के दौरान कड़ा, जो आस्था का अनिवार्य प्रतीक है, उतारने के लिए कहा जाता है। सिख चिंतक एडवोकेट हरजीत सिंह ग्रेवाल ने कहा कि विमानन सुरक्षा नियमों और संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने के लिए सभी हवाईअड्डों पर स्पष्ट दिशानिर्देश और सुरक्षा कर्मियों की बेहतर संवेदनशीलता आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि कई बार अमृतधारी यात्रियों को हवाईअड्डों पर किरपान और खंडा हार साथ ले जाने से रोका गया है और सिखों ने ऐसे मामलों को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया है। ऐसी प्रक्रियाएं भावनात्मक पीड़ा पहुंचाती हैं और सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं का उल्लंघन करती हैं।

चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट-कम-सेक्रेटरी , जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने लीगल एड क्लिनिकों का किया औचक निरीक्षण

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

श्री अजय कुमार, चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट-कम-सेक्रेटरी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला ने आज जिला में अलग-अलग स्थानों पर चल रहे लीगल एड क्लिनिकों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने लीगल एड क्लिनिकों की कार्य प्रणाली और उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

श्री अजय कुमार ने गाँव मौली स्थित सुविधा केंद्र में संचालित लीगल एड क्लिनिक का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान पाया गया कि क्लिनिक में बेहतर कार्य करने के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के साथ साथ एडवोकेट और पैरा लीगल वॉलंटियर के बैठने की उचित व्यवस्था नही है। इसके अलावा लीगल एड क्लिनिक होने का कोई साइनबोर्ड नहीं लगाया गया, जिससे आस-पास के लोगों के लिए क्लिनिक को पहचानना और वहाँ पहुँचना मुश्किल है।

श्री अजय कुमार जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी पंचकूला को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द आवश्यक सुविधाएं जैसे फर्नीचर इत्यादि व साइनबोर्ड की व्यवस्था की जाए।उन्होंने निर्देश दिया कि ग्रामीणों में जागरूकता फैलाने के लिए आस-पास के इलाकों में ह्लमुनादीह्व कराई जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग लीगल एड क्लिनिक से संपर्क करके मुफ्त कानूनी मदद और सलाह ले सकें। इसके उपरांत उन्होंने माता मनसा देवी मंदिर परिसर में स्थित लीगल एड क्लिनिक का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि क्लिनिक चलाने के लिए कोई उपयुक्त स्थान उपलब्ध नहीं था। साइट पर कोई साइनबोर्ड नहीं लगा था और न ही बैठने के लिए फर्नीचर उपलब्ध था।यह देखते हुए कि माता मनसा देवी मंदिर में अलग-अलग इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं, श्री अजय कुमार ने माता मनसा देवी मंदिर में लीगल एड क्लिनिक को बेहतर ढंग से चलाने के लिए कमरा और आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करवाने के निर्देश दिये ताकि जरूरतमंद लोग आसानी से मुफ्त कानूनी सेवाओं का लाभ उठा सकें।

इस दौरान श्री अजय कुमार ने आस-पास के लोगों और श्रद्धालुओं से बातचीत की और उन्हें इन क्लीनिक में मुफ्त लीगल एड सर्विस की उपलब्धता के बारे में जानकारी दी। श्री अजय कुमार ने जोर दिया कि जिला पंचकूला में लीगल एड क्लीनिक का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अच्छे से काम कर रहे हैं और कमियों को तुरंत दूर किया जा सके।इससे पहले, गाँव मांधना और मोरनी में लीगल एड क्लीनिक की कार्य प्रणाली और उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा करने के लिए इसी तरह के औचक निरीक्षण किए गए।

एसआईसी अपनी स्थापना के मना रहा है 75 गौरवमयी वर्ष

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

कर्मचारी राज्य बीमा निगम श्रमिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा में अपने योगदान के 75वें वर्ष को मना रहा है।इस अवसर को मनाने की तैयारी में जुटे ई एस आई सी क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक श्री सुगन लाल मीना ने बताया कि 24 फरवरी 1952 से प्रारम्भ यह सफर नई ऊंचाईयों को प्राप्त कर रहा है। योजना के प्रथम मानद बीमाकृत व्यक्ति तत्कालीन व प्रथम प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने इस योजना को कानपुर तथा दिल्ली में एक साथ लागू किया, उस समय इन दो क्षेत्रों से लागू हुई यह योजना नए सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 के लागू होने से पूरे राष्ट्र में लागू हो गई है।

निगम द्वारा हरियाणा राज्य में चिकित्सा हितलाभ के लिए 94 औषधालय, 7 अस्पताल जिसमें से एक चिकित्सा महाविद्यालय भी है तथा 67 निजी अस्पतालों के साथ सुपर स्पेशलिटी उपचार के लिए अनुबंध किया है। इसके अतिरिक्त हरियाणा प्रदेश में कुल19 शाखा कार्यालयों के माध्यम से नगद हित लाभ प्रदान किया जा रहे हैं पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 143.26 करोड़ रुपए के नकद हितलाभ का वितरण किया गया और चिकित्सा हितलाभ में 740.9 करोड़ रुपए व्यय किए गए। हरियाणा प्रदेश में इस अवधि के दौरान लगभग 30 लाख बीमाकृत व्यक्ति पंजीकृत रहे।

निगम के बावल में 150 बेड अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर तथा बहादुरगढ़ में 100 बेड अस्पताल का निर्माण पूर्ण होने वाला है तथा हिसार में 100 बेड, सोनीपत में 150 बेड, रोहतक में 100 बेड एवं करनाल में 30 बेड अस्पताल खोलने का प्रस्ताव है ।साथ ही मानेसर में 500 बेड अस्पताल एवं चिकित्सा महाविद्यालय खोला जाना प्रस्तावित है ।

स्थापना दिवस 24 फरवरी से शुरू होकर 10 मार्च तक क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा में एसिक पखवाड़ा मनाया जाएगा जिसमें बीमाकृत व्यक्तियों एवं हितलाभधिकारियों के लिए सुविधा समागम आयोजित करना, उनका हेल्थ चेकअप करना, लंबित नगद लाभों के मामलों को निपटाना एवं अन्य कार्यक्रम जैसे स्वच्छता अभियान, निवारक चिकित्सा जांच, योग अभ्यास, कार्यशाला, सेमिनार आदि का आयोजन किया जाएगा ।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम श्रमिकों को चिकित्सा, बीमारी, अपंगता, आश्रितजन तथा मातृत्व हितलाभ जैसे कई हितलाभ प्रदान करने वाली एक संस्था है।

आयकर निदेशालय, चंडीगढ़ द्वारा नए आयकर अधिनियम 2025 पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

आयकर निदेशालय (अन्वेषण एवं आपराधिक जांच), चंडीगढ़ द्वारा दिनांक 11 फरवरी 2026 को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्री रोहित शर्मा, आयकर निदेशक (अन्वेषण एवं आपराधिक जांच), चंडीगढ़ तथा श्रीमती गगन कुंद्रा, आयकर अपर निदेशक (अन्वेषण एवं आपराधिक जांच), चंडीगढ़ के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के आयोजन में भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) की उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद की चंडीगढ़ एवं यमुनानगर शाखाओं का सहयोग प्राप्त हुआ। सेमिनार में आईसीएआई के सदस्यगण, बार एसोसिएशन के सदस्यगण, बैंकर्स तथा तहसीलदारों ने सक्रिय सहभागिता की। इस जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए आयकर अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के संबंध में जानकारी प्रदान करना तथा अन्वेषण एवं आपराधिक जांच निदेशालय की भूमिका एवं कार्यों पर प्रकाश डालना था।सत्र के दौरान प्रपत्र 61क एवं 61ख में वित्तीय लेनदेन विवरण (एसएफटी) की फाइलिंग तथा ई-सत्यापन योजना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार के दौरान श्री रोहित शर्मा, आयकर निदेशक (अन्वेषण एवं आपराधिक जांच), चंडीगढ़, श्रीमती सरिता अग्रवाल, आयकर सहायक निदेशक, तथा श्रीमती मीना कुमारी, आयकर अधिकारी, करनाल द्वारा नए आयकर अधिनियम, 2025 की प्रमुख विशेषताओं, अन्वेषण एवं आपराधिक जांच निदेशालय की भूमिका तथा एसएफटी फाइलिंग से संबंधित अनुपालन आवश्यकताओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।कार्यक्रम के अंत में एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें श्री रोहित शर्मा ने प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का समाधान किया। कार्यक्रम का समापन हितधारकों के साथ समन्वय को सुदृढ़ करने, बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करने तथा आयकर अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देने के साथ हुआ।

संक्षिप्त-समाचार

भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़ी कार्रवाईः एसीबी गुरुग्राम के मामले में वरिष्ठ प्रबंधक को 5 वर्ष कारावास की सजा

चंडीगढ़। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के एक महत्वपूर्ण मामले में श्री पुनित सहगल, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, गुरुग्राम न्यायालय ने आज दिनांक 12.02.2026 को आरोपी दलबीर सिंह भट्टी, वरिष्ठ प्रबंधक, ल्रकक्र्ऊ, मानेसर, गुरुग्राम को धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत 5 वर्ष के कठोर कारावास तथा 5,000/- के जुमार्ने की सजा सुनाई है। मामले के अनुसार, शिकायतकर्ता द्वारा ल्रकक्र्ऊ में ठेकेदारी का कार्य किया गया था। उसने मानेसर सेक्टर-5, गुरुग्राम में सड़क सफाई का कार्य पूर्ण किया था। उक्त कार्य के बिल पारित करने की एवज में आरोपी दलबीर सिंह भट्टी द्वारा शिकायतकर्ता से 10,000/- की रिश्वत की मांग की गई। शिकायत प्राप्त होने पर राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया और आरोपी को शिकायतकर्ता से 10,000/- की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। इस संबंध में अभियोग संख्या 09 दिनांक 30.09.2021, धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत थाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम में मामला दर्ज किया गया था। न्यायालय द्वारा साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराते हुए सख्त सजा सुनाई गई है, जो भ्रष्टाचार के विरुद्ध राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को दशार्ती है। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पुनः स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सेवाओं में पारदर्शिता और ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिए ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी।

केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा देहरा में जन-जागरूकता कार्यक्रम किया आयोजित

देहरा । केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), मंडी (हि.प्र.) द्वारा आज पीएम श्री राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, देहरा, जिला कांगड़ा में ह्लतीन नए आपराधिक कानूनह्व, ह्लएक भारत श्रेष्ठ भारतह्व, ह्लस्वच्छ भारत अभियानह्व, ह्लशिक्षा का अधिकारह्व, ह्लआयुष्मान भारत योजनाह्व, ह्लवीबी जी-राम-जी अधिनियम-2025ह्व तथा अन्य प्रमुख केंद्र प्रायोजित योजनाओं पर जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती सुमैल चौधरी (आईपीएस), एसडीपीओ, देहरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। श्री अनिल वर्मा, प्रधानाचार्य, पीएम श्री जीएमएसएसएस, देहरा तथा श्रीमती मोनिका शर्मा, प्रधानाचार्य, राजकीय महाविद्यालय, देहरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय एवं महाविद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी, अग्निशमन विभाग के प्रतिनिधि तथा स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्री सुनील कुमार, प्रभारी, केंद्रीय संचार ब्यूरो, मंडी ने कहा कि सीबीसी प्रदर्शनी, विशेषज्ञ व्याख्यान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा प्रतियोगिताओं के माध्यम से आमजन में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता, समूह चर्चा, प्रश्नोत्तरी तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। विजेताओं को केंद्रीय संचार ब्यूरो, मंडी द्वारा सम्मानित किया गया।

हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के लिए तीसरा PGI HIV अपडेट-2026। PGIMER चंडीगढ़ ने किया आयोजित

चंडीगढ़। पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में HIV केयर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने लेक्चर थिएटर कॉम्प्लेक्स, PGIMER में रेजिडेंट डॉक्टरों, नर्सों और हेल्थकेयर स्टाफ के लिए एक कंटीन्यूड मेडिकल एजुकेशन प्रोग्राम- तीसरा PGI HIV अपडेट 2026 सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस प्रोग्राम में PGIMER, GMCH-32, NINE, जनरल हॉस्पिटल-सेक्टर 16, AIMS मोहाली और ट्राइसिटी के प्राइवेट अस्पतालों के 300 से ज्यादा पार्टिसिपेंट्स ने हिस्सा लिया। प्रोग्राम का मकसद हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को HIV डायग्नोसिस, ट्रीटमेंट और मैनेजमेंट में लेटेस्ट एडवांसमेंट के बारे में अपडेट करना था। साइंटिफिक सेशन में टेस्टिंग, शुरू करना, पोस्ट एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस, माता-पिता से बच्चे में ट्रांसमिशन की रोकथाम और PLHIV में मैलिग्नेंसी जैसे जरूरी टॉपिक शामिल थे। उटए में फैकल्टी में PGIMER, GMCH-32 और AIMS, मोहाली के अलग-अलग मेडिकल फील्ड के सीनियर कंसल्टेंट शामिल थे। प्रोफेसर संजय जैन, डीन (रिसर्च) और विभागाध्यक्ष, इंटरनल मेडिसिन विभाग, PGIMER और प्रोफेसर वनिता जैन, सब-डीन (रिसर्च) और विभागाध्यक्ष, स्त्री रोग और प्रसूति विभाग, PGIMER ने भी उटए में भाग लिया और HIV परीक्षण और PPTCT पर सत्रों की अध्यक्षता की। CME की शुरूआत ढ्ढह्रएफके इम्यूनोपैथोलॉजी विभाग के डॉ. महेंद्र कुमार द्वारा HIV, CD4, और वायरल लोड परीक्षण पर एक वार्ता के साथ हुई। डॉ. शंकर नायडू, डिप्टी प्रोग्राम डायरेक्टर, CoE इन HIV केयर, PGIMER ने ART की शुरूआत और निगरानी पर एक सत्र लिया। डॉ. जसलीन कौर, चिकित्सा अधिकारी, ART केंद्र, PGIMER ने माता-पिता से बच्चे में संक्रमण की रोकथाम के बारे में बात की। प्रोफेसर अमन शर्मा, कार्यक्रम निदेशक, CoE इन HIV केयर, PGIMER ने पोस्ट एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस पर विचार-विमर्श किया इवेंट अच्छे से खत्म हुआ, जिससे HIV केयर और एजुकेशन को बेहतर बनाने के PGIMER के कमिटमेंट को पक्का किया गया। उटए वोट ऑफ थैंक्स और हाई टी के साथ खत्म हुआ, जिससे अटेंडीज के बीच और नेटवर्किंग और कोलेबोरेशन को बढ़ावा मिला।

दिव्य कला मेला आज से 21 तक चंडीगढ़ में आयोजित होगा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

दिव्य कला मेला - दिव्यांगजनों की कला/कौशल को प्रोत्साहित करने हेतु एक मेगा प्रदर्शनी-सह-मेले के संबंध में आज यू.टी. गेस्ट हाउस, सेक्टर-6, चण्डीगढ़ में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस प्रेस वार्ता की अध्यक्षता श्री अनिल कुमार, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम ने की। उन्होंने 13 से 21 फरवरी 2026 तक सेक्टर-34 ग्राउंड (गुरुद्वारा साहिब के सामने), चण्डीगढ़ में आयोजित होने वाले दिव्य कला मेले की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह मेला लगभग 20 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से आए करीब 100 दिव्यांग शिल्पकारों एवं उद्यमियों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने, समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा सतत आजीविका के अवसर सृजित करने का राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा इस विशेष प्रदर्शनी-सह-मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है। पिछले तीन वर्षों में देशभर में आयोजित 28 दिव्य कला मेलों ने सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करने, स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने तथा सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन मेलों के माध्यम से दिव्यांग कारीगरों एवं उद्यमियों को विपणन के पर्याप्त अवसर प्राप्त हुए, जिससे कुल 23 करोड़ से अधिक का व्यवसाय हुआ।

दिव्य कला मेला में हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, कढ़ाई कार्य, पैकेज्ड एवं ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थ, होम डेकोर एवं लाइफस्टाइल उत्पाद, वस्त्र, स्टेशनरी एवं पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद, खिलौने एवं उपहार, व्यक्तिगत आभूषण एवं क्लच बैग सहित विभिन्न आकर्षक उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे।

नौ दिवसीय यह मेला प्रतिदिन प्रातः 11:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक खुला रहेगा। मेले के दौरान दिव्यांग कलाकारों तथा प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। 21 फरवरी 2026 को विभिन्न राज्यों से आए दिव्यांग कलाकारों द्वारा ह्लदिव्य कला शक्तिह्व नामक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, देश के विभिन्न क्षेत्रों के व्यंजनों के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र होंगे। इस मेले का औपचारिक उद्घाटन 14 फरवरी 2026 को प्रातः 11:00 बजे भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री द्वारा किया जाएगा। दिव्य कला मेला को समावेशन, उद्यमिता और दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की एक राष्ट्रीय पहल के रूप में परिकल्पित किया गया है। चण्डीगढ़ में आयोजित इस मेले में विभिन्न दिव्यांगताओं से संबंधित अनुभव क्षेत्र, दिव्यांगजन स्टार्टअप्स तथा नवीन सहायक उपकरणों एवं सहायक तकनीकों का भी प्रदर्शन किया जाएगा, जो इसे एक जीवंत और समावेशी आयोजन बनाएगा।

नगराधीश ने समाधान शिविर में सुनी जिलावासियों की समस्याएं

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

नगराधीश जागृति ने समाधान शिविर में आज चंडीकोटला की सुनीता देवी की अवैध अतिक्रमण हटाने की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारी को मौके का मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। नगराधीश जागृति ने लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में 5 जिलावासियों की अलग अलग समस्याएं सुनी। उन्होंने सभी अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर बिना विलंब किए सभी समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

नगराधीश ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जिले में लगातार प्रत्येक सोमवार व वीरवार कार्य दिवस के दिन प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होनें बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं समाधान शिविर में आई समस्याओं की मोनिटरिंग करते है और समाधान शिविर से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ते भी है। नगराधीश ने जिलावासियों से समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करवाने की भी अपील की। इस अवसर पर जिला राजस्व अधिकारी कुलदीप सिंह, जिला बागवानी अधिकारी अशोक कौशिक, तहसीलदार सुरेश, सीएम विंडो के एमीनेंट पर्सन जसमेर बंजारा, सत्यवान कौशिक, विपिन लिड्ढू, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी, शिक्षा विभाग, वन विभाग, मत्स्य विभाग, महिला बाल विकास तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

मनोरंजन के पीक पर पहुंचकर खत्म हुआ एनएसडी का भारंगम व डीएलसीसुपवा का सारंग महोत्सव

गीत-संगीत, अभिनय व रंगमंच के अद्भुत महोत्सव का भव्य समापन

सिटी दर्पण संवाददाता
रोहतक

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) की तरफ से आयोजित कराए जा रहे भारत रंग महोत्सव (भारंगम) के 25वें संस्करण और यूनिवर्सिटी के अपने सारंग महोत्सव का गुरुवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ समापन हुआ। चार दिवसीय इस गीत-संगीत, अभिनय और अद्भुत महोत्सव के भव्य समापन समारोह में कई बड़ी हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मौके पर पदमश्री से सम्मानित प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने अवधी भाषा में अपने गीतों पर दर्शकों को झूमने पर मजबूर पर किया।उनके साथ ना आना इस देश लाडो फेम अभिनेत्री मेघना मलिक, बॉलीवुड अभिनेता सुनील चितकारा व अभिनेता विक्रम कोचर, सनसनी फेम श्रीवर्धन त्रिवेदी मुख्य रूप से मौजूद रहे। यूनिवर्सिटी के कुलगुरू डॉ अमित आर्य व रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मनोचा ने अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया। समापन सत्र में मालिनी अवस्थी ने पूर्वांचल में शादी के दौरान महिलाओं द्वारा गाए जाने वाले गीतों के दौरान होने वाले अभिनय का शानदार मंचन देते कहा कि हमारी दादी, नानी और पुरानी महिलाओं ने अभिनय सीखा नहीं है, लेकिन वह शादी-विवाह के गीतों पर हंसने व रोने के भाव काफी शानदार तरीके से पेश करती हैं। वह अभिनय बनावटी नहीं होता, वह आत्मा व अभिव्यक्ति से निकल कर आता है। उन्होंने छात्रों से इससे सीखने की बात कही। अपनी बातचीत के दौरान जैसे ही उन्होंने नखरे वाली बन्नो आई पिया गीत प्रस्तुत किया, तो सभी दर्शक झूमने पर मजबूर हो गए। अभिनेत्री मेघना मलिक भी खुद को रोक नहीं पाई और मंच पर डांस करने पहुंच गई। चार दिवसीय भारंगम के दौरान दिल्ली, पंजाब व श्रीलंका से आए चार नाटकों का मंचन किया गया। एनएसडी की तरफ से 107 लोग इन नाटकों में हिस्सा लेने के लिए यूनिवर्सिटी पहुंचे, जिनमें कलाकार, टेक्निशियन, म्यूजिशियन व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। वहीं, सारंग महोत्सव के दौरान रंगमंच, म्यूजिक, डांस, कविता पाठ, लोक नृत्य व संवाद सत्रों का आयोजन किया गया। इसमें देश के अलग-अलग राज्यों की कला व संस्कृतियों की झलक कलाकारों ने प्रस्तुत की। वहीं, डीएलसीसुपवा के 50 छात्रों ने भी अपनी प्रस्तुति मंच पर दी। छात्रों ने कथक, भरतनाट्यम, रंगमंच, बॉडी मूवमेंट थियेटर, भंगड़ा, कव्वाली, म्यूजिक की प्रस्तुति दी। आयोजन को सफल बनाने के लिए यूनिवर्सिटी के अलग-अलग डिपार्टमेंट के करीब 60 से अधिक वॉलंटियर्स व पूरे सुपवा यूनिवर्सिटी परिवार ने अपना योगदान किया। समापन समारोह के दौरान लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने कहा कि सुपवा की धरती पर कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने जिस तरह से कला का बीज बोया है और उसकी बागवानी के साथ उसकी रखवाली की है, वह शानदार है। मुझे सुपवा परिसर में आकर ऐसा महसूस हुआ, जैसे एनएसडी में पहुंच गए हैं।इस भव्य आयोजन में मुझे बुलाने के लिए मैं उनका आभार व्यक्त करती हूं। उन्होंने छात्रों से कहा कि संगीत व अभिनय एक साथ जुड़े हुए हैं। सनसनी फेम एंकर व रंगकर्मी श्रीवर्धन त्रिवेदी ने कहा कि सुपवा ने एक शानदार आयोजन किया है और मुझे उम्मीद है कि आगे भी यह तरह के आयोजन होने जरूरी हैं। क्योंकि यह इस क्षेत्र व समय की जरूरत है। अभिनेत्री मेघना मलिक ने कहा कि पहले अभिनय को लेकर केवल एक ही संस्थान का नाम था एनएसडी और उसके बारे में भी अधिकतर लोगों को जानकारी नहीं होती थी, लेकिन आज सुपवा जैसा संस्थान आपके शहर में है, आपके आसपास है, तो इससे खूबसूरत बात तो कुछ हो ही नहीं सकता।

फिल्म अभिनेता विक्रम कोचर ने कहा कि कुछ भी करने से पहले यह सुनिश्चित करना होता है कि आप करना क्या चाहते हैं। एक फाइनल डिसीजन लेना होता है। आप जो काम कर रहे हैं, उससे प्यार करना जरूरी है।

डीएलसीसुपवा के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने कहा कि नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा ने भारंगम के 25वें संस्करण का आयोजन करने के लिए हमारे संस्थान को चुना यह हमारे लिए गर्व की बात है और हमने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया।